अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है भारत : प्रधानमंत्री - 12

ब्रिटेन समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ा अवसर - 12

अमेरिका-चीन ने आयात शुल्क पर लगी रोक को 90 दिन के लिए बढ़ाया - 13

आईसीसी ने शुभमन गिल को इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन का दिया इनाम - 14

आज का मौसम

34.0° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.41

सूर्यास्त 06.53

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी 06:36 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 13 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 264, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बद्री-केदारनाथ, हेमकुंड साहिब यात्रा पर रोक

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश को लेकर तीन दिनों 13 से 15 तक अलर्ट है। जिसको देखते हुए शासन ने सभी जनपदों के जिलाधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। बद्रीनाथ धाम, केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब की यात्रा पर तीन दिन 13 से 15 अगस्त तक रोक लगा दी गई है। रेड अलर्ट वाले जिलों में बागेश्वर, देहरादून, टिहरी, पौड़ी, गढ़वाल, हरिद्वार, नैनीताल, ऊधम सिंह नगर हैं।

मलिक समेत कई के ठिकानों पर छापे

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने 1990 में कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट की हत्या के मामले में मंगलवार को श्रीनगर में कई जगहों पर छापेमारी की जिनमें प्रतिबंधित जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) प्रमुख यासीन मलिक का घर भी शामिल है। मलिक जेल में बंद हैं।

अवैध सट्टेबाजी एप के खिलाफ ईडी का छापा

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'अवैध' सट्टेबाजी एप के संचालन से संबंधित धन शोधन मामले की जांच के तहत मंगलवार को कई राज्यों में छापेमारी की। इस एप के जरिए लोगों से 2,000 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। सूत्रों ने बताया कि परीमैच नाम के एप के खिलाफ मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, जयपुर, मदुरै और सूरत में करीब 15 परिसरों में छापेमारी की जा रही है।

तिरंगा प्यारा...

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास राष्ट्रीय ध्वज के साथ सेना के जवान। 15 अगस्त को देशभर में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। जिसको लेकर लोगों के साथ ही सेना में भी भारी उत्साह है।

चार नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट को केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- ओडिशा, पंजाब और आंध्र में स्थापित किए जाएंगे ये संयंत्र
- तातो-2 जलविद्युत परियोजना को दिए 8,146.21 करोड़ रुपये

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंगलवार को ओडिशा, पंजाब और आंध्र प्रदेश में कुल 4,594 करोड़ रुपये के निवेश से चार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की स्थापना को मंजूरी दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते कहा कि सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयों की स्थापना में वित्तीय मदद देने के लिए 76,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

वैष्णव ने कहा कि ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में लगने वाले सेमीकंडक्टर संयंत्र की वार्षिक क्षमता 9.6 करोड़ चिपों के विनिर्माण की होगी। कहा कि सिलिकॉन कार्बाइड बेहद मजबूत सामग्री है जिसका इस्तेमाल मिसाइल, उपग्रह, दूरसंचार टावर, रॉकेट और रेल इंजन में किया जाता है। ओडिशा में ही एक 3डी ग्लास निर्माण संयंत्र भी स्थापित होगा। आंध्र प्रदेश में चिप पैकेजिंग संयंत्र को मंजूरी दी गई है। वहीं पंजाब में 117 करोड़ के निवेश वाली सेमीकंडक्टर परियोजना को मंजूरी दी गई है। 700 मेगावाट क्षमता वाली तातो-दो जलविद्युत परियोजना के लिए 8146.21 करोड़ रुपये की भी मंजूरी दी। अरुणाचल प्रदेश के शियोमी जिले में इस परियोजना के पूरा होने की अनुमानित अवधि 72 महीने है।

लखनऊ मेट्रो के लिए 5801 करोड़ रुपये स्वीकृत

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश में लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना के चरण-1बी को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इस परियोजना का कॉरिडोर 11.165 किलोमीटर लंबा होगा और इस पर 5801 करोड़ रुपये की लागत आएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, चरण-1बी के चालू होने पर लखनऊ शहर में कुल 34 किलोमीटर का मेट्रो रेल नेटवर्क संचालित होगा। नया कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन होंगे, जिनमें सात भूमिगत और पांच एलिवेटेड स्टेशन शामिल हैं। इस चरण में पुराने लखनऊ के अमीनाबाद, यहियागंज, पांडेयगंज और चौक जैसे व्यावसायिक केंद्र शामिल हैं। यह कॉरिडोर केजीएमयू, बड़ा व छोटा इमामबाड़ा, भूल-भुलैया, घंटाघर और रूमी दरवाज़ा जैसे अहम पर्यटक केंद्रों को भी जोड़ेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- एसआईआर का विवाद विश्वास की कमी का

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले की शीर्ष अदालत कर रही सुनवाई

- योगेंद्र यादव ने निर्वाचन आयोग के आंकड़ों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े विवाद को मोटे तौर पर विश्वास की कमी का मुद्दा बताया, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने दावा किया कि कुल 7.9 करोड़ मतदाताओं में से करीब 6.5 करोड़ लोगों को कोई दस्तावेज दाखिल करने की आवश्यकता नहीं थी, क्योंकि वे या उनके माता-पिता 2003 की मतदाता सूची में शामिल थे। शीर्ष अदालत बिहार में निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं से सवाल करते हुए टिप्पणी की कि यह काफी हद तक विश्वास की कमी का मामला प्रतीत होता है, कुछ और नहीं। याचिकाकर्ताओं ने निर्वाचन आयोग के 24 जून के एसआईआर के फैसले को इस आधार पर चुनौती दी है कि इससे एक करोड़ मतदाता अपने मताधिकार से वंचित हो जाएंगे।

पीठ ने याचिकाकर्ता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता मनोज झा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि यदि 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ मतदाताओं ने एसआईआर पर जवाब दिए हैं, तो इससे एक करोड़ मतदाताओं के लापता होने या मताधिकार से वंचित होने का सिद्धांत ध्वस्त हो जाता है।

विभिन्न राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने भी इस प्रक्रिया के पूरा होने की समयसीमा और उन 65 लाख मतदाताओं के आंकड़ों पर सवाल उठाया, जिन्हें मृत या विस्थापित या अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में पंजीकृत घोषित किया गया था।

राजनीतिक कार्यकर्ता योगेन्द्र यादव ने निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए आंकड़ों पर सवाल उठाया और कहा कि 7.9 करोड़ मतदाताओं के बजाय कुल वयस्क जनसंख्या 8.18 करोड़ है और एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाताओं को हटाना है। यादव ने कहा कि वे (निर्वाचन आयोग) किसी भी ऐसे व्यक्ति को नहीं ढूंढ़ पाए जिसका नाम जोड़ा गया हो। उन्होंने इसे मताधिकार से वंचित करने का मामला बताया। सुनवाई के दौरान सिब्बल ने कहा कि एक निर्वाचन क्षेत्र में, निर्वाचन आयोग के दावे के विपरीत, मृत घोषित किए गए 12 लोग जीवित पाए गए, जबकि एक अन्य मामले में जीवित व्यक्तियों को मृत घोषित कर दिया गया। अब सुनवाई बुधवार को होगी।

"यदि 7.9 करोड़ मतदाताओं में से 7.24 करोड़ ने एसआईआर पर जवाब दिए हैं, तो इससे एक करोड़ मतदाताओं के लापता होने या मताधिकार से वंचित होने का सिद्धांत ध्वस्त हो जाता है।

आधार, वोटर आईडी नागरिकता का प्रमाण नहीं

शीर्ष अदालत ने निर्वाचन आयोग के इस निर्णय से सहमति जताई कि आधार और मतदाता पहचान पत्र को नागरिकता के निर्णायक प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा और कहा कि इसके समर्थन में अन्य दस्तावेज भी होने चाहिए। सिब्बल ने दलील दी कि निवासियों के पास आधार, राशन और मतदाता पहचान पत्र होने के बावजूद, अधिकारियों ने दस्तावेज़ स्वीकार करने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि क्या आपकी दलील यह है कि जिन लोगों के पास कोई दस्तावेज़ नहीं है, लेकिन वे बिहार में हैं, इसलिए उन्हें राज्य का मतदाता माना जाना चाहिए? इसकी अनुमति दी जा सकती है। उन्हें कुछ दस्तावेज़ दिखाने या जमा करने होंगे। सिब्बल ने कहा कि लोगों को अपने माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र और अन्य दस्तावेज खोजने में कठिनाई हो रही है, तो न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि यह बहुत ही चलताऊ बयान है कि बिहार में किसी के पास दस्तावेज नहीं हैं।

लोस में जस्टिस वर्मा को हटाने का प्रस्ताव मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

महाभियोग की प्रक्रिया शुरू

- आरोपों की जांच के लिए स्पीकर ने गठित की तीन सदस्यीय समिति

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने के कई सांसदों के एक प्रस्ताव को मंगलवार को विचारार्थ स्वीकार कर लिया और उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की और इसके साथ ही न्यायमूर्ति वर्मा पर महाभियोग की प्रक्रिया शुरू हो गई।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने समिति के गठन की घोषणा करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं, इसलिए उन्हें न्यायाधीश के पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए। बिरला ने कहा कि तीन सदस्यीय समिति में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता बी वी आचार्य शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि समिति यथाशीघ्र अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच समिति की रिपोर्ट प्राप्त होने तक प्रस्ताव (न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने का) लंबित रहेगा। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने सदन को सूचित किया कि उन्हें गत 31 जुलाई को भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद और सदन में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कुल 146 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है, जिसमें न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को न्यायाधीश जांच अधिनियम 1968 की धारा 3 के साथ संविधान के अनुच्छेद 124 (4) के साथ पठित अनुच्छेदों 217 और 218 के अंतर्गत उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से हटाने के लिए राष्ट्रपति को एक समावेदन प्रस्तुत करने का प्रस्ताव है।

बिरला ने कहा कि बेदाग चरित्र और वित्तीय एवं बौद्धिक ईमानदारी न्यायपालिका में आम आदमी के विश्वास की नींव है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है।

अंदर देखें ... रंगोली

अशोका फोम

SUMMER SALE

UPTO 70%

CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER

Readymade Garments

FLAT 50% TO 80%

मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

बदायूं में दरोगा की मां की गला रेतकर हत्या

संवाददाता, इस्लामनगर (बदायूं)

अमृत विचार : इस्लामनगर में दरोगा की बुजुर्ग मां की गला रेतकर हत्या कर दी गई। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने एसपी देहात डॉ. केके सरोज के साथ मौका मुआयना किया। उनके कान के कुंडल गायब थे, ऐसे में लूट के बाद हत्या की आशंका है।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव मोहसनपुर निवासी दरोगा मनवीर सिंह हापुड़ की पुलिस चौकी बहादुरगढ़ में तैनात हैं। उनकी मां रातरानी (70) घर में अकेली रहती थीं। मंगलवार सुबह 10 बजे तक घर का दरवाजा नहीं खुला तो उनके देवर नंदराम ने आवाज लगाई। भीतर से कोई आवाज नहीं आई तो एक बच्चे को छत के रास्ते घर में भेजा। वहां रातरानी का खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा था। गला रेता गया था और सोने के कुंडल गायब थे। ग्राम प्रधान टीटू यादव की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक विशाल प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे। सीओ संजीव कुमार, एसएसपी बृजेश कुमार सिंह, एसपी देहात डॉ. केके सरोज भी पहुंच गए। एसएसपी ने बताया कि महिला के दरोगा बेटे की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट लिखी गई है। खुलासे के लिए चार टीमें गठित की हैं।

मृतका रातरानी

- कान के कुंडल मिले गायब, लूट के बाद हत्या की आशंका

खंभे से टकराई कार, लेखपाल समेत 3 दोस्तों की मौत

संवाददाता, कुंवरगांव (बदायूं)

अमृत विचार : तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर स्मृति द्वार के खंभे से टकरा गई। हादसे में लेखपाल समेत तीन दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी लेखपाल का जन्मदिन मनाकर किसी होटल में खाना खाने जा रहे थे।

घायल को बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शहर के मोहल्ला कल्याण नगर निवासी हर्षित सक्सेना उर्फ राजा (25) पुत्र मुन्ना बाबू सक्सेना लेखपाल थे। संभल में उनकी तैनाती थी। सोमवार को अपने जन्मदिन पर दोस्तों मालगोदाम निवासी हर्षित गुप्ता, गांव दहेमी निवासी रूबल पटेल (26) और अंकित (29) के साथ एक होटल पर पार्टी की। इसके बाद खाना खाने उझानी मार्ग स्थित होटल पर जा रहे थे। रात करीब एक बजे एआरटीओ कार्यालय के पास उनकी कार अनियंत्रित होकर स्मृति द्वार के खंभे से टकरा गई।

हादसे में लेखपाल हर्षित सक्सेना, रूबल पटेल और हर्षित गुप्ता की मौत हो गई जबकि अंकित गंभीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भेजा। हालत गंभीर होने पर बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रूबल पटेल

हर्षित सक्सेना

हर्षित गुप्ता

- लेखपाल का जन्मदिन मनाकर खाना खाने जा रहे थे सभी
- सिविल लाइन क्षेत्र में एआरटीओ कार्यालय के पास हुआ हादसा

सीबीएसई पाठ्यक्रम का हिस्सा होंगे नए कानून

नई दिल्ली, एजेंसी

- धारा 377 व तीन तलाक के निरस्तीकरण के बारे में पढ़ेंगे छात्र

बीएनएस को लागू करना, तीन तलाक एवं राजद्रोह जैसे पुराने कानूनों का निरस्तीकरण तथा धारा 377 को खत्म करना सीबीएसई के 2026-27 शैक्षणिक सत्र से विधि अध्ययन पाठ्यक्रम का हिस्सा होंगे।

सीबीएसई की पाठ्यक्रम समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और जून में शासी निकाय ने इसे अंगीकार करने का फैसला किया था। इस निर्णय के तहत उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र औपनिवेशिक काल के कानूनों की जगह लेने वाले नए कानूनों के साथ-साथ भारत के कानूनी ढांचे को नया रूप देने वाले ऐतिहासिक निर्णयों एवं सिद्धांतों का अध्ययन करेंगे। प्रस्ताव के विवरण में बताया गया कि भारत के कानूनी ढांचे में बड़े सुधार हुए हैं, जिनमें औपनिवेशिक काल के प्रमुख प्रावधानों को निरस्त करना और 2023-24 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) को लागू करना शामिल है। सीबीएसई अधिकारियों के अनुसार, अगले शैक्षणिक सत्र के लिए अद्यतन पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाएगा और इसमें विषय-वस्तु विकास एजेंसी को भी शामिल किया जा सकता है।

मानसून सत्र का दूसरा दिन | नेता प्रतिपक्ष के आरोपों पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने किया पलटवार, कहा- हर हाल में कानून-व्यवस्था पहले

फतेहपुर की घटना पर सरकार सख्त, दोषियों को मिलेगी कड़ी सजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उप्र. विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को भी विपक्ष फतेहपुर घटना समेत अन्य मामलों पर हंगामा काटता नजर आया। फतेहपुर मामले में विपक्ष के आरोपों पर वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार और उसका कोई भी तंत्र इस घटना में किसी भी प्रकार से शामिल नहीं है।

आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और सरकार कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जो भी कानून अपने हाथ में लेगा उसको सख्त सजा देने का काम हमारी सरकार करेगी। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे के सवाल का जवाब देते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि इस घटना में सरकार का और सरकारी तंत्र का कोई शामिल नहीं है, इसका हम पूरी तरह से खंडन करते हैं। उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद 11 अगस्त को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई। इस एफआईआर में 10 नामजद आरोपियों के अलावा 150 अज्ञात लोगों को भी शामिल किया गया है। इन सभी के खिलाफ गंभीर धाराओं- धारा 190, 191(2), 191(3), 301, 196 के साथ ही आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम-7 और सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की धारा-2,3 के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये धाराएं इस बात का संकेत हैं कि सरकार इस घटना को बेहद गंभीरता से ले रही है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

फतेहपुर सांसद ने लिखा अमित शाह को पत्र : फतेहपुर से सपा के सांसद नरेश चंद्र उत्तम पटेल ने फतेहपुर मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा कि यह मकबरा एक राष्ट्रीय धरोहर है, जिसे अनावश्यक रूप से 'श्री ठाकुर जी बिराज मान मंदिर' बताया जा रहा है।

विधानसभा में विपक्ष के प्रश्नों का जवाब देते संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, साथ में नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

कानून अपना काम करेगा

सुरेश खन्ना ने कहा कि जो भी व्यक्ति कानून अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा, उसे न्यायिक प्रक्रिया के तहत दंड जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा, सरकार की प्राथमिकता हर हाल में लॉ एंड ऑर्डर को मेंटेन रखना है और किसी भी तरह की अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह भी संकेत दिया कि विपक्ष इस तरह की घटनाओं को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है, जबकि हकीकत यह है कि पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया और बिना देरी किए कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी।

सरकार पर कोई दबाव नहीं

सदन में सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया कि, जो हिंदूवादी नेता मामले में पुलिस पर दबाव बना रहे हैं, उनका सरकार पर कोई दबाव नहीं है। इसके उलट, सरकार हर कीमत पर कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। इसके तहत, प्रदेश सरकार ने क्षेत्र में 10 थानों की पुलिस फोर्स, दो कंपनी पीएसी और प्रशासन की पूरी टीम तैनात कर दी है। 10 नामजद समेत 160 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल सामान्य किया जा रहा है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

स्कूली बच्चों ने निकाली तिरंगा यात्रा

बिलसंडा : नगर के राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं एवं नेशनल पब्लिक स्कूल के बच्चों ने भी तिरंगा यात्रा निकाली। स्कूल परिसर से शुरु हुई यात्रा विभिन्न मार्गों से होती हुई प्रमुख बजार पहुंची तो उत्तर-प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के नगराध्यक्ष अवनीश जायसवाल समेत अन्य पदाधिकारियों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। उन्हें तिरंगा वितरित किया। सभी को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपनी छतों पर तिरंगा लहराने के लिए प्रेरित किया गया।

कॉलेजों में नामांकन बढ़ाने की कवायद शुरू

पीलीभीत, अमृत विचार : राजकीय स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए अब शासन की ओर से शिक्षकों को लखनऊ में प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिसमें शिक्षकों को शिक्षा गुणवत्ता और नामांकन के लिए प्रोत्साहित करने के टिप्स दिए जाएंगे। यह प्रशिक्षण छह दिवसीय होगा। इसमें जिले के सभी राजकीय स्कूलों के प्रधानाचार्य व प्रभारी प्रतिभाग करेंगे।

आजादी के स्वर्णिम इतिहास की गवाह है बमरौली की ऐतिहासिक गढ़ी

- तहसीलदार की नौकरी छोड़ देश की आजादी में उतरे थे कुंवर भगवान सिंह
- जमींदार परिवार की खंडहर हो चुकी हवेली आज भी आजादी के दिनों की याद दिलाती है

सुरेश जायसवाल बिलसंडा

बिलसंडा के गांव बमरोली स्थित कुंवर भगवान सिंह की गढ़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जिले में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन का इतिहास जब भी पढ़ा जाएगा तो बिलसंडा के क्रांतिकारी कुंवर भगवान सिंह सदा ही याद किए जाएंगे। उन्होंने महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सुभाष चंद्र बोस के निर्देशन में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जमकर लोहा लिया था।

देश आजादी का जज्बा उनमें इस कदर था, कि उन्होंने तहसीलदार जैसे महत्वपूर्ण पद की नौकरी ठुकरा कर अपना घर भी छोड़ दिया था। महात्मा गांधी के आह्वान आंदोलन की कंटीली राह पर निकल पड़े थे। कई बार गिरफ्तार होकर जेल गए। जेल में उन्हें यातनाएं सहनी पड़ी परंतु भारत माता के इस सपूत ने अपनी आवाज बुलंद रखी। इसलिए आज भी लोग उनका नाम बड़े सम्मान के साथ लेते हैं। जमींदार परिवार के कुंवर भगवान सिंह की खंडहर हो चुकी हवेली गांव में आज भी आजादी के दिनों की याद दिलाती है। इतना ही नहीं ब्रिटिश हुकूमत के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर भगवान सिंह बीसलपुर के प्रथम विधायक और नेपाल के राजदूत भी रहे।

नगर से महज चार किमी की दूरी पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कुंवर भगवान सिंह का पैतृक गांव बमरौली है। कुंवर भगवान सिंह के दादा हीरा सिंह को 1857 में दियोरियां और बमरौली के राजपूतों ने 16 हजार की वार्षिक माल गुजारी पर नियुक्त भी किया था। वे 1857वीं सदी के स्नातक थे। बमरौली गांव 1921 में असहयोग आंदोलन में फिर चमका और उसके बाद कुंवर भगवान सिंह के बड़े भाई शंकर सिंह असहयोग आंदोलन में कूद पड़े और जेल जाना पड़ा।

इसके बाद भगवान सिंह 1930 में राजनीति में आए और बीसलपुर में पिकेटिंग और पूरनपुर जंगल के प्रसिद्ध सत्याग्रह में उन्होंने भागीदारी की। भगवान सिंह की अहम भूमिका 1942 में तब सामने आई जब उन्होंने हथियार बंद साथियों के साथ दियोरिया के जंगलों में शरण लेकर बीसलपुर में कब्जा करने की योजना बनाई, और तहसीलदार की नौकरी छोड़ कर असहयोग आंदोलन में कूदे थे। इस कोठी में आजादी को लेकर रणनीति बनाई गई थी। उन दिनों कांग्रेस ने महात्मा गांधी के हाथों में आंदोलन की बागडोर सौंप रखी थी। कुंवर भगवान सिंह महात्मा गांधी से संपर्क बनाए हुए थे। बीसलपुर में सत्याग्रह करने पर अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। वर्ष 1937 में विधायक चुने गए। वह 1942 में अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के अग्रणी सेनानी रहे। जेल से छूटने के बाद 1946 में उन्हें उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए निर्विरोध सदस्य चुन लिया गया था। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हो गया।

जिले में अग्रणी भूमिका निभाने वाले कुंवर भगवान सिंह का 2 जून 1999 को निधन हो गया, लेकिन आज भी उनकी पहचान अपराजेय योद्धा के रूप में है। साहित्यकार सुधीर विद्यार्थी ने उनके जीवन चरित्र को अपनी पुस्तक को अपराजेय योद्धा कुंवर भगवान सिंह के नाम से प्रकाशित भी किया है। उनके पूर्वजों की आज खंडहर हो चुकी गढ़ी आजादी के स्वर्णिम इतिहास की दास्तां सुना रही है।

दीदार सिंह ने भी वतन की खातिर कर दिया था सर्वस्व न्यौछावर

देश की आजादी में अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले क्रांतिकारी दीदार सिंह को भी नहीं भुलाया जा सकता। बेटे ने घर के बाहर उनकी समाधि बनवाकर यादों को संजो रखा है। गांव में शीतलपुर जंगल के समीप स्थित सुभाष चंद्र बोस सेना के जाबांज सिपाही रहे दीदार सिंह की समाधि है। अंग्रेजों के चाबुक और जेल का दंश झेलने वाले क्रांतिकारी दीदार सिंह की समाधि को उनके पुत्र मस्सा सिंह ने काफी व्यवस्थित कर रखा है। इनका नाम ब्लॉक परिसर में स्थित अशोक स्तंभ में 12 वे स्थान पर स्थित है।

शिक्षक निर्वाचन के मतदेय स्थलों को लेकर हुई चर्चा

पीलीभीत, अमृत विचार: जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में आगामी बरेली मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन के संबंध में बैठक में हुई। खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली भागवार तैयार करने के लिए मतदेय स्थलों का चयन पुनरीक्षण प्रक्रिया शुरू होने से पूर्व राजनीतिक दलों से विमर्श किया गया।

मंगलवार को जिला निर्वाचन अधिकारी/डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की ओर से मौजूद राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त कर बैठक शुरू की। उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम वित्त ऋचु पूनिया ने आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी की ओर से जारी निर्देशों को पढकर सुनाया। बैठक में पिछले खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के दौरान जनपद में स्थापित 8 मतदेय स्थलों की सूची भी उपलब्ध कराई गई।

प्रेरणा कैंटीन से छात्रों को मिलेगा पौष्टिक भोजन

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को चलाने के लिए दी जाएगी कैंटीन, आर्थिक स्थिति होगी मजबूत

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : महिलाओं को आत्मनिर्भर और राजकीय कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरणा कैंटीन खोली जा रही हैं। यह कैंटीन स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को दी जाएंगी। विद्यालयों में ही कैंटीन का संचालन होगा। एनआरएलएम और डीआईओएस की ओर से पहल शुरू की गई है। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से राजकीय कॉलेजों की सूची मिलने के बाद स्वतः रोजगार आजीविका मिशन विभाग की ओर से काम शुरु करा दिया है। इसकी शुरुआत ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज से की गई है। अन्य स्कूलों में भी कैंटीन शुरू करने की कवायद तेज कर दी गई है।

जिले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 189 कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इसमें 35 राजकीय, 22 एडेड और 132 वित्तविहीन कॉलेज हैं। स्वतः रोजगार आजीविका मिशन और माध्यमिक शिक्षा विभाग की पहल पर राजकीय कॉलेजों में निजी स्कूल की तर्ज पर कैंटीन बनवाई जा रही है। जिससे छात्र-छात्राओं को शुद्ध नाश्ता और भोजन मिल सके। इस कैंटीन को प्रेरणा नाम दिया गया है। इसका संचालन स्वयं सहायता समूह की महिलाएं करेंगी। वर्तमान समय में जिले में 12855 स्वयं सहायता समूह संचालित किए जा रहे हैं। इन समूहों से करीब 1.28 लाख महिलाएं जुड़ी हुई है। इनमें से 60 प्रतिशत समूह सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। एक समूह में 10 से 15 महिलाएं हैं। इनकी ओर से आजीविका चलाने के लिए तरह-तरह के उत्पादों का उत्पादन किया जा रहा है। अब शासन ने इनको स्कूलों में कैंटीन खुलवाकर उन्हें और सशक्त बनाने पर जोर दिया है। यह कैंटीन माध्यमिक और सहायता प्राप्त स्कूलों में प्रेरणा कैंटीन खोली जाएगी। यह कैंटीन आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से की जाएगी। इनका संचालन महिलाओं के द्वारा किया जाएगा। प्रेरणा कैंटीन स्कूल समय तक संचालित होंगी। इससे शुद्ध नाश्ता सस्ते दाम पर मिल सकेगा। हालांकि अभी तक 17 राजकीय कॉलेजों में कैंटीन का संचालन किया जाएगा। समूह की महिलाएं आत्मनिर्भर बने, इसी उद्देश्य से प्रेरणा कैंटीन खोलने की कवायद चल रही है। इसको लेकर एनआरएलएम की ओर से माध्यमिक और परिषदीय विद्यालयों की सूची मांगी गई है। दोनों विभागों की ओर से एनआरएलएम को सूची भेज दी गई है। विभाग की ओर से अब ऐसे स्कूल चिन्हित किए जा रहे हैं। जहां कैंटीन के लिए पर्याप्त जगह मिल सके। इसके बाद कैंटीन का संचालन शुरु कर दिया जाएगा। कैंटीन का संचालन के लिए महिलाओं को एनआरएलएम में आने वाले बजट से धनराशि दी जाएगी। कॉलेज परिसर में कैंटीन होने छात्रों और शिक्षकों को लंच और नाश्ते के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। घरेलू महिलाओं द्वारा भोजन और नाश्ता बनाने से वह पौष्टिक होगा। इसलिए सरकार ऐसे कॉलेजों में कैंटीन बनवा रही है।

- ड्रमंड राजकीय और ललौरीखेड़ा में शुरु हुई व्यवस्था, अन्य में चल रही तैयारी

> स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राजकीय कॉलेजों में प्रेरणा कैंटीन खोली जा रही हैं। डीआईओएस से सूची मिलने के बाद ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज और ललौरीखेड़ा के राजकीय इंटर कॉलेज में कैंटीन का संचालन शुरु कर दिया है। अन्य कॉलेज के प्रधानाचार्य से वार्ता चल रही है कि जल्द ही जगह मिलते ही कैंटीन शुरु कर दी जाएगी। – **वंदना सिंह**, उपायुक्त, स्वत: रोजगार आजीविका मिशन

राजकीय कॉलेजों में प्रेरणा कैंटीन खोलने की पहल शुरु की गई है। इसको लेकर एनआरएलएम विभाग ने सूची मांगी थी। सूची उपलब्ध करा दी गई है। दो राजकीय कॉलेजों में कैंटीन शुरु हो गई। अन्य कॉलेजों में भी जगह दी जा रही है। – **राजीव कुमार** डीआईओएस

ड्रमंड कॉलेज और ललौरीखेड़ा में शुरु हुई कैंटीन

एनआरएलएम की ओर से प्रेरणा कैंटीन खोलने की कवायद तेज कर दी गई है। शिक्षा विभाग से सूची उपलब्ध होने के बाद सबसे पहले ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज और राजकीय इंटर कॉलेज ललौरीखेड़ा और राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रेरणा कैंटीन खोली गई है। कैंटीन का संचालन शुरु कर दिया गया है। कैंटीन में चाय नाश्ते के अलावा भोजन भी मिल रहा है। ऐसे में स्कूली बच्चों को अब मन पसंदीदा सामान कैंटीन में ही उपलब्ध हो सका। हालांकि कुछ परिषदीय विद्यालयों में भी जगह चिन्हित कर लिया गया है।

कोटेदार की शिकायत लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचे ग्रामीण

घुंघचिहाई, अमृत विचार: ग्राम पंचायत कबीरपुर कसगंवा के ग्रामीण मंगलवार को पूरनपुर तहसील पहुंचे। नारेबाजी कर प्रदर्शन करने के बाद एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। जिसमें कोटेदार पर घटतौली समेत कई आरोप लगाए हैं।

ग्रामीणों ने बताया उनके गांव का कोटेदार प्रति यूनिट पर 500 ग्राम कम राशन दे रहा है। समस्त उपभोक्तओं के अंगूठे का निशान मशील पर लगवाकर राशन को वितरित करना दिखा देता है। इसके आठ दिन बाद घटतौली कर राशन देता है। कई बार चक्कर भी लगवाए जाते हैं। ग्रामीणों ने बताया विरोध करने पर राशन कार्ड कैंसिल कराने की धमकी देता है। आरोपी का पुत्र खाद्य निरीक्षक के पास निजी तौर पर काम करता है। इसके चलते उत्पीड़न किया जा रहा है। आरोपी का बेटा भी इसमें शामिल रहता है। जांच कराकर कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत करने वालों में संजय कुमार बाजपेई, नसीम, मोनू, इदरीश, हरिओम वर्मा, संजीव कुमार, लालता प्रसाद, नसीर आदि थे।

स्वयं सहायता समूह ने बनाए 1.5 लाख झंडे

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए जा रहे झंडे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- जनपद की सभी ग्राम पंचायतों समेत विभागों में की गई सप्लाई

अमृत विचार: स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान के तहत जनपद में शहर से लेकर गांवों तक तिरंगा लहराएगा। करीब 1.5 लाख तिरंगा -झंडों का निर्माण स्वयं सहायता समूहों की ओर से किया गया है। तैयार झंडों को उपायुक्त स्वतः रोजगार के माध्यम से सभी 720 ग्राम पंचायतों और अन्य विभागों को भेज दिए गए हैं।

2 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तीसरे चरण में 13 से 15 अगस्त तक सभी शासकीय भवनों, सरकारी कार्यालयों, पंचायत भवनों, स्कूलों, अमृत सरोवरों, बैंकों समेत सभी जगहों पर तिरंगा फहराया जाएगा। इस बाबत डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम तिरंगा झंडे तैयार करवाने और इनका वितरण कराने के निर्देश दिए थे। जिसके बाद अभियान में प्रयुक्त होने वाले झंडों के निर्माण की जिम्मेदारी विभिन्न ब्लाकों में एनआरएलएम द्वारा गठित 67 स्वयं सहायता समूहों को दी गई थी। इन सभी स्वयं सहायता समूहों द्वारा 1.5 लाख झंडे तैयार किए गए। तिरंगा झंडों को सभी 720 ग्राम पंचायतों समेत मांग करने वाले विभागों को दे दिया गया है।

मेडिकल कॉलेज में एंटी रैगिंग सप्ताह की शुरुआत, छात्रों को शपथ दिलाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में मंगलवार को एंटी रैगिंग सप्ताह की शुरुआत की गई। उत्साह और जागरूकता के साथ इसका आयोजन किया गया। समस्त चिकित्सा विद्यार्थियों ने रैगिंग के विरुद्ध शपथ ली। उन्होंने वचन दिया कि वे किसी भी प्रकार की रैगिंग गतिविधि में भाग नहीं लेंगे और परिसर में मैत्रीपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करेंगे।

डॉ. अर्चना सिंह ने रैगिंग के दुष्प्रभावों को बताया। कहा कि यह न केवल कानूनन दंडनीय अपराध है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के भी विपरीत है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे परस्पर सम्मान और सहयोग की भावना से एक-दूसरे के साथ व्यवहार करें। डॉ. अरुण सिंह ने कहा कि एंटी रैगिंग कानून का उद्देश्य सिर्फ दंड देना नहीं, बल्कि एक स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना है।

उन्होंने नए और पुराने विद्यार्थियों के बीच सकारात्मक संवाद और सौहार्दपूर्ण संबंधों को बढ़ावा देने पर बल दिया। डॉ. परीक्षित ने कहा कि रैगिंग जैसी कुप्रथा से मुक्ति के लिए केवल नियम पर्याप्त नहीं, बल्कि छात्रों की मानसिकता में बदलाव आवश्यक है। प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि सप्ताह भर चलने वाले इस अभियान में जागरूकता कार्यक्रम, पोस्टर प्रतियोगिता और छात्र संवाद सत्र जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों में एंटी रैगिंग की भावना को सुदृढ़ करना है।

मेडिकल कॉलेज में शपथ लेते चिकित्सा विद्यार्थी। ● अमृत विचार

- छात्र मैत्रीपूर्ण -सुरक्षित वातावरण बनाए रखने में करेंगे सहयोग
- छात्रों की मानसिकता में बदलाव आवश्यक : डॉ. संगीता अनेजा

पीटीआर के वन वाचरों को मिलेगा चार माह का मानदेय

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- डिप्टी डायरेक्टर ने जन्माष्टमी से पूर्व दैनिक वेतन भोगियों को मानदेय देने के दिए निर्देश

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा में लगे 240 वन वाचरों एवं अन्य दैनिक भोगी कर्मचारियों के घरों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर खुशी का माहौल होगा। टाइगर रिजर्व प्रशासन ने वन वॉचरों समेत अन्य दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों के 6 माह के बकाये मानदेय में से 4 माह का मानदेय जन्माष्टमी से पूर्व दिया जाएगा।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में करीब 240 वन वॉचर तैनात हैं। दिन-रात जंगल के भीतर अपनी जान-जोखिम में डालकर ड्यूटी करने वाले इन वाचरों को मात्र 9,634 रुपये ही प्रति माह मानदेय दिया जाता है। पीलीभीत टाइगर रिजर्व में स्टॉफ की कमी को पूरा करने वाले इन वन वॉचरों को पूर्व में कई-कई माह बाद भी वेतन नहीं मिल पाता था। अधिकतर वन वॉचर तो वेतन न मिलने के कारण तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इनकी जिम्मेदारी की बात करें तो वन वाचरों की ड्यूटी की कोई सीमा नहीं है। रात-दिन उनको ड्यूटी करना पड़ती है। हालांकि गत वर्ष से इन वन वाचरों को मानदेय दिए जाने की स्थिति में सुधार देखा जा रहा है।

> पीटीआर में तैनात दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को 04 माह का मानदेय दिया जा रहा है। यह मानदेय प्रोजेक्ट टाइगर के फंड से दिया जाएगा। शेष बचे बकाया मानदेय को लेकर शासन से पत्राचार किया गया है। – **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

तिरंगा यात्रा में लगे देशभक्ति के नारे

ललौरीखेड़ा में निकाली गई तिरंगा यात्रा में शामिल ब्लॉक प्रमुख, एसएसबी जवान व अन्य। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत घुंघचिहाई और ललौरीखेड़ा क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जनप्रतिनिधि, संभ्रांत नागरिकों के साथ ही एसएसबी के जवान भी शामिल हुए। इस दौरान देशभक्ति से जुड़े नारे लगाए गए, कई जगह यात्रियों का स्वागत भी किया गया।

ललौरीखेड़ा में एसएसबी और ब्लॉक प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। एसएसबी 49वीं वाहिनी के कमांडेंट शेर सिंह चौधरी की अगुवाई में बड़ी संख्या में जवान शामिल हुए। ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर ललौरीखेड़ा ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार, बीडीओ लक्ष्मण प्रसाद, महामंडलेश्वर शिवानंद शास्त्री, शरद गंगवार, वीरेंद्र कुमार, बाबू, लाखन सिंह, बसंत कुमार, रामकिशन, लाखन सिंह गुर्जर, राजा, राकेश, महेश कुमार, मोहित कुमार, निर्दोष गंगवार, सुधीर कुमार, अखिलेश गुप्ता, राजीव गंगवार, ललौरीखेड़ा चौकी प्रभारी विवेक चौधरी, अमित वाल्मीकि आदि मौजूद रहे। उधर, पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के घुंघचाई मंडल में भी तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और देशभक्ति गीत गाए गए। इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री लेखराज भारती, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गुरभाग सिंह, मंडल अध्यक्ष संजीव त्रिवेदी, पंकज सिंह, मनीष पासवान, हरिओम प्रजापति, सुनील शुक्ला, बालक राम वर्मा आदि मौजूद रहे।

बिलसंडा में तिरंगा यात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत

बिलसंडा, अमृत विचार : आजादी के अमृत महोत्सव के तहत मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई। शहीद स्तंभ पर फूल माला चढ़ाकर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी गई। भाजपा जिला मंत्री आयुष मिश्रा के नेतृत्व में यात्रा निकाली गई, जिसमें नगर पंचायत अध्यक्ष डीके गुप्ता, उप्र उद्योग व्यापार मंडल महामंत्री मोहम्मद रेहान, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजीव मौर्य समेत बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह पर सुबह 10 बजे सभी एकत्रित हुए। इसके बाद तिरंगा यात्रा शुरू की गई। जिसमें महिलाओं का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष रानी वर्मा ने किया। ढोल नगाड़ों के साथ ही डीजे पर देशभक्ति गीत गूंजते रहे। हाथों में तिरंगा लिए लोग थिरकते हुए चल रहे थे। इस मौके पर उप्र .व्यापार मंडल के युवा विंग अध्यक्ष देवदत्त सक्सेना, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष विक्रम गंगवार, सुमित गुप्ता, जसपाल सिंह, रजत सागर, बंटू जायसवाल, भाजयुमो के भगुराज सिंह, अजय जायसवाल, अमन गुप्ता, राजीव गुप्ता, शक्ति जायसवाल, राहुल सिंघल, गौरव पटेल, मयंक गंगवार, रानी वर्मा, सुनीता, संगीता, ब्रजरानी, अरविंद शुक्ला, अनुपम दीक्षित, अशोक शुक्ला आदि मौजूद रहे।

अव्यवस्था | गर्भवती महिलाओं की संख्या बढ़ने पर हुई दिक्कत, डिस्चार्ज और रेफर का चल रहा खेल

महिला अस्पताल में बेड फुल, गैलरी और बरामदे में मरीज

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : महिला अस्पताल में इन दिनों हालात बदतर हैं। गर्भवतियों की बढ़ती संख्या ने अस्पताल की क्षमता को लांघ दिया है। स्थिति यह है कि बेड फुल होने के बाद मरीजों को मजबूरन गैलरी और बरामदे में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

अव्यवस्था के इस माहौल में डिस्चार्ज और रेफर का खेल भी चल रहा है। कई मरीजों को बिना पूरी तरह स्वस्थ हुए ही छुट्टी दे दी जा रही है तो कुछ को दूसरे अस्पतालों में रेफर कर पल्ला झाड़ा जा रहा है। बेड बढ़ाने की जरूरत पर जिम्मेदार चुप्पी साधे बैठे हैं, जबकि सीएचसी से भी लगातार मरीज यहां रेफर होकर पहुंच रहे हैं, जिससे दबाव और बढ़ता जा रहा है। इधर, महिला अस्पताल के जिम्मेदारों का कहना है कि इन दिनों मरीजों की भीड़ उमड़ रही है।

जिले में नौ से अधिक सीएचसी और 21 पीएचसी संचालित हो रही है। यहां सीएचसी पर प्रसव कराने की सुविधा दी गई है। अधिकांश सीएचसी पर डॉक्टर, स्टाफ नर्स समेत विभिन्न स्टाफ भी कार्यरत है। मगर इसके बाद भी प्रसव को पहुंचने वाली गर्भवती महिलाओं को सुविधा नहीं मिल पा रही है। जहां कोई न कोई कारण बताते हुए उन्हें महिला अस्पताल रेफर कर दिया जाता है। महिला अस्पताल में गर्भवती महिलाओं की संख्या इन दिनों अधिक हो जा रही है। महिला अस्पताल में बेड की संख्या 200 है, लेकिन मरीजों की संख्या इससे भी अधिक पहुंच रही है। शहरी क्षेत्र के भी मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में बेड फुल होने से मरीजों को गैलरी और बरामदे में बेड डालकर भर्ती किया हुआ है। जहां उनका इलाज हो रहा है। ऐसे में अधिकांश मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों की कहासुनी भी हो चुकी है। 30 जुलाई को सुनगढ़ी क्षेत्र के सड़ा गौटिया निवासी संजीव कुमार ने पत्नी विमला देवी महिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया था। मगर दूसरे ही दिन स्वास्थ्य कर्मियों ने उसे डिस्चार्ज कर दिया। अस्पताल में बेड खाली न होने की बात कही गई थी। परिवार ने हंगामा भी किया था। इसके अलावा भी चार दिन पहले एक मरीज प्रसव के लिए पहुंची उससे भी बेड न होने की बात कही गई थी। भीड़ बढ़ने के बाद भी जिम्मेदार बेड की संख्या बढ़ने को तैयार नहीं है। ऐसे में महिला अस्पताल पर अतिरिक्त लोड चल रहा है। जिस कारण मरीजों को भी बेहतर इलाज नहीं मिल पा रहा है। मजबूरन अधिकतर मरीज निजी अस्पतालों की ओर अपना रुख कर रहे हैं।

महिला अस्पताल के बरामदे में बेड डालकर हो रहा गर्भवतियों का इलाज।

- बेड बढ़ाने पर जिम्मेदार नहीं ले रहे संज्ञान, सीएचसी से भी रेफर होकर पहुंच रहे मरीज

> कुछ दिनों से मरीजों की संख्या अधिक हो रही है। ओपीडी भी बढ़ी है। इसलिए बेड की दिक्कत आई थी। हालांकि अब स्थिति सामान्य है। कोई परेशानी नहीं हो रही है। बेड भी बढ़ाए जा रहे हैं। – **डॉ. राजेश कुमार**, सीएमएस जिला महिला अस्पताल

शहर में आज

- मंडी समिति से भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा सुबह 11 बजे।
- पुलिस लाइन समेत चार स्थानों पर परिवार परामर्श केंद्र शिविर सुबह 10 बजे से।
- होटल सॉलिटेयर में रोटरी क्लब का कार्यक्रम रात 8 .30 बजे।
- लॉर्ड कृष्णा स्कूल मे ड्राइंग समेत कई प्रतियोगिताएं सुबह 8 .15 बजे।
- भारतीय योग संस्थान की ओर से अशोक कॉलोनी ग्राउंड पर योग शिविर सुबह 5 .30 बजे।

न्यूज ब्रीफ

तीसरे दिन नदी से बरामद हुआ युवक का शव

लालौरीखेड़ा, अमृत विचार : मछली पकड़ने के दौरान देवहा नदी में डूबे युवक का शव तीसरे दिन मिल गया। इससे परिवार में कोहराम मचा रहा। ग्राम सियाबाड़ी पट्टी निवासी आदित्य कुमार (25) रविवार सुबह 10 बजे देवहा नदी से मछली पकड़ने गया था और डूब गया था। इसके बाद से उसकी तलाश की जा रही थी। बरेली से पीएसी की फ्लड यूनिट भी पहुंची और तलाश कर रही थी। तीसरे दिन मंगलवार को घटनास्थल से 200 मीटर आगे आदित्य का शव बरामद हो गया।

पेनल्टी किक से राम इंटर कॉलेज बना विजेता

जिला स्तरीय विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता गांधी स्टेडियम में संपन्न, कई स्कूलों की टीमें हुईं शामिल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जिला स्तरीय विद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता बालक वर्ग का आयोजन मंगलवार को गांधी स्टेडियम मैदान में पब्लिक इंटर कॉलेज पूरनपुर की ओर से कराया गया। शुरुआत जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह, जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके कराई। खिलाड़ियों ने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज पीलीभीत, पब्लिक इंटर कॉलेज पूरनपुर, छत्रपति शिवाजी इंटर कॉलेज जोगीठेर, सरदार वल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज अमरा करोड़, एसएन इंटर कॉलेज पीलीभीत, ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पीलीभीत, सीएंडजे इंटर कॉलेज कलीनगर, गुरु नानक इंटर कॉलेज माधोपुर इटौरिया के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सेमी फाइनल मैच में पब्लिक इंटर कॉलेज ने सरदार वल्लभभाई पटेल इंटर कॉलेज को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। राम इंटर कॉलेज ने सीएंडजे इंटर कॉलेज कलीनगर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबला पब्लिक इंटर कॉलेज और राम इंटर कॉलेज के बीच हुआ। जिसमें कांटे की टक्कर रही। दोनों टीमें निर्धारित समय में एक भी गोल नहीं कर सकीं। अंत में पेनल्टी किक में राम इंटर कॉलेज की टीम 3-2 से विजयी रही। जिला क्रीड़ा सचिव राजेश शुक्ला ने बताया कि चयनित टीम अठारह अगस्त से बरेली में होने वाली मंडलीय फुटबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। इस मौके पर संजय सरकार, अखिलेश शर्मा, जय हिंद मौर्य, यासीन अहमद, फुटबॉल कोच अविनाश शर्मा आदि मौजूद रहे।

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता के बाद मंडल के लिए चयनित हुए खिलाड़ी। ● अमृत विचार

गांधी स्टेडियम में फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

● चयनित खिलाड़ी मंडल स्तर पर करेंगे प्रतिभाग

इन खिलाड़ियों का किया गया चयन

रोहन देवान (पब्लिक इंटर कॉलेज), जीत मलिक (गुरु नानक इंटर कॉलेज माधोपुर इटोरिया), चिरंजीत मंडल (गुरु नानक इंटर कॉलेज माधोपुर इटोरिया), समरेश सरकार (गुरु नानक इंटर कॉलेज माधोपुर इटोरिया), भोला (पब्लिक इंटर कॉलेज पूरनपुर), अमन मिस्त्री (पब्लिक इंटर कॉलेज पूरनपुर), अभिनव (एसएन इंटर कॉलेज पीलीभीत), अंश (ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पीलीभीत), शान्तनु (ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज पीलीभीत), प्रखर त्रिपाठी (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), अरुण (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), अनिकेत (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), कृष्णा (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), राम त्रिपाठी (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), कृष्णा सूर्यवंशी (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत), जतिन (राम इंटर कॉलेज पीलीभीत)।

रक्षाबंधन पर मायके आई महिला ने की खुदकुशी

विवाहिता की मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

● चाचा के घर में फंदे से लटका मिला शव, कोहराम

अमृत विचार : रक्षाबंधन पर पति के साथ मायके आई महिला ने खुदकुशी कर ली। उसका शव चाचा के मकान में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम खनंका निवासी कढ़ेर पुत्र जसवंत ने बताया उनकी बेटी सुरजला (25) की शादी सवा साल पहले शाहजहांपुर के थाना निगोही क्षेत्र के ग्राम ऐंठापुर निवासी विमल कुमार से हुई थी। वह रक्षाबधन पर पति के साथ मायके आई थी। पत्नी को छोड़ने के बाद पति लौट गया। मंगलवार को सुरजला चाचा जगदीश के घर पर गई और वहीं पर कमरे की छत्त पर लगी बल्ली के सहारे दुपट्टे से फंदा बनाकर लटक गई। दोपहर में जब परिवार के लोगों की नजर फंदे से लटकते शव पर पड़ी तो उनके होश उड़ गए। परिवार में चीख पुकार मच गई। बेटी के खुदकुशी करने की सूचना पिता ने पुलिस को दी।

कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जानकारी की। हालांकि खुदकुशी की वजह को लेकर कोई खास जानकारी नहीं दी जा सकी। कोतवाल ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच कराई जा रही है।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत

संवाददाता, गजरौला

● पति ने महिला को फंदे से उतारकर पड़ोसियों को दी सूचना

● सोमवार शाम को दंपती में किसी बात को लेकर हुआ था विवाद

अमृत विचार: एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसके पति ने फंदे से लटककर खुदकुशी करने की बात बताई। हालांकि शव को मायके वालों और पुलिस के पहुंचने से पहले ही फंदे से उतार लिया गया। गजरौला पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी जुटाई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज पुलिस छानबीन कर रही है। आसपास के ग्रामीणों से भी संपर्क कर जानकारी की जाती रही।

दियोरियाकलां कोतवाली क्षेत्र के दियोहना पट्टी गांव की रहने वाली पुष्पा देवी (35) की शादी 2010 में गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम मूढ़ा सेमनगर के रहने वाले सूरजपाल से हुई थी। सूरजपाल मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते हैं। उनके तीन बेटे हैं। दंपती में पिछले दिनों किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। इसके बाद सोमवार रात खाना खाकर दंपती और बच्चे सोने चले गए। दूसरे दिन मंगलवार महिला पुष्पा की मौत हो चुकी थी। पति के अनुसार उसका शव घर में ही कुंडे के सहारे फंदे से लटका था। जिसे आनन-फानन पति ने फंदे से उतारकर चारपाई पर रख दिया और शोर मचाकर पड़ोसियों को जुटा लिया।

सूचना मिलने पर महिला के मायके वाले और गजरौला पुलिस मौके पर पहुंच गई। पति ने खुदकुशी करने की बात कही। हालांकि कोई ठोस वजह नहीं बताई जा सकी। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया और एक्सपर्ट ने साक्ष्य एकत्र किया। गामीणों से भी पुलिसकर्मी विवाद आदि को लेकर जानकारी करते रहे। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने पर मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। मामले की जांच कराई जा रही है। किसी तरह की तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

विवाहिता को पीटकर निकाला, पांच पर रिपोर्ट

दियोरियाकलां, अमृत विचार : विवाहिता को पीटकर घर से निकालने समेत कई आरोपों में पति समेत पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। गांव खरदहाई निवासी पूजा देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी एक साल पहले शाहजहांपुर के थाना पुवायां निवासी ईशू पांडेय से हुई थी। अतिरिक्त दहेज में बाइक व एक लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने पीटकर गत दिनों निकाल दिया। पिता ने सुलह का प्रयास किया लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। पुलिस ने पति ईशू पांडेय, ससुर रामसेवक पांडेय, सास नन्ही देवी, देवर आशू, देवरानी चंचल देवी पर रिपोर्ट दर्ज की है।

ई-गन्ना ऐप से जानकारी कर सकेंगे किसान

पीलीभीत, अमृत विचार: ग्राम स्तरीय सर्वे एवं सट्टा प्रदर्शन गन्ना विकास विभागऔर चीनी मिल के सर्वे कर्मचारियों द्वारा किया जा रहा है। इस अभियान के तहत सर्वे कर्मचारी गांव-गांव जाकर गन्ना किसानों को उनके गन्ना सर्वे के आंकड़े, गन्ना सट्टा और गन्ना कैलेंडर से जुड़ी समस्त जानकारी प्रदान कर रहे हैं।

जिला गन्नाधिकारी ख़ुशीराम भार्गव ने कल्यानपुर चक्रतीर्थ गांव में हो रहे गन्ना सर्वे सट्टा प्रदर्शन का निरीक्षण किया। किसानों से आग्रह किया कि वे अपना गन्ना सर्वे विवरण, गाटा नंबर, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, बेसिक कोटा, गन्ना किस्म अवश्य चेक कर लें। अगर किसी प्रकार की कमी पाई जाती है तो उसे तत्काल सही कराएं। पेराई सत्र के दौरान किसी भी प्रकार का संशोधन संभव नहीं होगा। आवश्यक संशोधन 30 अगस्त तक कराए जा सकते हैं। बताया कि किसान गन्ना कैलेंडर से संबंधित जानकारी ई-गन्ना ऐप के माध्यम से भी देख सकेंगे।

पेड़ से टकराई कार, दादी-पोते की मौत, दंपती घायल

संवाददाता, बीसलपुर

हादसे में क्षतिग्रस्त कार। ● अमृत विचार

● बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में महादेवा तिराहा के पास हादसा

● पुलिस ने घायलों को बरेली के निजी अस्पताल भर्ती कराया

अमृत विचार: वाहनों की तेज रफ्तार ने दो और जान ले ली। पत्नी की डिलीवरी के बाद उसे घर लेकर आ रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में दादी और नवजात की मौत हो गई, जबकि दंपती को गंभीर चोटें आई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। घायलों को बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के चलते मौके पर भीड़ लगी रही।

कोतवाली बीसलपुर क्षेत्र के ग्राम बसारा निवासी रोमी मिश्रा (25) पत्नी शिवम मिश्रा को प्रसव पीड़ा होने पर परिवार वालों ने पिछले दिनों बरेली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां पर उसने एक पुत्र को जन्म दिया। मंगलवार दोपहर अस्पताल से प्रसूता को डिस्चार्ज कराने के बाद परिवार वाले कार से घर लेकर आ रहे थे। कार शिवम मिश्रा (28) पुत्र पंकज मिश्रा चला रहे थे। इसके अलावा उनकी पत्नी रोमी मिश्रा और मां रेखा मिश्रा (50) और नवजात शिशु भी सवार थे।

दोपहर करीब साढ़े तीन बजे बीसलपुर-बरेली मार्ग पर महादेवा तिराहा के पास पहुंचते ही कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। जिसके बाद चीख पुकार मच गई। कुछ ही देर में मौके पर भीड़ जमा हो गई। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल संजीव कुमार शुक्ला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला गया। चूंकि सीएचसी की दूरी अधिक थी।

ऐसे में बरेली जनपद की सीमा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल में घायलों को आनन-फानन भिजवाया गया। वहां पहुंचने पर डॉक्टर ने नवजात शिशु और उसकी दादी रेखा मिश्रा को मृत घोषित कर दिया। जबकि दंपती शिवम मिश्रा और उनकी पत्नी रोमी मिश्रा को गंभीर हालत में भर्ती कर लिया गया है। हादसे की सूचना पुलिस ने परिवार के दी। कार की क्षतिग्रस्त स्थिति को देख हर कोई हादसे की भीषणता का अंदाजा लगाते रहे।

> बरेली-बीसलपुर मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। नवजात और उसकी दादी की मौत हुई है। दंपति घायल हुए हैं, उनको अस्पताल भर्ती कराया गया है।
> - संजीव कुमार शुक्ला, कोतवाल बीसलपुर

गोद में पोते को लेकर बैठी थी दादी.. मातम में बदल गई खुशियां

बीसलपुर-बरेली मार्ग पर हुए सड़क हादसे में दादी और पोते की मौत के बाद सूचना परिवार वालों को दी गई। कुछ ही देर में रिश्तेदार पहुंच गए। दो मौतों की जानकारी होने पर सभी का रोकर बुरा हाल रहा। इस हादसे में परिवार का खुशनुमा माहौल एक पल में गमगीन हो गया। अभी चंद घंटे पहले ही प्रसव के बाद पुत्र का जन्म हुआ तो पूरा परिवार खुश था। किसे पता था कि अस्पताल से घर तक पहुंचने से पहले ही खुशियां मातम में बदल गई। जिसने भी सुना उसका रोकर बुरा हाल रहा। बताते हैं कि प्रसूता को ऑपरेशन के बाद बेटे का जन्म हुआ था। डिस्चार्ज करने के बाद जब उन्हें घर लाया जा रहा था तो आगे चालक के बराबर की सीट पर दादी अपने पौत्र को गोद में लिए बैठी हुई थी। हादसे में दोनों की ही मौत हो गई।

सीडीओ को विकास भवन में 23 कर्मचारी मिले गैरहाजिर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● सीडीओ ने मंगलवार सुबह 10.30 बजे विभागों के उपस्थिति रजिस्टर मंगाकर की जांच की तो खुली पोल

● सीडीओ ने सभी गैरहाजिर मिले कर्मचारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : जिम्मेदारों की दफ्तर पहुंचने में लेटलतीफी की आदत दूर नहीं हो पा रही है। कई बार चेतावनी के बाद भी हालात नहीं सुधारे जा सके हैं। सीडीओ ने विकास भवन के कार्यालयों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति जानने को पड़ताल की। इस दौरान विभिन्न विभागों के 23 कर्मचारी गैरहाजिर मिले। उन्होंने गैरहाजिर कर्मचारियों से जवाब मांगे।

बता दें डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने पहले भी अधिकारियों-कर्मचारियों को कार्यालय में तय समय पर पहुंचने के निर्देश भी दिए हैं। इधर विकास भवन के कार्यालयों में कर्मचारियों की लेटलतीफी का मामला मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास के संज्ञान में आया।

उन्होंने कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति की हकीकत जानने के लिए मंगलवार सुबह 10.30 बजे सभी कार्यालयों के उपस्थिति रजिस्टर तलब किए। उपस्थिति रजिस्टरों की जांच की गई तो विभिन्न विभागों के 23 कर्मचारी कार्यालयों से नदारद मिले।

इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने सभी गैरहाजिर कर्मचारियों का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण न देने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

ये कर्मचारी मिले गैरहाजिर

जांच के दौरान समाज कल्याण (विकास) विभाग में सहायक सोनी, सहायक लेखाकार ललित कुमार, कंप्यूटर ऑपरेटर मोहित कुमार, समाज कल्याण में वरिष्ठ सहायक लता कुमारी, कनिष्ठ सहायक हरीश कुमार, कनिष्ठ सहायक आकाश बाबू, मनरेगा में एपीओ मनोज कुमार (01 अगस्त से अब तक गैरहाजिर), कंप्यूटर ऑपरेटर रंजीत कुमार, पंचायत राज विभाग में डीसी अमित कुमार, सहायक सीमा बेगम, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गंगाशरण, संजीव कुमार मिश्रा, एआरसीएस में हुमैरा अल्वी, अल्पसंख्यक विभाग में कनिष्ठ सहायक दिग्पाल सिंह, कृषि अधिकारी कार्यालय में जूनियर असिस्टेंट गोविंद कुमार, पिछड़ा वर्ग कार्यालय में लेखाकार मनोज कुमार, जिला विकास कार्यालय में वरिष्ठ सहायक रामेश्वर दयाल, प्रोबेशन कार्यालय में सहायक दिनेश दत्त शुक्ल, नेडा कार्यालय में वरिष्ठ सहायक अमित कुमार समेत 23 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। वहीं मुख्य पशु चिकित्साधिकारी कार्यालय के उपस्थिति रजिस्टर में नाम और माह अंकित नहीं मिला।

शिविर में मिला इलाज, आयुष्मान कार्ड भी बनाए

पीलीभीत, अमृत विचार: निःशक्तजन सेवा संस्थान का मासिक शिविर पूरनपुर रोड पर अंकुर राइस मिल परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने इसकी शुरुआत कराई। सीएमओ डॉ.आलोक शर्मा ने सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी।

शिविर में 248 लोगों ने पंजीकरण कराया। पांच मरीजों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए रुहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज व हॉस्पिटल बरेली भेजा गया। नौ मरीजों का ईसीजी किया गया और तमाम लोगों को चश्मे बांटे गए। सात लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। घुटने के दर्द से पीड़ित मरीजों को जड़ी बूटी निर्मित देसी दवा 100 लोगों को तीन खुराक निशुल्क वितरित की गई। हृदय के मरीजों की डॉ.महेश चन्द्रा की मेडिकल टीम ने जांच की।

देवहा फीटर नदी में महिला ने लगाई छलांग, मचा हड़कंप

विवाहिता की तलाश करते गोताखोर व पुल पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

संवाददाता, मझोला

अमृत विचार : कस्बे के देवहा फीटर नदी में मंगलवार को एक महिला ने छलांग लगा दी। सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई। जानकारी होने पर उसके मायके वाले भी आ गए।

स्थानीय गोताखोर और ग्रामीण उसकी तलाश में जुट हुए हैं। हालांकि देर शाम तक विवाहिता का पता नहीं चल सका। न्यूरिया क्षेत्र के गांव भिंडारा निवासी रोशनी देवी का विवाह एक साल पहले बंडा थाना क्षेत्र के देवकली गांव निवासी सुरेश से हुआ था। काफी समय से वह मायके में ही रह रही थी। मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे महिला देवहा फीटर नदी के पास पहुंची। जहां उसने पुल से छलांग लगा दी। उसे कूदता देखकर मौके पर लोग जमा हुए। ग्रामीणों ने इसकी सूचना उसके परिवार को दी। एसओ न्यूरिया सुभाष मावी ने बताया कि महिला की तलाश के लिए गोताखोर लगाए गए हैं। विवाहिता लंबे समय से अपने मायके में रह रही थी।

मोबाइल चुराकर जालसाजों ने खाते से 1.82 लाख रुपये निकाले

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● जहानाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

● 27 बार ट्रांजेक्शन कर उड़ाई थी पीड़ित के खाते से रकम

अमृत विचार: मोबाइल चोरी करने के बाद सिम का इस्तेमाल करते हुए दो जालसाजों ने फोन से 182840 रुपये की धोखाधड़ी कर ली। 27 बार ट्रांजेक्शन करते हुए रकम उड़ाई गई। जहानाबाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो मोबाइल और 16000 रुपये बरामद किए। दोनों आरोपियों को चालान कर कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया है।

घटना जहानाबाद क्षेत्र में 10 अगस्त को हुई थी। ट्रक में रखा मोबाइल चोरी होने के बाद पीड़ित के खाते से 182840 रुपये निकाल लिए गए थे। फोन पे के माध्यम से कुल 27 ट्रांजेक्शन करते हुए धोखाधड़ी से रकम निकाली गई थी। जहानाबाद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी।

साइबर सेल की भी मदद ली गई। इसके बाद पुलिस ने दो आरोपियों सुनगढ़ी क्षेत्र के कांशीराम कॉलोनी निवासी फुरकान पुत्र मोहम्मद वसीम और शरीफ खां चौराहा निवासी नाजिम पुत्र अजमेरी को मंगलवार सुबह मानपुर चौराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ की गई तो पूरी घटना स्पष्ट हो गई। इंस्पेक्टर जहानाबाद मनोज कुमार मिश्र ने बताया कि आरोपियों ने पीड़ित का मोबाइल चोरी करने के बाद उसमें से सिम निकालकर अपने मोबाइल में डाल लिया।

इसके बाद सिम के इस्तेमाल से ही धनराशि निकाली गई। फुरकान के कब्जे से 10500 रुपये और मोबाइल और नाजिम से 5500 रुपये व मोबाइल बरामद किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया है।

आरोपी फुरकान का लंबा आपराधिक इतिहास

इस मामले में जेल भेजे गए मुख्य आरोपी फुरकान का लंबा आपराधिक इतिहास है। उस पर लूट चोरी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे सुनगढ़ी और सदर कोतवाली मे दर्ज निकले। 2015, 2017 और2019 में कुल तीन बार गैंगस्टर एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा चुकी है।

औपचारिकता बनी लोगों को जागरुक करने की मुहिम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

औपचारिकता में सिमटी ग्रामीण अंचलों में जागरूकता की मुहिम। ● अमृत विचार

● चोर के शोर के बीच मारपीट की घटनाएं सामने आने पर किया जा रहा है जागरुक

अमृत विचार: ग्रामीण अंचलों में चोरों के शोर के बीच की जा रही मारपीट की घटनाएं सामने आने के बाद थाना-चौकी और यूपी 112 पुलिस को लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसे लेकर मातहत विभिन्न ग्रामीण अंचलों से जुड़े फोटो खिंचाकर भी भेज रहे हैं। मगर, ये जागरूकता की मुहिम भी पूर्व के तमाम अभियानों की तरह औपचारिकता में सिमटती दिखाई दे रही है। जागरूक करने के नाम पर अधिकांश स्थानों पर बताते हैं पुलिसकर्मी फोटो खिंचाकर कर्तव्यों से इतिश्री कर रहे हैं।

पिछले कई दिनों से पहले ग्रामीण अंचलों में ड्रोन उड़ते दिखाई देने की अफवाह फैलती रही। जिसे लेकर ग्रामीण रात भर जागकर निगरानी करते रहे। पुलिस अधिकारियों की ओर से भी इसे लेकर स्थिति स्पष्ट करने के साथ ही शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की जाती रही। इसके बाद ड्रोन का शोर कम हुआ तो चोरों की दस्तक को लेकर शोर बढ़ गया। कई जगह ऐसी घटनाएं भी सामने आई, जहां बेगुनाहों को चोर समझकर पिटाई की गई। गजरौला क्षेत्र में पिछले दिनों एक मानसिक मंदित की पिटाई का मामला वीडियो वायरल होने के बाद तूल पकड़ा तो एसपी ने सख्ती अपनाते हुए एसओ गजरौला को निलंबित कर दिया। इसके बाद से ग्रामीण अंचलों में पुलिसकर्मियों को भेजकर जागरुक किया जा रहा है। लगातार तीन दिन से ये क्रम जारी है। मगर, अब इसमें औपचारिकता बरती जा रही है। ग्रामीणों की भीड़ के बीच कुछ देर रुक कर फोटो खिंचाकर कर्तव्यों से इतिश्री की जा रही है। मंगलवार को भी विभिन्न थाना क्षेत्रों से जुड़े फोटो मातहतों ने अधिकारियों को भेजे और ग्रामीणों को जागरुक करने का दावा किया गया है।

सीएचसी अधीक्षक ने दर्ज कराई झोलाछाप पर रिपोर्ट

संवाददाता, बिलसंडा

● गलत इंजेक्शन लगाने से जच्चा-बच्चा की हुई थी मौत

अमृत विचार: गांव घनश्यामपुर में छह माह पहले गलत इंजेक्शन से जच्चा- बच्चा की मौत हुई थी। घटना के बाद सीएचसी अधीक्षक ने भले ही आरोपी झोलाछाप के क्लीनिक को सील करके खानापूर्ति कर दी, लेकिन अब हरकत में आए स्वास्थ्य महकमे ने शिकंजा कसा है।आरोपी झोलाछाप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

घनश्यामपुर निवासी गजेंद्र कुमार की पत्नी विमला देवी (35) को 13 फरवरी 2025 को प्रसव पीड़ा होने पर गांव के ही झोलाछाप श्रीपाल के लगाए इंजेक्शन के कुछ देर बाद ही मौत हो गई थी। जिसके बाद परिजनों ने सूचना स्वास्थ्य विभाग को देने के साथ ही थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी थी। घटना की सूचना पर स्वास्थ्य विभाग हरकत में तो आया, लेकिन उस वक्त तत्कालीन सीएचसी अधीक्षक डॉ आलम मीर ने आरोपी झोलाछाप श्रीपाल के क्लीनिक को सील कर दिया। वहीं पुलिस ने भी उस समय पोस्टमार्टम कराने के बाद रिपोर्ट दर्ज नहीं की। छह माह बाद सीएमओ के निर्देश पर मौजूदा सीएचसी अधीक्षक डा छत्रपाल ने आरोपी झोलाछाप के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है ।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

पीलीभीत

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध

02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

हाथियों ने जमकर उड़ाई दावत

विश्व हाथी दिवस पर केला, पपीता, अनन्नास, सेव समेत अन्य फल भी खाए

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में विश्व हाथी दिवस पर पालतू हाथियों के लिए दावत का आयोजन किया गया। इस दौरान वन अफसरों एवं वन कर्मियों ने हाथियों को बेहतरीन आहार परोसे। हाथियों ने भी जमकर दावत का लुफ्त उठाया।

मंगलवार को पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह की अध्यक्षता में विश्व हाथी दिवस का आयोजन किया गया। माला रेंज में हुए इस कार्यक्रम में सभी पालतू हाथियों को मनमोहक ढंग से सजाया गया था। भोज में हाथियों के पसंद की वस्तुएं रखी गई थी। जिसमें केला, पपीता, अनन्नास, सेव, अमरूद, नाशपाती, गन्ना, गुड़, कटहल समेत अन्य स्वादिष्ट व्यंजन रखे गए थे। हाथियों ने भी अपने पसंदीदा भोजनों को बड़े ही चाव से खाया। वहीं वन अफसरों और वन कर्मियों ने भी अपने हाथों से हाथियों के लिए उनके पसंदीदा भोजन परोसे। इस दौरान डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने महावतो से हाथियों के संबंध में जानकारी ली और उनकी बेहतर तरीके से देखभाल करने के निर्देश दिए। इस मौके पर डिप्टी डायरेक्टर के अलावा उप प्रभागीय वनाधिकारी रमेश चौहान, विश्व प्रकृति निधि के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार समेत अन्य वन अफसर एवं वनकर्मी मौजूद रहे।

हाथियों को फल खिलाते पीटीआर के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह। ● अमृत विचार

करीब ढाई साल पहले लाखों रुपए खर्च कर कर्नाटक से चार हाथी लाए थे। इसमें तीन नर एवं एक मादा हाथी शामिल है। इन हाथियों को माला रेंज स्थित रेस्ट हाउस के पास रखा गया। चूंकि ये हाथी कर्नाटक में पले बढ़े थे, ऐसे में यहां की भाषा आदि समझने के लिए शुरुआती दिनों में इन्हें कर्नाटक से महावतों को बुलाकर उनकी देखरेख में रखा गया था। फिलहाल अब चारों हाथी स्थानीय महावतो की देखरेख में है। इन हाथियों को रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर ट्रेनिंग भी दी जा रही है।

बदहाल सड़क के विरोध में उतरे लोग

बदहाल सड़क के विरोध में प्रदर्शन करते लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, बरखेड़ा

अमृत विचार: नगर पंचायत के वार्ड नंबर दो के लोगों ने राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष मनीष कश्यप की अगुवाई में मंगलवार को प्रदर्शन किया। वार्ड में कच्चे मार्ग का निर्माण कराने की मांग की। एसडीएम बीसलपुर को ज्ञापन भी भेजा गया है। बड़ी संख्या में मोहल्ले के तमाम लोग पुलिया के पास एकत्रित हुए।

उनका कहना था कि वार्ड नंबर दो में श्रीकृष्ण के मकान से सोहनलाल की मढ़ी तक और इसी मढ़ी से लालू कश्यप के मकान तक मार्ग कच्चा है। जिस कारण इस मार्ग पर बारिश होने पर कीचड़ हो जाती है। इस मौके पर प्रमोद, अनिल सिंह, भागीरथ, महेंद्र, माखनलाल, प्रेमशंकर, गजेंद्र, मूला देवी, देवकुमारी, राकेश सिंह, प्रमोद रेशमा, नीतू, मुन्नी, प्रेमवती आदि मौजूद रहे।

राशन घटतौली और यूरिया की किल्लत को लेकर भाकपा माले ने किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम कार्यालय के बाहर की गई जमकर नारेबाजी
- सात सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, जल्द समाधान की मांग

अमृत विचार : भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर डीएम कार्यालय के बाहर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। इसके बाद सात सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया दायरा कम होने के कारण पीलीभीत का जंगल टाइगर रिजर्व के लिए अनुकूल नहीं है। इसे निरस्त करने की मांग की गई। बताया जंगल के किनारे रहने वाले किसान, मजदूरों की जान माल की रक्षा के लिए मजबूत तार फेंसिंग कराई जाए। बाघ हमले के शिकार मृतकों के परिजन को 20-20 लाख रुपये मुआवजा, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और घायलों को पांच लाख रुपये मदद दी जाए। छुट्टा पशुओं का भी आतंक है। फसलों के साथ ही इंसान पर हमला कर जान ले रहे है। इसका समाधान करें और किसानों के पालतू मवेशियों की खरीद -बिक्री की भी गारंटी की जाए। सहकारी समितियों पर यूरिया मुहैया कराई जाए। बिजली का निजीकरण बंद करने की मांग की गई। आदि मांगे रखी। इस मौके पर शम्स विकास एडवोकेट, गोपाल मिश्रा, देवाशीष राय, किशनलाल एडवोकेट, सुभाष, धर्मेंद्र पांडेय, सर्वेश, मनोहरलाल, नगीना राम, रामचंद्र वर्मा आदि मौजूद रहे।

डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते भाकपा माले कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

भूमि संरक्षण के कार्य मानक के अनुसार कराएं: डीएम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- वित्तीय वर्ष में प्रस्तावित कार्यों पर हुई चर्चा, सर्वसम्मति से हुआ अनुमोदन
- डीएम की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की हुई बैठक

अमृत विचार: डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला भूमि एवं जल संरक्षण समिति की बैठक हुई। इस दौरान उन्होंने पहले कराए गए कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने भूमि संरक्षण के कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं मानक के अनुसार कराने के निर्देश दिए। साथ ही प्रस्तावित परियोजनाओं को लेकर सर्वसम्मति से समिति द्वारा अनुमोदन किया गया।

कैंप कार्यालय में मंगलवार को हुई बैठक में डीएम ने 2024-25 में कराए गए कार्यों की समीक्षा की। जिसमें पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत खेत तालाब योजना एवं मनरेगा-कन्वर्जेंस योजना शामिल रही। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 में भूमि संरक्षण के प्रस्तावित कार्यों को कराने के लिए विभिन्न योजनान्तर्गत चयनित परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की और निर्देश दिए कि भूमि संरक्षण के कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं मानक के अनुसार कराए जाए। इसके अलावा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत वर्षा जल संचयन के लिए खेत तालाब योजना, किसान समृद्धि योजना एवं मनरेगा कन्वर्जेंस आदि योजनाओं पर विचार विमर्श करने के बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित परियोजनाओं का सर्वसम्मति से समिति द्वारा अनुमोदन किया गया। संचालन प्रभारी भूमि संरक्षण अधिकारी के द्वारा किया गया। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीओ दीपक चतुर्वेदी, बीएसए अमित कुमार, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सुरेश चंद्र मौर्या, जगन्नाथ चक्रवर्ती आदि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान जानकारी लेते डीएम ज्ञानेंद्र सिंह। ● अमृत विचार

जिला दिव्यांगता समिति की बैठक संपन्न

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह की अध्यक्षता में जिला दिव्यांगता समिति की बैठक हुई। जिसमें डीएम ने दिव्यांग पेंशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जनपद के सभी पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन से अवश्य लाभांवित किया जाए। इसके लिए ग्राम पंचायत,नगर पालिकाओं, विकास खंड स्तर पर व्यापक स्तर से प्रचार-प्रसार कराया जाए। विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना एवं दुकान निर्माण संचालन योजना के अंतर्गत प्राप्त हुए आवेदनों की जांच कर शीघ्र ही उन्हें लाभांवित किए जाने के लिए कार्यवाही की जाए। बैठक में सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास, सीओ दीपक चतुर्वेदी, बीएसए अमित कुमार, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी सुरेश चंद्र मौर्या, जगन्नाथ चक्रवर्ती आदि मौजूद रहे।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम

पीलीभीत : लिटिल एंजेल्स स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रबंधक डॉ .संजीव अग्रवाल, प्रधानाचार्य एनसी पाठक, कार्यकारी निदेशक उज्जवल अग्रवाल, उपप्रधानाचार्या अंजू सक्सेना, कोऑर्डिनेटर नीना मेहरोत्रा, प्रिया जैन, अकाउंटेंट राजेश गंगवार आदि ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं सरस्वती वंदना के साथ कराई।

कुत्तों के झुंड से लोग परेशान

बीसलपुर,अमृत विचार: क्षेत्र में आवारा कुत्तों के झुंड राहगीरों की मुसीबत बने हुए हैं। कई लोगों पर हमला कर चुके हैं। इसका समाधान अभी तक नहीं हो सका है।

नगर के समस्त 25 वार्डों में लंबे समय से आवारा कुत्तों का आतंक है। मोहल्ला दुर्गा प्रसाद दुबे में तो लोगों का निकलना दूभर हो चुका है। आलम यह है कि शाम ढलने के बाद सड़कों पर खूंखार कुत्तों के झुंड लोगों को पैदल निकलने के दौरान भी हमला करते हैं। सबसे ज्यादा बच्चों और बुजुर्गों को परेशानी होती है। मोहल्ला बख्तावर लाल निवासी राजेश कुमार की पुत्री रोली की तीन साल पहले कुत्ते के हमले में जान चली गई थी। मोहल्ला ग्यासपुर निवासी शकील, इसी मोहल्ले के हनीफ नन्हे बादशाह बेगम को पिछले माह कुत्तों के झुंड ने काट लिया था। इसके अलावा मोहल्ला दुर्गाप्रसाद निवासी कांति देवी को बाजार जाते समय एक कुत्ते ने हमला बोलकर घायल कर दिया था।

कलान- मिर्जापुर में बाढ़ की निगरानी शुरू

शाहजहांपुर,अमृत विचार : पिछले दिनों बाढ़ में डूबने से मां-बेटी की मौत के बाद जिला प्रशासन कलान-मिर्जापुर क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की पल पल की रिपोर्टिंग तहसील व जिला मुख्यालय से कर रहा है। बाढ़ से दोबारा कोई जनहानि न हो, इसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण भी मोटरबोट, नाव के जरिए किया जा रहा है। क्योंकि जिस शमशाबाद-फरूखाबाद मार्ग पर बाइक सवार का परिवार बाढ़ के पानी में फंस जाने से दो लोगों की आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, वहां पर पहले से कोई बेरीकेट्स, पुलिस चौकी बगैरह न होने से प्रशासन की चूक सामने आई थी। जिसके बाद प्रशासन कोई भी लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो, इस पर युध्दस्तर पर कार्य कर रहा है। शमशाबाद-फरूखाबाद मार्ग के दोनों ओर से पूरी बेरीकेडिंग कर रुट पर आवागमन पूरी तरह बंद कर दिया गया है। रोड के थोडी देर पर ही एक अस्थायी पुलिस चौकी बना दी गई है, जिसमें 12-12 घंटे की दो शिफ्ट में दो दो पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगा दी गई है।

न्यूज डायरी

एसएसबी के जवानों ने तिरंगा बाइक रैली निकाली, बांटे ध्वज

पीलीभीत, अमृत विचार : डीआईजी एसएसबी अनिल कुमार शर्मा की अगुवाई में मंगलवार को आजादी का अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा बाइक रैली निकाली गई। जिसमें एसएसबी के जवान शामिल हुए। रैली से स्थानीय नागरिकों को देश के स्वतंत्रता संग्राम के महत्व, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के बारे में बताया गया। नागरिकों को राष्ट्रीय झंडे वितरित किए गए। आवाहन किया गया कि सभी अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर गर्व के साथ तिरंगा फहराएं। बाइक रैली क्षेत्रक मुख्यालय पीलीभीत से शुरू होकर बाजार, सुनगढ़ी थाना, गांधी स्टेडियम, छत्तरी चौराहा, रेलवे स्टेशन, बल्लभनगर कॉलोनी आदि विभिन्न मार्गों से गुजरी।

तिरंगा यात्रा में पहुंचे लोग

बिठौरा कला, अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी की ओर से मरौरी मंडल क्षेत्र के गांव बिठौराकलां में कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को बाइक तिरंगा यात्रा निकाली। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हुए। हाथों में तिरंगा लिए लोग शामिल हुए। देशभक्ति के नारे लगाए गए। इस मौके पर मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, महेश राजपूत, शिवम कुमार लोधी, जसपाल माथुर, नंदलाल वर्मा आदि मौजूद रहे।

जिपं अध्यक्ष का कस्बा मझोला में स्वागत

मझोला, अमृत विचार : उधम सिंह नगर के निर्विरोध नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या, ब्लॉक प्रमुख खटीमा संगीता राणा के पति रविंद्र राणा मंगलवार को कस्बा मझोला के श्याम मंदिर पहुंचे और पूजा अर्चना की। इस दौरान नगर पंचायत गुलड़िया भिंडारा के पूर्व चेयरमैन अजय गोयल समेत अन्य ने उनसे भेंट करके स्वागत किया।

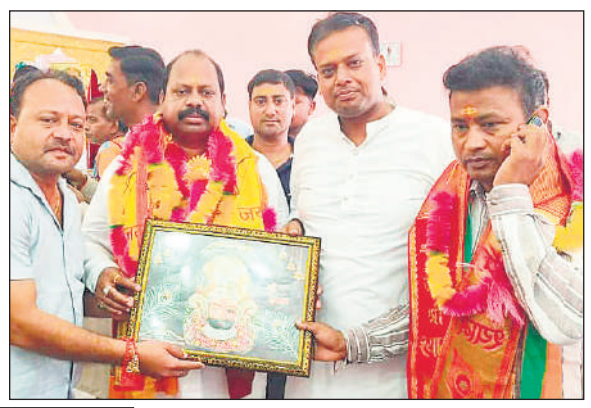

गणित प्रदर्शनी लगाई

पीलीभीत, अमृत विचार : बेनहर गुरुकुल में गैलेक्सी ऑफ़ मैथ्स, गणित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत मुख्य अतिथि संस्थापिका रंजीत सैहमी ने फीता काटकर कराई। प्रबंधक गुरदित सिंह सैहमी, ट्रस्टी डॉ. परविंदर सिंह सैहमी, प्रधानाचार्या डॉ. निर्मल कौर ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। कक्षा 9 व 10 के विद्यार्थियों ने गणित के विभिन्न कांसेप्ट्स को थ्रीडी मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत किया। छात्रों ने न केवल मॉडल बनाकर कॉन्सेप्ट्स को प्रैक्टिकल अप्रोच दी, बल्कि सीबीएसई की ओर से निर्धारित आर्ट इंटीग्रेटेड अप्रोच को भी दर्शाया।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

अफवाहों पर न दें ध्यान सख्त रहेंगे सुरक्षा इंतजाम

पूरनपुर कोतवाली में पीस कमेटी बैठक में मौजूद लोग। ● अमृत विचार

संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: एसपी अभिषेक यादव के निर्देश पर आगामी जनमाष्टमी और चेहल्लुम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए पूरनपुर कोतवाली में शांति समिति की बैठक हुई। जिसमें सीओ प्रतीक दहिया ने धर्मगुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और संभ्रांत नागरिकों से संवाद किया। अपील की गई कि त्योहारों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग करें, अफवाहों पर ध्यान न दें। असामाजिक तत्वों से सतर्क रहें और किसी भी संवेदनशील विषय पर बिना पुष्टि के जानकारी साझा न करें। इस दौरान पर्व के दौरान सख्त सुरखा बंदोबस्त किए जाने के बारे में भी जानकारी दी। कहा कि अगर कोई माहौल खराब करने की कोशिश करता दिखे तो सूचना दी जाए। उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

आज आठ घंटे बाधित रहेगी बिजलीआपूर्ति

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : विद्युत वितरण के उप खंड अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि फीडर नंबर 1 के टाउन पंजाबी कॉलोनी वाले ट्रांसफार्मर के जर्जर तार बदलने को लेकर बुधवार 13 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक इस परिवर्तक से चलने वाले क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी।

सड़क दुर्घटना में होमगार्ड घायल

भीरा, अमृत विचार : मंगलवार की सुबह गांव मडईपुरवा निवासी होमगार्ड अशोक शुक्ला स्कूटी से कहीं जा रहे थे। इस बीच वन बीट आई हॉस्पिटल के सामने इनोवा कार ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में होमगार्ड गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल को बिजुआ से सीएचसी भेजा, जहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने होमगार्ड को जिला अस्पताल रेफर किया है। पुलिस ने दोनों वाहन कब्जे में लिए हैं।

विश्व हाथी दिवसः गन्ना, गुड़, सेब, केला समेत अन्य फल और सब्जियों का किया महाभोज

दुधवा नेशनल पार्क में 25 राजकीय हाथियों ने जमकर उड़ाई दावत

- शिविर लगाकर हाथियों के स्वास्थ्य की गई जांच

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचारः विश्व हाथी दिवस पर दुधवा नेशनल पार्क के 25 राजकीय हाथियों को सजाया गया। पसंदीदा भोजन गन्ना, गुड़ा, सेब, केला, कद्दू, लौकी, अनन्नास आदि फल और सब्जियों के महाभोज में हाथी शामिल हुए। जमकर दावत उड़ाई। वहीं, पशु चिकित्सक ने एक स्वास्थ्य शिविर लगाकर हाथियों के स्वास्थ्य का विधिवत परीक्षण भी किया। इसके अलावा गौरीफंटा सहित अन्य वन रेंजों में भी गोष्ठियां व अन्य जनजागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

दुधवा टाइगर रिजर्व प्रभाग की दक्षिण सोनारीपुर रेंज सहित विभिन्न रेंजों में विश्व हाथी दिवस धूमधाम से मनाया गया। पशु चिकित्सक डॉ. मोहम्मद तलहा ने हेल्थ चेकअप कैंप लगाकर पालतू हाथियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया। पश्चात दुधवा टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर जगदीश आर. सहित वन्यजीव प्रतिपालक दुधवा महावीर सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी दक्षिण सोनारीपुर सुरेंद्र कुमार, विश्व प्रकृति निधि के रोहित रवि आदि ने हाथियों को विशेष व्यंजन गुड़, चना, लौकी, कद्दू, गन्ना, केला आदि खिलाकर उन्हें हाथ से सहलाया। इस बीच बिजनौर जंगल में अपनी मां से बिछड़ कर यहां पाली जा रहीं दो नन्हीं हथिनियां काफी किलोलें कर सभी का ध्यान आकर्षित करती रहीं। इसके अतिरिक्त दुधवा की गौरीफंटा वनरेंज सहित कई रेंजों में गोष्ठियां एवं अन्य जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र-छात्राओं व अन्य को हाथियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

अन्य महावतों का हेल्थ चेकअप कैंप 14 अगस्त को : दुधवा टाइगर रिजर्व के 25 राजकीय हाथियों के महावतों का हेल्थ चेकअप कैंप 14 अगस्त को सीएचसी पलिया के चिकित्सकों द्वारा आयोजित किया जाएगा।

द. सोनारीपुर रेंज में राजकीय हाथियों को भोज खिलाते उपनिदेशक जगदीश आर व अन्य।

विश्व हाथी दिवस पर हाथियों के साथ मौजूद महावत और डीटीआर स्टाफ। ● अमृत विचार

महावत इरशाद अली तमिलनाडु में होंगे सम्मानित

दुधवा के पालतू हाथियों के मुख्य प्रशिक्षक महावत इरशाद अली को आज व्याघ्र एवं हाथी परियोजना प्रभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन भारत सरकार द्वारा कोयंबटूर, तमिलनाडु में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में गज गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

बाघ की चहल कदमी से ग्रामीणों में दहशत

मूड़ा सवारान, अमृत विचारः गोला वन रेंज विकास खंड बिजुआ के गोंधिया में बाघ की मौजूदगी से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। सोमवार रात जसविंदर सिंह ने अफसर सिंह के झाले के पास बाघ को देखा। उन्होंने अपनी कार के अंदर से मोबाइल में बाघ की तस्वीरें कैद की हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से इस क्षेत्र में बाघ की चहल कदमी देखी जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने आसपास के क्षेत्र में अलर्ट जारी कर दिया है। विभाग की टीमें लगातार गश्त कर रही हैं और घनी बस्तियों पर विशेष नजर रख रही हैं। गोला वन रेंज क्षेत्र में कई गौशालाएं और फार्म हाउस स्थित हैं। इसके अलावा यहां ग्रामीण क्षेत्र में बड़े बंगले और कोठियां भी मौजूद हैं। इस मार्ग पर लोगों की दैनिक आवाजाही होती है। बाघ के आबादी वाले क्षेत्र में आने से स्थानीय निवासी डरे सहमे हैं।

ट्रैफिक पुलिस की नाकामी से 3 घंटे जाम में कैद रहा शहर

स्कूली बच्चे और महिलाएं तपती धूप में रहे परेशान, मरीजों के लेकर फंसी एंबुलेंस को नहीं मिला रास्ता, अधिकारी मौन

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। मंगलवार को संकटा देवी से लेकर एलआरपी चौराहे तक भीषण जाम ने शहरवासियों को बेहाल कर दिया। जाम के चलते स्कूली बच्चे, मरीज और महिलाएं तीन घंटे तक तपती धूप में फंसे रहे।

शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए एसपी स्तर से कई बार तमाम कोशिशें की गईं। नए सिरे से ट्रैफिक प्लान लागू किए गए ताकि शहर का यातायात सुगम हो सके, लेकिन यातायात पुलिस की लापरवाही के कारण यह प्लान नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली कहावत बनकर रह गए। वर्तमान समय में यातायात पुलिस का ध्यान शहर में संचालिक अवैध टेंपो और टैक्सी स्टैंडों पर केंद्रित रहता है। शहर की यातायात व्यवस्था से उनका कोई लेना देना नहीं दिख रहा है। यही वजह है कि शहर की ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो चुकी है। कोई न देखने वाला है और न ही कोई सुनने वाला है। चौराहों से ट्रैफिक सिपाही भी ड्यूटी से नदारद रहते हैं। होमगार्डों के भरोसे शहर की यातायात व्यवस्था संचालित हो रही है।

मंगलवार की दोपहर शहर के प्रमुख निघासन रोड पर भीषण जाम लग गया। संकटा देवी से लेकर एलआरपी तक करीब तीन किलोमीटर वाहनों की दोनों तरफ लंबी कतारें लग गईं। स्कूल से घर लौटते समय कई वैन और बसें भी जाम में फंस गईं। बच्चे भूख-प्यास से परेशान रहे, लेकिन ट्रैफिक पुलिस का कहीं नामोनिशान नहीं था। स्थिति यह रही कि कई अभिभावक खुद बाइक और पैदल निकलकर बच्चों को लेने पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जाम में फंसी एंबुलेंस चालक बार-बार हॉर्न बजाकर रास्ता मांगते रहे, लेकिन वाहन आगे बढ़ने का कोई मौका नहीं मिला। कई जगह लोग खुद अपने-अपने वाहनों को धक्का देकर निकालते रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में ट्रैफिक पुलिस सिर्फ चालान काटने के लिए दिखाई देती है। जाम खुलवाने के लिए नहीं। सड़क पर गाड़ियों का ढेर लग जाता है, लेकिन कोई अधिकारी मौके पर नहीं आता।

ओवरब्रिज के आगे राजगढ़ के पास लगा भीषण जाम। ● अमृत विचार

रेलवे स्टेशन के पास ओवरब्रिज पर लगा जाम। ● अमृत विचार

जाम में फंसी साइकिल सवार छात्राएं। ● अमृत विचार

तीन महीने पहले लगाई गईं ट्रैफिक सिग्नल लाइट का नहीं मिल रहा लाभ

शहर के प्रमुख संकटा देवी चौराहा समेत शहर के कुछ जगहों पर पिछले तीन महीने पहले ट्रैफिक सिंग्नल लाइटें लगाई गई थीं, लेकिन यातायात पुलिस की लापरवाही के कारण सिंग्नल लाइट का लाभ लोगों को नहीं मिल पा रहा है। चालकों ने बताया कि रेड लाइट के बाद भी लोग वाहन लेकर निकलते रहते हैं।

रविवार को अवकाश होने और सोमवार को बंदी थी। इसलिए आज अधिक भीड़भाड़ हो गई। इससे जाम लग गया था। पुलिस ने जाम खुलवा कर कुछ देर बाद ही आवागमन सुचारू करा दिया था।

– योगेंद्र प्रताप सिंह, टीएसआई

जाम लगने के ये हैं कारण

जानकारी के अनुसार, मुख्य चौराहों पर अतिक्रमण, अव्यवस्थित पार्किंग और बड़े वाहनों की आवाजाही से जाम की स्थिति आए दिन बनी रहती है। कई दुकानदारों ने फुटपाथ और सड़क तक कब्जा कर रखा है, जिससे राहगीरों और वाहनों को गुजरने में दिक्कत होती है। लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ट्रैफिक पुलिस को सक्रिय किया जाए, अतिक्रमण हटवाया जाए और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात किए जाएं।

ट्रैक्टर पर सवार होकर बाढ़ प्रभावित गांव पहुंचे सीएमओ

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः भारी बारिश से आई बाढ़ के बीच स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने मंगलवार को सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता खुद ट्रैक्टर पर सवार होकर नकहा ब्लॉक के बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे।

सीएमओ ने सीएचसी नकहा अधीक्षक डॉ. रामू सिंह के साथ सबसे पहले बाढ़ चौकी खानीपुर का निरीक्षण किया, जहां स्वास्थ्य टीम आठ मरीजों का उपचार कर रही थी। इसके बाद वह बाढ़ प्रभावित गांव रहरिया खुर्द व उसके पुरवा रहरिया कला भी ट्रैक्टर पर सवार होकर पहुंचे, यहां पर आशा विंधेश्वरी भ्रमणशील थीं।

उन्होंने प्रधान आरती देवी व प्रधान पति उत्तम कुमार से भी स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी की। सीएचसी अधीक्षक डॉ. रामू सिंह को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व बाढ़ प्रभावित चौकियों में दवाओं की उपलब्धता को सुनिश्चित की जाए। वहीं छुट्टा पशुओं व जहरीले जीव जंतुओं के उपचार के लिए वैक्सीन व दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता रखने के भी निर्देश दिए। सीएमओ ने बताया कि अभी तक 345 डायरिया के मरीज मिले हैं, वहीं 817 बुखार के, एक सर्पदंश, 432 त्वचा रोग व 800 अन्य को मिलाकर 2395 मरीजों को उपचार दिया गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में अब तक 7190 क्लोरीन की टेबलेट व 2187 ओआरएस के पैकेट वितरित किए गए हैं।

ट्रैक्टर पर सवार होकर रहरिया कला जाते सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता।

- चौकियों और स्वास्थ्य सेवाओं का किया निरीक्षण

बीमारी का बहाना बनाकर युवक ने दुकानदार से ठगे 25 हजार रुपये

संवाददाता, मझगईं

अमृत विचारः कस्बे के एक युवक से ठग ने बीमारी का बहाना बताकर 25 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कस्बा मझगईं निवासी रिजकान की दुकान मेवा लाल राम दुलारी विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के सामने हाईवे किनारे स्थित है। रिजकान के मुताबिक एक अज्ञात व्यक्ति बाइक से सुबह लगभग नौ बजे उनकी दुकान पर आया। उसने बताया कि मझगईं में कोई ग्राहक सेवा केंद्र नहीं खुला है और उसका रिश्तेदार अस्पताल में भर्ती हैं। उसके गिड़गिड़ाने पर रिजकान को तरस आ गया। ठग ने दुकानदार को एक बारकोड दिया और 25 हजार रुपये डालने को कहा। दुकानदार ने उसकी मजबूरी देखते हुए तीन बार में रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस दौरान दुकान पर रिजकान के भाई का एक परिचित आया। परिचित ने रिजकान से उनके भाई को बुलाने को कहा। जैसे ही रिजकान अपने भाई को बुलाने घर गए, आरोपी ठग बिना रुपये दिए बाइक से भाग निकला। पीड़ित ने पुलिस को शिकायत में सभी लेनदेन की रसीदें और आरोपी का व्हाट्सएप प्रोफाइल फोटो भी सौंपा है।

पुलिस से लिखित शिकायत में रिजकान ने कहा कि वह इस घटना से काफी परेशान हैं। छोटी मोटी दुकान से अपने परिवार का गुजर बसर कर रहा है। घटना से पीड़ित व उसका परिवार सदमे में है।

सावन व चैती को राजकीय मेला घोषित कराने की आवाज बुलंद

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः छोटी काशी में शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण के साथ ही मेला चैती और सावन मेला को राजकीय मेला घोषित कराने की आवाज बुलंद होने लगी है। विभिन्न संगठनों और जनमानस की इस आवाज को आगे बढ़ाने के लिए गोला नगर पालिका के चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू ने भी कमर कस ली है। उन्होंने डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को पत्र सौंपकर चैती और सावन मेला को राजकीय मेला घोषित कराने की मांग की। डीएम ने उनके इस प्रस्ताव को शासन में भेजने का भरोसा दिलाया।

छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में 120 साल पूरे कर चुका चैती मेला और सावन मेला लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। इस साल सारे रिकॉर्ड टूट गए और सावन मेला में 29.34 लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। मेले के आकर्षण को देखते हुए भारत विकास परिषद के अध्यक्ष विकास मिश्र, अखिल भारतीय उद्योग व्यापर मंडल के जिलाध्यक्ष अरुण अवस्थी सहित विभिन्न संस्थाओं ने गोला पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल रिंकू को पत्र देकर चैती और सावन मेला को राजकीय मेला घोषित कराने की मांग की थी। विभिन्न संगठनों और जनमानस के प्रस्ताव को लेकर नगर पालिका परिषद गोला के अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने डीएम से उनके कैंप कार्यालय पर भेंट कर पवित्र सावन मेला एवं ऐतिहासिक चैती मेला को राजकीय मेला घोषित कराने के लिए पत्र सौंपा।

नगर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि देवाधिदेव महादेव का पवित्र श्रावण मास इस साल 11 जुलाई से 09 अगस्त तक रहा, जिसमें छोटी काशी गोलागोकर्णनाथ में लगभग 29 लाख 34 हजार 700 श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। वहीं चैत्र मास की नवरात्र में विगत 120 वर्षों से ऐतिहासिक चैती मेला का आयोजन होता है, जो लगभग एक माह तक चलता है। मेले में बाहर से लगभग 250 दुकानें खेल खिलौनों, लकड़ी की सजावट की सामग्री, क्रॉकरी, सॉफ्टी इत्यादि की दुकानें आकर्षण का केंद्र रहती हैं। साथ ही नगर पालिका सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करती है। नगर क्षेत्र के आप-पास के 20 से 25 किमी के परिक्षेत्र से लगभग 30 हजार की संख्या प्रतिदिन आती है। जो राजकीय मेला की श्रेणी को पूर्ण करता है। डीएम ने उनके पत्र पर संस्तुति सहित शासन को भेजने का भरोसा दिया है।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल को पत्र देत चेयरमैन विजय शुक्ल रिंकू।

- विभिन्न संस्थाओं के आगे आने के बाद नगर पालिका चेयरमैन ने डीएम को सौंपा पत्र

दोस्तों ने मारपीट कर युवक का तोड़ा हाथ

लखीमपुर खीरी, अमृत विचारः मोहल्ला नौरंगाबाद निवासी आलोक मिश्र ने बताया कि उसके मिलने वाले मोहल्ले के गुल्लू गुप्ता व मीरपुर निवासी अनिल यादव सुबह उसके घर आए। कहने लगे कुछ लोग हमारे आपके मिलने वाली गोविंद नगर फील्ड में खड़े हैं चलो मिल लेते हैं। दोनों आरोपी झांसा देकर उसे अपने साथ ले गए, लेकिन वहां पर कोई नहीं था। इस बीच दोनों आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर पिटाई करने लगे। आरोप है कि गुल्लू गुप्ता ने उसका दाहिना हाथ मोड़ दिया, जिससे हाथ टूट गया। अनिल यादव ने धक्का देकर गिरा दिया। शोरगुल होने पर आसपास के लोग दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

याद करो कुर्बवानी 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में लालता प्रसाद ने भी लिया था हिस्सा, जब तक जीवित रहे नहीं ली पेंशन

बरतानियां हुकूमत के सहते रहे सितम, छोड़ दिया घर परिवार

कामता सिंह कुशवाहा, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचारः देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराने के लिए अपने प्राण तक न्यौछावर करने वाले कई सपूतों ने आजादी के आंदोलन में अपना योगदान दिया था, जिसमें लखीमपुर खीरी जिले के गांव रोशननगर के रहने वाले स्व. लालता प्रसाद अग्निहोत्री का नाम बेहद समर्पित रहे स्वतंत्रता सेनानी के रूप में लिया जाता है।

महात्मा गांधी की अगुवाई में चलने वाले आंदोलन के लिए उन्होंने अपना घर और परिवार तो छोड़ ही दिया था। इसके अलावा आंदोलन की अग्रणी पंक्ति के नेताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बरतानियां हूकूमत की यातनाएं सहने के बावजूद उफ तक नहीं की। उन्होंने कई बार जेल की यात्राएं कीं और देश की आजादी के बाद तमाम उल्लेखनीय पदों पर रहते हुए उन्होंने देश की सेवा की।

तहसील गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र के गांव रोशननगर के जमींदार पं. हेमनाथ अग्निहोत्री के यहां वर्ष 1886 में जन्मे पंडित लालता प्रसाद अग्निहोत्री ने बचपन से लेकर जवानी तक के सफर में उन्होंने उस समय यहां हुकूमत चला रही अंग्रेजी सरकार के जुल्म देखे तो दूसरी ओर अपने वतन को आजाद कराने के लिए छटपटा रहे स्वतंत्रता सेनानी और बलिदानी सपूतों के समर्पण की भावना भी उनके सामने होकर गुजरती रही, तो उनका मन व्याकुल हो गया। कोई परिवार वाला नहीं जानता था कि उनका भविष्य क्या होगा, लेकिन लालता प्रसाद ने तो देश की सेवा करने की ठान रखी थी और इसी कारण उनकी शिक्षा दीक्षा मात्र मिडिल स्तर तक ही हो पाई थी।

उन दिनों अंग्रेजों की हुकूमत में मानवता कराह रही थी, लेकिन ऐसे भी थे जो देश पर जान लुटाने की जिद पर अड़े थे और उस समय महात्मा गांधी की अगुवाई में चल रहे आजादी आंदोलन चल रहा था। लालता प्रसाद भी इसमें शामिल हो लिए जबकि उनका विवाह बचपन में ही कर दिया गया था, किन्तु ये अपने तीन भाइयों हंसराम और भोलानाथ से छोटे होने कारण परिवार में सबसे दुलारे लालता प्रसाद पारिवारिक बंधनों में बंधना नहीं चाहते थे। उन्होंने पं. बंशीधर मिश्र, बंशीधर शुक्ला, कुंवर खुशवक्त राय, शांति स्वरूप मिश्रा तथा सूर्य नारायण विद्यार्थी के साथ वर्ष 1940 तथा 1942 के अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इसके एवज में अंग्रेजी सरकार ने उन्हें दो बार एक-एक साल की कैद व 50-50 रुपये जुर्माने की सजा से दंडित किया। कठोर यातनाएं सहते हुए वे लखीमपुर, सीतापुर और चुनार की जेलों में भी बंद रहे। आखिरकार देश के रणबांकुरों की कुर्बानी रंग लाई जब देश आजाद हुआ और लोगों ने खुली हवा में सांस ली।

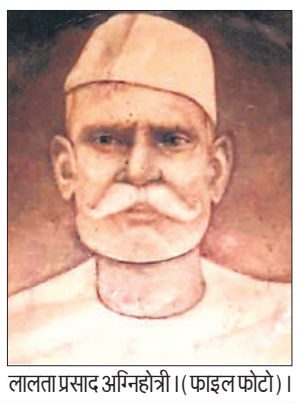

लालता प्रसाद अग्निहोत्री। (फाइल फोटो)।

कांग्रेस के रहे जिला कार्यकारिणी सदस्य

गोला गोकर्णनाथ। ग्राम रोशननगर निवासी पं. लालता प्रसाद अग्निहोत्री कांग्रेस में जिला कार्यकारिणी सदस्य और गोला कांग्रेस कमेटी के नगर अध्यक्ष भी रहे। वर्ष 1935 में जिला परिषद में सदस्य का भी दायित्व निभाया था। वे आजीवन अपनी ग्राम पंचायत रोशननगर में निर्विरोध प्रधान निर्वाचित होते रहे तथा इस सेनानी ने अपने जीवनकाल भर कभी पेंशन ही नहीं ली थी, जिससे उनकी देश के प्रति समर्पण की भावना उजागर होती है। आजादी के इस सिपाही ने 20 दिसंबर 1961 को प्राण त्याग दिए।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

नेपाली महिला की वाहन से कुचलकर मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सीतापुर-लखीमपुर फोरलेन पर थाना खीरी क्षेत्र में बाथरूम करने जा रही एक नेपाली महिला की वाहन से कुचलकर मौत हो गई। नेपाल के डोटी जिले के गांव गोड़े निवासी कैलाश सिंह ने बताया कि वह लोग मुंबई में रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं। सोमवार को लखनऊ पहुंचने के बाद टैक्सी की, जिससे वह अपने साथियों के साथ नेपाल अपने घर जा रहे थी। सीतापुर-लखीमपुर हाईवे पर थाना खीरी क्षेत्र में स्थित जनता ढाबे पर सभी ने खाना खाया। खाना खाने के बाद उनकी मां सीता देवी (60) बाथरूम के लिए ढाबे के बाहर गई थी। इस दौरान किसी वाहन ने उनकी मां को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

आत्मसमर्पण करने वाले आरोपी का चालान

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर की राजापुर पुलिस चौकी के पास ढाबा संचालक के साथ मारपीट, लूटपाट के मामले में गिरफ्तार आरोपी अर्पण शुक्ला का पुलिस ने मंगलवार को चालान कर कोर्ट में पेश किया, जहां से अदालत ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। शहर कोतवाल हेमंत राय ने बताया कि पुलिस बजरंग दल के सीतापुर विभागाध्यक्ष देव जुनेजा और रोहित शर्मा की तलाश कर रही है। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

संपूर्णानगर रत्न से नवाजे गए डॉ. खान

महंगापुर, अमृत विचार : पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवी डॉ. आईए खान को सामाजिक कार्यों एवं पर्यावरण के प्रति योगदान के लिए समाजसेवियों और प्रबुद्धजनों ने संपूर्णानगर रत्न से सम्मानित किया गया। डॉ. खान समाज के कल्याण व पर्यावरण को संरक्षित करने में लगे रहते हैं।

डीएम ने मिड-डे-मील में पकड़ी गड़बड़ी, ग्राम प्रधान को नोटिस

दाल में सब्जी नहीं और हल्दी भी कम थी, प्राथमिक विद्यालय में उपस्थित बच्चों की संख्या के अनुपात में कम बनाई थी दाल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार सुबह कई स्कूलों का निरीक्षण किया, जिसमें प्राथमिक विद्यालय धौरहरा खुर्द में बन रहे मिडडेमील में बच्चों की संख्या से दाल काफी कम बनते हुए पाई और उसकी गुणवत्ता भी ठीक नहीं थी। इस पर डीएम ने ग्राम पंचायत धौरहरा खुद के प्रधान को 95-जी का नोटिस देने के निर्देश दिए। डीएम की सख्ती से हड़कंप मचा है।

डीएम मंगलवार की सुबह सीधे ब्लॉक सदर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालय यूपीएस कोरैया जंगल, पीएस निपनिया, पीएस धौरहरा खुर्द और पीएस बौठा सहित विद्यालय भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों का भी स्थलीय निरीक्षण किया। प्राथमिक स्कूल धौरहरा खुर्द में निरीक्षण के दौरान डीएम ने पाया कि मिड-डे-मील में दी जा रही दाल में न तो सब्जी डाली गई थी और कम हल्दी का प्रयोग हुआ था। साथ ही उपस्थित बच्चों की संख्या के अनुपात में दाल कम बनी थी। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने डीपीआरओ को ग्राम प्रधान के विरुद्ध 95 जी का नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षाओं में बच्चों की पढ़ाई, शिक्षक-छात्र उपस्थिति, मिड डे मील की गुणवत्ता, साफ-सफाई और मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से आकलन किया। इस दौरान डीपीआरओ विशाल सिंह, डीपीओ भारत प्रसाद, बीईओ देवेश राय मौजूद रहे।

बच्चों से किताब पढ़वाकर रीडिंग स्किल की गुणवत्ता चेक करतीं डीएम।

धौरहरा खुर्द के स्कूल में मिड-डे-मील चेक करतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

अभिभावकों से समन्वय बढ़ाने की हिदायत

इसके बाद डीएम प्राथमिक विद्यालय निपनिया पहुंचीं, जहां उन्होंने उपस्थिति पंजिका समेत अन्य अभिलेखों की गहन जांच की। शिक्षकों को निर्देश दिए कि विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें। जो बच्चे लगातार अनुपस्थित रहते हैं, उनके घर जाकर उन्हें विद्यालय भेजने की व्यवस्था करें।

गाढ़ी दाल देने के निर्देश, बच्चों की रीडिंग स्किल परखी

निरीक्षण की शुरुआत डीएम ने यूपीएस कोरैया जंगल से की। यहां पहुंचकर उन्होंने मिड-डे-मील के तहत तैयार दाल-चावल की गुणवत्ता की जांच की और पाया कि दाल पतली थी। उन्होंने बच्चों को गाढ़ी दाल परोसने के निर्देश दिए। शिक्षा की गुणवत्ता परखने के लिए बच्चों से कई सवाल पूछे, उनसे किताब पढ़वाई और रीडिंग स्किल का परीक्षण किया। विद्यालय के शौचालयों की क्रियाशीलता और पेयजल की उपलब्धता की जांच की।

बौठा में बच्चों ने सही पहचानी मुद्रा, मिला इनाम : निरीक्षण का अंतिम पड़ाव प्राथमिक विद्यालय बौठा रहा। यहां शिक्षिका नौनिहालों को मुद्रा पहचानना सिखा रही थीं। डीएम ने मौके पर बच्चों से अलग-अलग मूल्य के नोट पहचानने को कहा। बच्चों ने सही उत्तर देकर अपनी सीखने की क्षमता का परिचय दिया। सही उत्तर देने वाले बच्चों को डीएम ने प्रोत्साहित करते हुए इनाम भी दिया।

49 स्कूलों के बच्चों की पेयरिंग, शिक्षक 10 दिन तक छोड़ेंगे-लाएंगे

जिले के 49 परिषदीय विद्यालयों के 1291 बच्चों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के उद्देश्य से उन्हें निकटवर्ती स्कूलों से पेयरिंग किया गया है। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने निर्देश दिए कि उपस्थिति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अगले 10 दिन तक पेयरिंग स्कूल के प्रधानाध्यापक व शिक्षक स्वयं बच्चों को घर से लाएंगे और पढ़ाई के बाद सुरक्षित घर छोड़ेंगे। खंड शिक्षा अधिकारियों को व्यवस्था की सतत निगरानी के निर्देश भी दिए गए हैं।

देश भक्ति के रंग में रंगा आर्य कन्या महाविद्यालय

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: भगवानदीन आर्य कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय का माहौल मंगलवार को पूरी तरह से देश भक्ति के जब्जे से सराबोर रहा। हर घर तिरंगा अभियान के तहत दूसरे चरण के तहत आयोजित म्यूजिकल कंसर्ट में छात्राओं की प्रस्तुतियों ने लोगों के दिलों को छू लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रोफेसर गीता शुक्ला ने की, जबकि संयोजन वीना चौरसिया ने किया। कंसर्ट में छात्राओं ने देशभक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। फिजा ने तेरी मिट्टी में मिल जावां गीत गाकर माहौल को भावुक कर दिया। लविशा, स्नेहा, कशिश, नैंसी, लक्ष्मी और रीना ने भी अपनी प्रस्तुतियों से देशभक्ति का संदेश दिया। प्राचार्य गीता शुक्ला ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि देशभक्ति की भावना हमारे हर कार्य में झलकनी चाहिए। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सभी शिक्षिकाएं भी मौजूद रहीं।

हादसों के बाद जागा प्रशासन, डिवाइडर पर लगाए गए सांकेतिक बोर्ड

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचार: मैलानी थाना क्षेत्र के कस्बा संसारपुर से निकले नेशनल हाईवे 730 पर बने डिवाइडर से टकराकर कई वाहन क्षतिग्रस्त होने और डिवाइडर पर लगी स्ट्रीट लाइट के पोल टूटकर गिरने की सूचना मीडिया द्वारा कंस्ट्रक्शन का काम कर रही बालाजी इंटरप्राइजेज के कर्मचारियों को दी गई। इसका संज्ञान लेते हुए कार्यदायी संस्था और समाजसेवियों ने हाईवे पर दोनों तरफ सांकेतिक बोर्ड लगवाए हैं।

हाईवे की घटनाओं को प्रमुखता से प्रकाशित कियार गया था। इसके बाद कार्यदायी संस्था ने सड़क के दोनों तरफ डिवाइडर पर सांकेतिक मीडियन हजार्ड बोर्ड लगाए हैं। इस दौरान कस्बे की जीवनदायिनी समाजसेवी संस्था के सदस्य एवं सड़क विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे। समाजसेवी संस्थान ने बालाजी कंट्रक्शन कंपनी के कर्मचारियों से टूटे पड़े पोल लगवाने तथा डिवाइडर की मरम्मत कराने की मांग की। जिसे स्वीकार करते हुए जल्द ही कार्य करने का आश्वासन दिया। संस्था ने इस नेक कार्य की सराहना की है।

संसारपुर में सांकेतिक बोर्ड लगाते समाजसेवी। ● अमृत विचार

चोरी की बाइक के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

मैगलगंज, अमृत विचार: थाना प्रभारी निरीक्षक रवींद्र कुमार पांडेय ने बताया कि पुलिस ने मंगलवार को सीतापुर जिले के थाना पिसावां के गांव सैजखुर्द निवासी छुटक्के उर्फ कमरुद्दीन को गिरफ्तार किया है। उसने पांच अगस्त को मैगलगंज क्षेत्र के चौखड़िया गांव से मुकेश कुमार सिंह की बाइक व दो मोबाइल चोरी किया था, जिसकी रिपोर्ट रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी की बाइक, एक कीपैड फोन, साथ ही अन्य स्थानों से चोरी किए गए पांच एंड्रायड और एक कीपैड मोबाइल फोन भी बरामद किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपी शातिर अपराधी है।

महापुरुषों की मूर्तियों पर की पुष्पांजलि अर्पित

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: हर घर तिरंगा अभियान को लेकर मंगलवार सुबह नगर पालिका अध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने नगर में स्थित महापुरुषों के स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया। प्रतिमाओं पर साफ-सफाई कर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

पालिका परिसर स्थित पं. सियाराम मिश्र एवं रामनरेश तिवारी, लखीमपुर रोड स्थित नानकचन्द्र अग्निहोत्री, सदर चौराहे पर पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की मूर्ति, मेला मैदान में राजेन्द्र गिरि, हमीद मार्केट में शहीद अब्दुल हमीद एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा, अलीगंज रोड पर डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा खुटार रोड पर विकास वर्मा के स्मारक पर स्वच्छता करने के बाद माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष शत्रोहन मिश्रा, राजेश राठौर, रेखा मिश्रा, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष गीता विश्वकर्मा, अंकुर वर्मा, धीरज वाजपेयी, विनोद कुमार वर्मा, राजीव वर्मा, विजय मिश्रा, विमलेश वर्मा आदि रहे।

पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ल।

● शहर में स्मारकों पर भाजपाइयों ने चलाया स्वच्छता अभियान

SEXOLOGIST

आखिर कब तक शर्माते रहोगे

हर उम्र में जबरदस्त ताकत व रुकावट प्राप्त करें

शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी

मैं नीरज कुमार, आंवला निवासी हूं मैनें बचपन में अपने हाथों से अपना जीवन खराब कर लिया था काफी जगह ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ फिर मेरे दोस्त ने डा. शेख के बारे में बताया वहां मैनें 40 दिन ईलाज कराया आज में पूरी तरह अपने वैवाहिक जीवन का आनंद उठा रहा हूं अगर आप भी नामर्दी, धात, स्वप्नदोष, शीघ्रपतन जैसी बिमारियों से परेशान हैं तो डाक्टर शेख से मिलकर बिमारियों से छुटकारा पायें।

मैं अकील खान, शाहजहांपुर निवासी हूं मुझे शीघ्रपतन की बिमारी थी। काफी नीम हकीमों से ईलाज कराया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ मैं इस बिमारी के कारण अपनी घरवाली से भी आंख नहीं मिला पाता था। क्योंकि सेक्स के समय मेरा वीर्य एक या दो मिनट में ही निकल जाता था जिस कारण घरवाली संतुष्ट नहीं हो पाती थी। फिर मैंने डा.शेख से सम्पर्क किया आज मैं पूरी तरीके से ठीक हूं मेरा टाईम तकरीबन 15 से 20 मिनट बढ गया है।

मैं सतीस, उम्र 55 साल है मैं पीलीभीत निवासी हूं मुझे डायबिटीज है। डायबिटीज के कारण मेरा सेक्स पूरी तरह से खत्म हो गया था काफी ईलाज कराया कोई फायदा नहीं हुआ फिर मैं डा. शेख से मिला। डा.शेख ने शुगर के साथ मुझे मर्दाना कमजोरी की दवा भी दी। आज मेरी शुगर भी कंट्रोल है और मर्दाना ताकत भी पुनः वापस आ गई है। आज मैं फिर से जवान हो गया हूं।

क्या आप यौन समस्याओं से परेशान हैं और इधर उधर ईलाज कराकर थक चूके हैं और इन बिमारियों को लाईलाज समझ चूके हैं जैसे नामर्दी, धात, शीघ्रपतन, शुक्राणुओं की कमी, माहवारी का कम या ज्यादा आना, स्तनों का बैडोल होना, जोडों का दर्द, शुगर, पेट रोग, किडनी रोग, हृदय रोग, निःसंतान दम्पति डा. शेख से सम्पर्क करें। डा. शेख के नाम से हिन्दुस्तान में 50 दवाखाने चल रहे हैं डा.शेख अपने मरीजों के लिये दवायें खुद तैयार करते हैं दवायें सहार हर्बल फार्मेसी में तैयार की जाती है। दवायें देश विदेश में लाखों मरीजों पर आजमाई हुई हैं। डा.शेख को अच्छे ईलाज के लिए अनेकों अवार्ड मिल चूके है जैसे Gold Medelist, Best Sexologist in India, Pride of Country, Kohinoor A Tibb, Chikitasak Ratan, Asia's Best Sexual Health Clinic

भारत प्रसिद्ध YouTube पर Search करें गोल्ड मेडेलिस्ट

डा.शेख

Best Sexologist in india आयुर्वेदा

मिलें हर मंगलवार ईसाईयों की पुलिया बरेली

निकट सैटेलाईट बस स्टैण्ड

9837023223

स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराएगा तिरंगा

गोला में तिरंगा झंडा लिए खड़े ब्लॉक कुंभी के ग्राम प्रधान। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

● सभी ग्राम प्रधानों को वितरित किए गए झंडे

अमृत विचार: हर घर तिरंगा अभियान के तहत मंगलवार को कुंभी ब्लॉक में प्रधानों को तिरंगा झंडा वितरित किए गए। साथ ही सभी को 15 अगस्त के दिन राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराने के लिए प्रेरित करने को प्रोत्साहित किया गया।

नगर की लखीमपुर रोड स्थित कुंभी ब्लॉक सभागार में ब्लॉक के ग्राम प्रधानों को तिरंगा का वितरण किया गया। लाल्हापुर के प्रधान जनार्दन गिरि, भाजपा युवा नेता धर्मेंद्र गिरि मोंटी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की आन बान और शान है। तिरंगे को भवन के प्रमुख स्थान पर फहराया जाए। तिरंगा फहराने के बाद उसे 16 अगस्त को प्रातः उतारकर सम्मानपूर्वक सहेज कर रख लिया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रधान अपने अपने गांव में लोगों को 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करें। ब्लॉक प्रमुख विमल वर्मा ने कहा कि यह अभियान लोगों में देशभक्ति की भावना जगाने और उन्हें राष्ट्रीय ध्वज के महत्व को समझने के लिए शुरू किया गया है। हर घर शान से तिरंगा फहरे यह हम सबकी जिम्मेदारी है। बीडीओ राकेश कुमार सिंह, एडिओ अवनीश त्रिपाठी सहित तमाम गांव के प्रधान, कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

गन्ना किसानों को बताए कीट व बीमारी से बचाव के उपाय

महंगापुर , अमृत विचार: किसान सहकारी चीनी मिल प्रधान प्रबंधक रमेश कुमार व मुख्य गन्ना अधिकारी उदयभान सिंह, वॉइस चेयरमैन इंद्रदीप सिंह बटन व बजाज यूनिट हेड ओपी चौहान, जीएम केन राजीव तोमर के साथ बजाज चीनी मिल का भ्रमण कर गन्ने में लगने वाले रोग, कीट व बीमारी और इससे बचाव व पेराई सत्र के दौरान गन्ने के बेहतर प्रबंधन के विषय में चर्चा की। साथ ही मुख्य अभियंता व अभियंताओं की टीम ने मिल हाउस में हो रहे रिपेयरिंग व मेंटिनेंस के कार्य को देखा। मुख्य गन्ना अधिकारी ने किसानों को मृदा प्रबंधन, उर्वरकों का संतुलित प्रयोग, समय से सिंचाई व्यवस्था और कीट नियंत्रण के बारे में जागरूक किया। पश्चात प्रधान प्रबंधक व मुख्य गन्ना अधिकारी ने चीनी मिल क्षेत्र के ग्राम भैंसोरी, महंगापुर के कृषक सुखपाल सिंह व सिंघाड़ा सिंह के गन्ना प्लाटों का निरीक्षण किया और मौजूद किसानों को गन्ने में लगने वाले कीट, रोग, बीमारी आदि की जानकारी दी।

कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष ने किया पलिया क्षेत्र के कई गांवों का दौरा

ग्रामीण के घर पर तिरंगा झंडा व नेम प्लेट लगवाते प्रदेश उपाध्यक्ष बृज मौर्य।

संवाददाता, महंगापुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश कांग्रेस किसान के प्रदेश उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी/मंडल कोआर्डिनेटर बृज मौर्य ने पलिया क्षेत्र के कई गांवों का दौरा करने के साथ ही अपने सहयोगियों व कांग्रेसियों का हाल जाना।

बृज मौर्य ने पलिया विधानसभा के खजूरिया, संपूर्णानगर, सुमेरनगर, महंगापुर, गदनिया, त्रिकौलिया, पलिया, भीरा आदि गांवों का दौरा कर लोगों की समस्याओं को सुनकर हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने कुछ दिन पूर्व दुर्घटना में घायल हुए कांग्रेस के ब्लॉक उपाध्यक्ष के घर पहुंचकर उनका हाल लिया।

इसके अलावा विभिन्न गांवों में जाकर कांग्रेस पार्टी का तिरंगा झंडा और नेम प्लेट लगवाईं। उनके साथ रामज्ञान शर्मा, राजीव सिन्हा, पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी व संपूर्णानगर के अध्यक्ष राजन यादव, संजय कुमार, रामवृक्ष यादव, अरुण श्रीवास्तव, आदिल खान, गोपाल मौर्या, संदीप कुमार समेत अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

अनदेखी

गोशाला होने के बावजूद भी सड़कों पर घूम रहे छुट्टा गोवंशीय पशु

हाईवे पर छुट्टा घूम रहे घोड़े और गोवंशीय पशु, बढ़ी दुर्घटनाएं

संवाददाता, संसारपुर

अमृत विचार: विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत संसारपुर में बीते कुछ महीनों से छुट्टा घूम रहे घोड़े तथा गोवंशीय पशुओं का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सुबह से शाम तक हाईवे पर भारी तादाद में गोवंश एवं घोड़े अपना ठिकाना बनाकर दुर्घटनाओं में इजाफा कर रहे हैं। घुमंतू पशुओं से निजात दिलाने को प्रदेश सरकार लगातार गोशालाओं का निर्माण करा रही है, ताकि छुट्टा पशुओं से किसानों एवं राहगीरों को राहत मिल सके।

कस्बा संसारपुर में नेशनल हाईवे पर स्थित धन्जू पेट्रोल पंप के पास अस्थाई गोशाला का निर्माण विगत वर्ष कराया गया था, जिससे छुट्टा पशुओं को उसमें रखा जाए, लेकिन गोशाला होने के बावजूद भी नेशल हाईवे पर जानवरों का जत्था बैठा रहता है, जिससे राहगीरों को आवागमन में दिक्कतों को सामना करना पड़ता है। विगत वर्षों में कस्बे में छुट्टा घूम रहे गोवंशीय पशुओं से कुछ लोग काल के गाल में समा गए। बुधवार की रात बाइक सवार हाईवे पर बैठी गाय से टकरा गया, जिससे गाय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया तथा बाइक सवार घायल हो गए। शनिवार रात भी गाय से टकराकर तीन लोग गंभीर घायल हो गए थे। कस्बे की जीवन दायिनी समाजसेवी संस्था ने पुलिस और अपनी टीम के साथ घायल बाइक सवारों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। हाईवे पर विचरण कर रहे छुट्टा गाय और घोड़े डेरा डालकर बैठते हैं, जिससे सड़क हादसों में वृद्धि हो रही है। फिर भी जिम्मेदारों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा है।

बीच सड़क पर बैठे गोवंशीय पशु। ● अमृत विचार

संसारपुर में सड़क पर विचरण करते घोड़े। ● अमृत विचार

● गोशाला होने के बावजूद भी सड़कों पर घूम रहे छुट्टा गोवंशीय पशु

छुट्टा घूम रहे गोवंशीय पशुओं के बारे में सूचना प्राप्त हुई है। इस बारे में ग्राम प्रधान संसारपुर तथा सचिव को आदेशित कर दिया है कि सड़कों पर छुट्टा घूम रहे पशुओं को नजदीकी गोशाला डाटपुर भेजने का कार्य करें। जल्द ही छुट्टा घूम रहे गोवंशियों से निजात मिल जाएगी।

-ऋषिकांत अहिरवार, खंड विकास अधिकारी बांकेगंज।

कस्बे में अस्थाई गोशाला होने के बावजूद भी पशुओं का आवागमन हाईवे पर होता रहता है। इससे छोटे वाहनों के लिए बहुत ज्यादा खतरा है। शासन एवं प्रशासन इस पर ध्यान दे।

-अनुराग मौर्य संसारपुर।

सरकार गोशालाओं का निर्माण करवा रही है, लेकिन जिम्मेदार कागजों पर ही गोशाला चला रहे हैं। जमीनी स्तर पर खानापूर्ति हो रही है, इसकी जांच हो।

-मनोज वर्मा, वाहन चालक, निवासी बोझिया।

20 अगस्त 2023 को कस्बे के इलेक्ट्रॉनिक व्यापारी गांव छत्तीपुर निवासी आदित्य प्रकाश शर्मा की बाबा गुरुदेव आश्रम के पास पशु की टक्कर से मौत हो गई थी।

-कमर आलम, सोशल मीडिया विभाग, कांग्रेस पार्टी

हाईवे पर घोड़े और गोवंशीय पशुओं ने डेरा जमा रखा है। प्रशासन को छुट्टा घूम रहे जानवरों से निजात दिलानी होगी। अन्यथा आए दिन सड़क हादसे होते रहेंगे।

-बालगोविंद पूर्व प्रधान ग्राम पंचायत संसारपुर।

-अनुराग मौर्य संसारपुर।

अमृत सरोवर में डूबने से छात्र की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: झमाझम बारिश के बीच अमृत सरोवर गए कक्षा 11 के छात्र का काई लगी होने से अचानक ही पैर फिसल गया, जिससे गहरे पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने जब उसकी तलाश की तो उसका शव अमृत सरोवर में उतराता पाया गया। इससे उसके परिवार में कोहराम मच गया। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई।

सीतापुर जिले के बहेरवा गांव निवासी दिनेश वर्मा का पुत्र अमन वर्मा उर्फ अनिकेत ( ) कक्षा 11 का छात्र है। वह शहर से सटे गांव राजापुर स्थित अपनी ननिहाल में रहकर पढ़ाई करता था। परिवार वालों ने बताया कि सोमवार की दोपहर झमाझम बारिश के बीच अमन वर्मा उर्फ अनिकेत बारिश का आनंद लेने के लिए अमृत सरोवर गया था। अमृत सरोवर में काई लगी होने के चलते उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। पानी से न निकल पाने की वजह से उसकी डूबकर मौत हो गई। काफी देर तक जब वह घर वापस नहीं आया तो परिजनों को उसकी चिंता हुई। तलाश करते हुए परिजन जब अमृत सरोवर के पास पहुंचे तो उनकी नजर सरोवर में उतरा रहे अनिकेत के शव पर पड़ी। शव देख परिजनों में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव बाहर निकाला। उधर बेटे की मौत की खबर मिलते ही उसके माता-पिता व परिवार के अन्य लोग भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गए।

हाथों में तिरंगा और जुबां पर था भारत माता का जयघोष

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जगह-जगह निकाली तिरंगा यात्राएं, वंदे मातरम और भारत माता की जय से माहौल देशभक्ति से रहा सराबोर

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में स्वतंत्रता दिवस का उत्साह नजर आने लगा है। जगह-जगह तिरंगा यात्राएं निकाली जा रही हैं। हाथों में तिरंगा और जुबां पर भारता माता के जयघोष के साथ देश भक्ति के जयकारे गुंजायमान हो रहे हैं। मंगलवार को 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गदनिया पलिया द्वारा हर घर तिरंगा, हर दिल में भारत की भावना को साकार करने के उद्देश्य से हर घर तिरंगा अभियान के तहत बाइक रैली निकाली गई। उधर, पलिया कलां, मैगलगंज और संपूर्णानगर में भी तिरंगा यात्रा निकाली गईं।

पलिया कलां। भाजपा विधायक रोमी साहनी के आवास से भाजपा नगर अध्यक्ष उदयवीर सिंह के नेतृत्व में नगर की प्रमुख सड़कों पर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। नगर पालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता व गन्ना विकास समिति चेयरमैन अभिषेक अवस्थी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। तिरंगा यात्रा दुधवा रोड, स्टेशन रोड, बाईपास रोड होते हुए विधायक आवास पर संपन्न हुई। इस अवसर पर नगर महामंत्री विजय गुप्ता, वरुण मिश्रा, सभासद आशुतोष शुक्ला, संगीता सक्सेना, सावित्री देवी, शोभित कुमार व राजकुमार श्रीवास्तव, राजीव गुप्ता, मुन्नालाल बाल्मीकि, रघुनाथ राठौर शामिल हुए।

संपूर्णानगर। भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा कस्बे के खजुरिया मार्ग पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य ऋषिकेश सिंह के प्रतिष्ठान से आरंभ होकर बमनगर तक गई। तिरंगा यात्रा में भारतीय जनता पार्टी, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, महिला मोर्चा तथा क्षेत्र के अन्य बीजेपी कार्यकर्ता शामिल हुए। तिरंगा यात्रा में पलिया विधानसभा अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, प्रदीप कुमार उर्फ धर्मेंद्र मंडल अध्यक्ष संपूर्णानगर रहे। कार्यक्रम संयोजक धर्मेंद्र प्रताप सिंह, सहसंयोजक संजय गुप्ता, राजकिशोर गुप्ता, मां शारदा मंडल अध्यक्ष शशि शंकर शुक्ला, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष हर जियो सिंह आदि मौजूद रहे।

गोला गोकर्णनाथ। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैंपस कृषि महाविद्यालय जमुनाबाद में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत हर घर तिरंगा अभियान को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से अधिष्ठाता डॉ. अनिल कुमार सिंह के नेतृत्व में कृषि स्नातक के विद्यार्थियों ने हाथों में राष्ट्र ध्वज लेकर वंदे मातरम और भारत माता के जयकारों से माहौल देशभक्ति के रंग में रंग दिया। तिरंगा रैली कृषि महाविद्यालय के प्रशासनिक भवन से शारदा नहर के पुल तक निकाली गई और पुनः महाविद्यालय परिसर में संपन्न हुई। रैली में विद्यार्थियों के साथ प्राध्यापक, शिक्षक, कृषि वैज्ञानिक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पलिया में निकाली तिरंगा यात्रा। ● अमृत विचार

तिरंगा यात्रा में शामिल भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जुगुल किशोर व अन्य। ● अमृत विचार

तिरंगा बाइक रैली निकालते एसएसबी अधिकारी व जवान। ● अमृत विचार

गोला में तिरंगा रैली निकालते कृषि महाविद्यालय के छात्र। ● अमृत विचार

बाइक रैली में शामिल भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

एसएसबी जवानों ने निकाली तिरंगा बाइक रैली

महंगापुर, अमृत विचार : 39वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गदनिया पलिया से रैली का आरंभ वाहिनी मुख्यालय से कमांडेंट रवींद्र कुमार राजेश्वरी ने किया। रैली में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। भारत माता की जय, वंदे मातरम और हर घर तिरंगा गर्व हमारा से वातावरण गूंज उठा। बलकर्मियों एवं नागरिकों द्वारा मार्ग में आम जनता के घरों पर तिरंगा फहराया गया, जिससे पूरा क्षेत्र तिरंगे के रंग में सराबोर हो गया। यह रैली वाहिनी मुख्यालय से प्रारंभ होकर गुरुद्वारा नानक पियाऊं महंगापुर तक पहुंची, जहां देशभक्ति, एकता और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

भाजपा की आज निकलेगी तिरंगा यात्रा

लखीमपुर खीरी। हर घर तिरंगा अभियान के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह के आह्वान 13 अगस्त को 11 बजे से मौजी नसीरुद्दीन भवन परिसर से तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी रमेश चंद्र मिश्र ने दी है। तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें तैयारी को अंतिम रूप दिया गया।

वंदे मातरम के नारों से गूंजा मैगलगंज

मैगलगंज। शहीदों के सम्मान में तिरंगा यात्रा की शुरुआत सिद्धेश्वरी आश्रम से हुई, पूर्व राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता जुगुल किशोर और किसान मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोज वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा मुख्य चौराहे, लिधियाई मोड़, कोतवाली मैगलगंज, बाईपास और कस्बे के विभिन्न इलाकों से होते हुए निकली। रास्ते वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारों से माहौल देशभक्ति से सराबोर रहा। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा मंडल अध्यक्ष राममोहन गुप्ता व युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष हर्ष गुप्ता ने किया। रामकुमार गुप्ता, श्याम किशोर तिवारी 'पग्गू', चेयरमैन राजेंद्र मिश्रा, अरविंद मिश्रा 'गुड्डन', नरेंद्र मिश्रा, दिनेश चंद्र गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, शिवशंकर तिवारी, पवन सिंह, प्रधान संजीव मिश्रा, गोरक्षा दल के ब्लॉक अध्यक्ष समर गुप्ता 'लकी' रहे।

विधवा ने रिश्तेदारों पर लगाया पांच लाख हड़पने का आरोप

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचार: थाना संपूर्णानगर क्षेत्र के गांव बसही कॉलोनी निवासी विधवा ने रिश्तेदारों व परिचितों पर पति की मौत पर मिले पांच लाख रुपये हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी है।

गांव बसही कॉलोनी निवासी संजना देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पति सुनील गुप्ता की 4 अगस्त 2024 को मौत हो गई थी। कुछ रिश्तेदारों व परिचितों ने मिलकर कागजों में सड़क हादसा दिखाकर एक लाख रुपया सरकारी मुआवजा दिलवाया, जिसमें से 50 हजार रुपये उन्हें जबरन दिलाए और बाकी रकम हड़प ली। उसका कहना है कि इसके बाद उनके तीन अन्य रिश्तेदारों ने साजिश में भूमिका निभाई और मुआवजे की बाकी रकम दिलाने

● पीड़िता ने थाने में दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

का झांसा देकर उन्हें एचडीएफसी बैंक ले जाकर कागजों पर हस्ताक्षर कराए, जिसके बाद 27 मार्च 2025 को उनके खाते में आई मुआवजा राशि 5 लाख रुपये एक आरोपी ने अपने भाई के खाते में ट्रांसफर कर निकाल लिए। रुपये निकाले जाने की जानकारी उसे तब हुई जब वह बैंक गई। पीड़िता ने तहरीर में लिखा है कि पैसे की मांग करने पर आरोपी उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। और कहा कि अगर वह पुलिस में गई तो अंजाम बुरा होगा।

संजना देवी ने थाने में दी शिकायत में सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिली है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

नहर में उतराता मिला बेटे का शव

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला निवासी एक युवक का शव शारदा पोषित नहर से उतराता मिला। मृतक रविवार शाम से लापता था। इकलौते बेटे का शव देखकर परिजन बेहाल हैं।

मृतक शहबाज अली।

नगर के मोहल्ला राजेंद्र नगर की ए ब्लॉक कॉलोनी निवासी सीआरपीएफ के रिटायर्ड कमांडेंट इकरार अली के पुत्र शाहबाज (24) का शव मंगलवार को अलीगंज रोड शारदा पोषित नहर में जमुनाबाद फार्म के पास उतराता मिला। इकलौते बेटे का शव मिलने की जानकारी पर परिजनों का हाल बेहाल हो गया। वह मौके पर पहुंचे। शाहबाज 10 अगस्त की शाम को घर से

जमुनाबाद फार्म के पास बड़ी नहर पर लगी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

● दो दिन पूर्व सब्जी लेकर घर से निकला था शहबाज

सब्जी लेने निकला था और वापस नहीं आया। परिवार वालों ने काफी खोजबीन कर कहीं पता न लगने पर 11 अगस्त को उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

पुलिस की छानबीन में उसकी लोकेशन अंतिम बार बिजुआ के पास मिली। मोहल्ले में चर्चा है कि शहबाज घर वालों से नाराज होकर गया था, जिसने अपना मोबाइल और सुसाइट नोट भी छोड़ा है, लेकिन पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। बड़ी नहर में शव मिलने की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया। इकलौते पुत्र की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

नहा रही छात्रा का वीडियो बनाने का आरोपी गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: सदर कोतवाली क्षेत्र में एक मोहल्ले में थारू जनजाति की छात्रा किराए पर रहकर पढ़ाई कर रही है। आरोप है कि पड़ोस में रहने वाला आयुष निवासी कस्बा व थाना पदुआ कई दिनों से उसकी गतिविधियों पर नजर रखता था। बीते दिनों उसने बाथरूम में झांककर छात्रा का नहाते समय वीडियो बना लिया। पता चलते ही छात्रा ने परिजनों को बताया। परिजन छात्रा को लेकर कोतवाली पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शहर कोतवाल हेमंत राय ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर आईटी एक्ट व एससीएसटी एक्ट समेत सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपी का चालान भेजा गया है। मामले की जांच प्रशिक्षु आईपीएस सीओ सिटी विवेक तिवारी को सौंपी गई है।

डूब कर नहीं, गला दबाकर की गई थी अनूप की हत्या

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

● पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ खुलासा, पुलिस अब भी हादसा बताने में जुटी

अमृत विचार: थाना फूलबेहड़ के गांव जहानपुर गांव निवासी अनूप कुमार (22) की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सनसनीखेज खुलासा किया है। रिपोर्ट ने साफ कर दिया है कि उसकी मौत पानी में डूबने से नहीं, बल्कि गला दबाकर हुई थी। वारदात को दुर्घटना दिखाने के लिए हत्यारों ने शव को जुनई नाले में फेंक दिया था।

गांव जहानपुर निवासी अनूप कुमार रक्षाबंधन पर भज्जापुरवा मौसी के घर आया था। राखी बंधवाने और भोजन करने के बाद अनूप रात करीब 10 बजे बाइक से घर लौटा नहीं तो परिजनों ने रातभर तलाश की, लेकिन सुबह जुनई नाले में उसका शव बरामद हुआ। बाइक क्षतिग्रस्त मिली, एक चप्पल बाइक पर और दूसरी कुछ दूरी पर पड़ी थी। उस समय हर किसी को यह महज सड़क हादसा लगा। पुलिस ने भी हादसा बताते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया था।

परिजनों को न्याय की उम्मीद, चुप्पी साधे पुलिस

अब तक परिजनों ने किसी पर शक या आरोपित तहरीर नहीं दी है, लेकिन स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस सच दबा रही है। कॉल डिटेल और लोकेशन खंगाल ली जाए तो कातिलों के नाम सामने आ सकते हैं। सवाल है कि क्या पुलिस सच में हत्यारों तक पहुंचेगी या इस सनसनीखेज हत्याकांड को ठंडे बस्ते में डाल देगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने पूरा मामला ही पलट दिया। रिपोर्ट से खुलासा हुआ कि अनूप कुमार की गला दबाकर हत्या की गई थी। इसके बावजूद फूलबेहड़ इंस्पेक्टर अवधराज सिंह सेंगर का दावा है कि रिपोर्ट में हत्या का कोई जिक्र नहीं है। यह बयान पुलिस की मंशा और कार्रवाई पर सवाल खड़े करता है।

भ्रष्टाचार की खुली पोल, जमा हुई रिकवरी राशि

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचार: ब्लॉक की ग्राम पंचायत जमुका में शिकायत पर हुई जांच में भ्रष्टाचार की पोल खुलने के बाद तीन आवास की रिकवरी राशि शासन के खाते में जमा की गई, लेकिन शिकायतकर्ता शैलेंज्क कुमार सिर्फ रिकवरी धनराशि जमा होने से संतुष्ट नहीं हैं। उनका कहना है कि मानकों के साथ खिलवाड़ करने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

जमुका निवासी शैलेंद्र कुमार ने पंचायती राज समिति के सभापति से

● बीडीओ, सचिव और लेखाकार से की गई वसूली

गांव के विकास कार्यों में हुई धांधली की जांच कराने के लिए 12 सूत्रीय शपथ पत्र देकर गांव में मनरेगा, पंचायत निधि व आवासों आदि में हुए खेल की जांच करने की मांग की थी। जिला विकास अधिकारी गजेंद्र प्रताप सिंह की अगुवाई में अवर अभियंता जल निगम ग्रामीण अभय कुमार यादव व सहायक अभियंता संतोष कुमार वर्मा ने जांच रिपोर्ट समिति को भेजी थी। तीन सदस्यीय जांच टीम ने आवास सहित कई मामलों में अनियमितता मिलने की पुष्टि की थी।

सचिव सौरभ चौधरी के माध्यम से एक व सचिव कौशल किशोर के माध्यम से दो आवासों का आवंटन अपात्रों को किया गया था। जांच रिपोर्ट में अपात्रों को आवास दिए जाने, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी, व बाउंड्री वाल सहित विकास कार्यों में अनियमितता मिली। शिकायतकर्ता शैलेंद्र कुमार का कहना है कि ग्राम प्रधान से लेकर पटल लेखाकार, निरीक्षक व अन्य अधिकारी भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। शैलेंद्र का कहना है कि आवास के अतिरिक्त अन्य मामलों में भी कार्रवाई की जाए।

डीआईओएस ने 26 मेधावियों को किया सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: धर्मसभा इंटर कॉलेज में मंगलवार को हुए मेधावी सम्मान समारोह में डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा ने इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक वाले 26 छात्रों को सम्मानित किया। कॉलेज टॉपर प्रिंस कुमार को प्रधानाचार्य आलोक गोयल ने 1100 रुपये दिए। विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. पवन गर्ग ने छात्रों को शुद्ध और पेयजल मुहैया कराने के लिए वाटर चिलर दिया।

मेधावी छात्र को सम्मानित करते डीआईओएस विनोद कुमार मिश्रा।

कॉलेज का सभी स्टाफ मौजूद रहा। संचालन डॉ. कमल मौर्य ने किया।

चीनी मिल के अधिकारी के आवास से लाखों की चोरी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: बिजनौर जिले के गांव इनायतनगर निवासी वीरेंद्र सिंह बजाज चीनी मिल की खंभारखेड़ा इकाई में सहायक महाप्रबंधक इंजीनियर के पद पर हैं। उन्होंने ने बताया कि वह 3 अगस्त को अवकाश लेकर परिवार के साथ पैतृक गांव गए थे। 11 अगस्त की सुबह वह वापस आ रहे थे तभी पड़ोसी राजीव राय ने उन्हें सूचना दी कि आवास का ताला खुला लग रहा है। यह सुनकर उनके होश उड़ गए। उन्होंने कारखाना प्रबंधक को जानकारी दी। कारखाना प्रबंधक की सूचना पर सुरक्षा गार्ड मौके पर पहुंचे तो देखा कि ताला टूटा हुआ था। उन्होंने मौके पर पहुंचकर देखा तो मुख्य द्वार का कुंडा टूटा मिला। आवास में रखा सारा सामान बिखरा पड़ा था। अलमारियों के ताले टूटे थे। उनमें रखा कैश और जेवर आदि सामान गायब था। यह देख उनके होश उड़ गए।

उन्होंने बताया कि चोर अलमारी के लॉकर को तोड़कर उसमें रखी नगदी और पांच लाख रुपये से अधिक के पत्नी के जेवर आदि सामान चोरी कर ले गए हैं। उन्होंने घटना की तहरीर पुलिस को दी है। शहर कोतवाल हेमंत राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

7906732664, 8445507002

अनुभवी कंपाउंडर, आयुष्मान/TPA/MARG/COMPUTER अनुभवी महिला रिसेप्शनिस्ट/मेडिकल स्टोर हेतु, अनुभवी ओ. टी. टेक्नीशियन, अनुभवी पी.आर. ओ. तथा अनुभवी नर्स।

मिलें आज 3 बजे

आर. जी. हॉस्पिटल

अयूब खान चौपला रोड, बरेली

सूचना

मेरा पुत्र अब्दुल ताहिर शेख केन्द्रीय विद्यालय नं.-1 जी.आर.सी. बरेली में कक्षा-9 सी में अध्ययनरत है। मेरे पुत्र के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम अब्दुल मुक्तार शेख में त्रुटिवश अंकित हो गया है। जबकि आधार कार्ड व अन्य प्रमाण पत्र में मेरा नाम शेख अब्दुल मुक्तार अंकित है। उक्त सही नाम मेरे पुत्र के स्कूल दस्तावेजों में संशोधित किया जाये। शेख अब्दुल मुक्तार पुत्र श्री अब्दुल सत्तार शेख नि. 6 माउन्टन डिवीजन सिग्नल रेजीमेन्ट बरेली

आवश्यकता है

बाबा रामदास पी.जी. कॉलेज

भोलापुर, बरेली को निम्न विषयों में अतिरिक्त प्रवक्ताओं की आवश्यकता है।

Political Science, Home Science, Physics, Chemistry, Zoology, Botany

इच्छुक अभ्यर्थी महाविद्यालय कार्यालय में या email : principalbrdcbholapur@gmail.com पर Biodata भेजें।

आर.डी. गुप्ता-प्रबन्धक

मो. 6396249614

सूचना

मेरी माता जी सुमन देवी जो पॉलिसी नं. 03255971 की धारक थी। जिनकी मृत्यु दिनांक 11.06.2025 को हो चुकी है। जिसमें नोमिनी में मेरा नाम अनमोल मिश्रा दर्ज है। जबकि मेरा सही नाम अनुभव है। मुझे अनमोल मिश्रा व अनुभव दोनों नाम से जाना जाता है। यह दोनों नाम मेरे ही हैं। अनुभव पुत्र बुदपाल निवासी ग्राम इस्माईलपुर केशपुर जिला बरेली

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा का BSc. माइग्रेशन प्रमाण पत्र वर्ष 2016 अनुक्रमांक 7331021035 जोकि महात्मा ज्योतिबाद फुले रोहिलखण्ड यूनिवर्सिटी बरेली से जारी हुआ था वास्तव में कहीं खो गया है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिला है। राजेश पुत्र नत्थू सिंह निवासी श्याम नगर उरला जागीर बरेली।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम शफीना रिफाकत (Shafeena Rifaqat) के स्थान पर शफीना महफूज (Shafina Mahfooj) कर लिया है। भविष्य में मुझे शफीना महफूज (Shafina Mahfooj) के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। शफीना महफूज पुत्री श्री रिफाकत अली पत्नी श्री महफूज हुसैन निवासी 208/280, सहसवानी टोला, पुराना शहर, बरेली।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

महंगाई की मार

80 रुपये किलो पहुंच गई टमाटर की कीमत तो मिर्च बिक रही 200 रुपये किलो

एक सप्ताह में डेढ़ से दो गुना बढ़ गए सब्जियों के दाम

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: बारिश की वजह से अन्य प्रान्तों से आने वाली सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। साथ ही तोरई, लौकी, कद्दू, भिंडी आदि सब्जियों में 10 से 20 रुपये का उछाल आया है। सब्जियों में महंगाई केवल एक हफ्ते पहले से ही आई है। सब्जियों की खपत की अपेक्षा आवक कम होने के कारण भाव ऊंचाई की ओर जा रहे हैं।

आम आदमी की रसोई पर महंगाई की मार लगातार बढ़ती जा रही है। दैनिक जरूरत की अधिकांश सब्जियों की कीमतें बारिश के चलते बढ़ गई हैं। एक सप्ताह पहले तक 40 से 50 रुपए

मूड़ा बाजार में सब्जियों को लगाता दुकानदार। ● अमृत विचार

किलो बिक रहा टमाटर अब 80 से 100 रुपये किलो बिक रहा है। टमाटर की आसमान छूती कीमतों का सबसे बड़ा कारण पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश से फसल का खराब होना बताया जा रहा है। स्थानीय उत्पादन घटने से मंडी में अन्य प्रान्तों से आने वाले टमाटर की आपूर्ति की जा रही है। किराया भाड़ा और परिवहन लागत के चलते इसका सीधा असर फुटकर बाजार में दिख रहा है।

मंडी व्यापारियों के अनुसार सब्जियों की कीमतों में तत्काल राहत नहीं दिख रही है। अगस्त के अंतिम सप्ताह या सितंबर की शुरुआत में जब नासिक और अन्य क्षेत्रों की नई फसल बाजार में पहुंचेगी तभी कुछ गिरावट की उम्मीद की जा सकती है।

इधर अन्य सब्जियों की कीमतें भी बढ़ गई हैं। आलू जो कुछ समय पहले 15 रुपये किलो बिक रहा था अब 20 से 30 रुपये किलो बिक रहा है। फूलगोभी की कीमत 50 से बढ़कर 80 रुपये प्रति किलो पहुंच चुकी है। प्याज 15 से बढ़कर 30 रुपये किलो बिक रही है।

सब्जी विक्रेता जुबेर अली, प्यारेलाल मौर्य, प्रेम सागर, श्यामू श्रीवास्तव, दीपक प्रजापति, सुरेश मौर्य आदि ने बताया कि पहाड़ी क्षेत्रों में सब्जी की फसल को बारिश से काफी नुकसान हुआ है, जिससे स्थानीय आपूर्ति घट गई है। बाजार से आने वाली सब्जियों की लागत अधिक होने के चलते जनता को सब्जियों के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

फिलहाल कुछ ही सब्जियां हैं, जिनकी कीमतों में थोड़ी राहत है, लेकिन महंगाई का बोझ अब भी आम जनता की जेब पर बना हुआ है। उन्होंने बताया कि अगस्त अंतिम सप्ताह या सितंबर की शुरुआत में नई फसलों की आवक के बाद ही कीमतों में गिरावट देखने को मिलेगी।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

शिबू सोरेन को अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को रामगढ़ के निमरा पहुंचकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री स्व .शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की । उनके पुत्र व झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और परिवार से मुलाकात कर शोक संवेदना प्रकट की। इस मौके पर उन्होंने हेमंत सोरेन की मां रूपी सोरेन और उनकी पत्नी विधायक कल्पना सोरेन और परिवार के अन्य सदस्यों से भी भेंट की।

विदेश भाषा विवि के लखनऊ परिसर को दी जमीन

अमृत विचार, लखनऊ : अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के लखनऊ परिसर की स्थापना के लिए स्थायी परिसर निर्माण के लिए भूमि हस्तांतरित की गई। यह परिसर बी.ए. (ऑनर्स) अंग्रेजी, एम.ए. अंग्रेजी, एम.ए. भाषाविज्ञान, एम.ए. अंग्रेजी साहित्य, पीजीडीटीई और पीएच.डी. जैसे नियमित कार्यक्रमों के साथ-साथ फ्रेंच, जर्मन, रूसी और स्पेनिश भाषाओं के अंशकालिक पाठ्यक्रम भी संचालित करेगा। वर्तमान में विश्वविद्यालय अस्थायी रूप से आरटीटीसी कॉम्प्लेक्स, कानपुर रोड, लखनऊ में संचालित है। भूमि हस्तांतरण समारोह उच्च शिक्षा मंत्री के लखनऊ स्थित आवास पर आयोजित किया गया।

उर्वरकों की उपलब्धता ने बनाया रिकॉर्ड

अमृत विचार, लखनऊ : अन्नदाता किसान डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता में है। उर्वरक को लेकर कृषि विभाग ने विपक्षी दलों के आरोपों को झुठला दिया है। खरीफ सत्र-2025 में किसानों ने पिछले साल की तुलना में ज्यादा उर्वरक खरीद का रिकार्ड बनाया है। प्रदेश में 2017 में योगी सरकार बनने के बाद से ही किसानों के उत्थान व समृद्धि के लिए अनेक प्रयास शुरू हुए और उन्हें नित ऊंचाइयों पर भी पहुंचाया गया। इसका लाभ प्रदेश के हर किसानों को मिला।

67.50 लाख बुजुर्गों को मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के 61 लाख गरीब बुजुर्गों को वृद्धा पेंशन देने के अपने वादे को वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही पूरा कर लिया है। अब सरकार चालू वित्तीय वर्ष में 67 .50 लाख पात्र बुजुर्गों तक पेंशन की राशि पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इससे पहले बीते वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में ही योगी सरकार ने अपने लक्ष्य के अनुरूप 56 लाख गरीब बुजुर्गों के खाते में 1000 रुपये प्रतिमाह की दर से पेंशन की राशि देकर उनका आर्थिक सहायता कर चुकी है।

स्टोन क्रशर इकाइयां ने लगाया 61.30 लाख का चूना

613 स्टोन क्रशर इकाइयां बिना लाइसेंस चलाई गईं, लाभ पहुंचाने को डीएम और खनन विभाग ने की अनियमितताएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विधानमंडल के दोनोंसदनों में रखी गई लेखा महानियंत्रक की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

अमृत विचार: राज्य में बालू और पत्थर के खनन में पट्टों से लेकर भंडारण, परिवहन और प्रदूषण मानकों में ढेरों अनियमितताएं सामने आई हैं। भंडारण लाइसेंस के बगैर ही 613 स्टोन क्रशर इकाइयां चलती पाई गईं। चार पुलों के पास अवैध बालू खनन खतरनाक पाया गया तो, आबादी के पास ईंट-भट्ठों ने प्रदूषण नियमों की धज्जियां उड़ाई। खनन परमिट में क्षेत्रफल घटाकर कई डीएम व खनन अफसरों ने तमाम सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाया।

यह तथ्य विधानमंडल के दोनों सदनों में मंगलवार को रखी गई भारत सरकार के लेखा महानियंत्रक की वर्ष 2017-18 से 2021-22 की रिपोर्ट में सामने आया है।

हमीरपुर, जेपी नगर में जगह ही बदल गई

- 14 जिलों के 231 खनन परमिटों की जांच की गई तो जेपी नगर में दो बालू परमिट और हमीरपुर में दो खनन परमिट का गलत भू-निर्देशांक पाया गया। इसमें खनन अधिकारी की लापरवाही पाई गई। साथ ही कई जिलों में सीमा स्तंभों का अता-पता नहीं था।

राज्य के 18 जिलों में खनन और अवैध खनन की जांच की गई। बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, प्रयागराज, सहारनपुर और सोनभद्र में कुल 1035 क्रशर हैं। इनमें यूपीपीसीबी से एनओसी पाने वाले 708 क्रशर में सहारनपुर के 95 को छोड़ बाकी जिलों के 613 क्रशर बिना भंडारण लाइसेंस के चल रहे थे। इससे सरकार को 61.30 लाख रुपये शुल्क की हानि हुई। साथ ही, ऐसा करके अवैध खनन को प्रोत्साहन दिया गया।

निगरानी की कमी से 408.68 करोड़ फंसा

- कैग की जांच में पाया गया कि जिला खान अधिकारी से उच्चतर अधिकारियों द्वारा खानों के निरीक्षण के मानदंड तय नहीं किए गए। निगरानी की कमी के कारण वसूली प्रमाण पत्रों के माध्यम से 408 .68 करोड़ क राजस्व की वसूली लंबित है। वन विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्रों के अनुसार पट्टेधारकों द्वारा किये जाने वाले आवश्यक पौधरोपण की विभाग ने निगरानी नहीं की थी। सरकार से रिपोर्टिंग एवं निगरानी प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा शाखा एवं विभाग की अन्य शाखाओं को अपेक्षित मानव शक्ति प्रदान करने पर विचार करने को कहा गया। पर्यावरण और काम करने वाले मजदूरों के लिए भी अहम सिफारिश की गई।

कानपुर देहात के जिलाधिकारी ने घटा दिया अनुमानित बालू खनन क्षेत्र

- कानपुर देहात के बिलासपुर कछार में मार्च 2019 में अनुमानित 333810 घन मीटर बालू खनन क्षेत्र को जिलाधिकारी ने 110057 घन मीटर कर दिया। इससे सरकार को रायल्टी के रूप 5 .91 करोड़ प्रति वर्ष के भारी राजस्व का नुकसान हुआ। इसी प्रयागराज में सिलिका सैंड के खनन में गड़बड़ मिली। इसी तरह 217 पट्टों की पत्रावलियों की नमूना जाँच में 173 खनन पट्टा विलेखों में स्टाम्प शुल्क और पंजीकरण शुल्क की कम वसूली से 20 .96 करोड़ का सरकार को चूना लगा। इसी तरह 54 पट्टाधारकों से 3 .95 करोड़ का वित्तीय आश्वासन जमा नहीं किया। सतत बालू खनन प्रबंधन दिशा निर्देश, 2016 में पुलों से 200 से 500 मीटर के अंदर बालू खनन करने की सख्त मनाही थी, इसके बावजूद बांदा, चित्रकूट और कानपुर देहात में 4 स्थानों पर खनन पट्टे दिए गए और खनन हुए। कैग ने सरकार को जोखिम के मद्देनजर दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है।

घर-घर कूड़ा उठाने में लगाया चूना

अमृत विचार, लखनऊ: विधानमंडल में मंगलवार को रखे गए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में लखनऊ और गाजियाबाद शहर मं में डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के एवज में यूजर चार्ज वसूलने में मनमानी सामने आई है। नियमों को ताक पर रखकर घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से निगम ने यूजर चार्ज ही नहीं लिया। इससे दोनों नगर निगमों को 71.50 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इसी तरह लखनऊ व गाजियाबाद में यूजर चार्ज वसूलने वाली फर्मों को 4.06 करोड़ रुपये अधिक भुगतान किया गया। कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि लखनऊ में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए अप्रैल 2017 में उपविधि बनाई गई। इसमें घरों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने के लिए यूजर चार्ज तय किया गया।

कानून व्यवस्था के मुद्दे को विधान परिषद में तकरार

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और नेता विरोधी दल में बहस के बाद सपा ने किया सदन का बहिष्कार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विधान परिषद में विपक्षी दल सपा सदस्यों ने सदन का वॉकआउट किया। उन्होंने कानून व्यवस्था को मुद्दा बनाया, सपा नेता डॉ.मान सिंह यादव समेत नेता विरोधी लाल बिहारी यादव ने आरोप लगाए कि प्रदेश में कानून का राज समाप्त हो गया है, अपराध का डंका बज रहा है, भाजपा सरकार संरक्षण में अवैध कब्जे हो रहे हैं। जवाब में नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2017 में जब भाजपा सरकार में आयी है, प्रदेश की जनता ने राहत की सांस ली है, उसके पहले के दिनों को याद कर लोग कांप जाते हैं।

विधान परिषद में मंगलवार को सदन कार्यवाही के दौरान शून्य प्रहर में नियम 105 के तहत सपा के डॉ.मानसिंह यादव ने कहा कि जब से भाजपा सरकार में आयी है, उप्र. में हत्या, लूट, रंगदारी, दुष्कर्म, महिला उत्पीड़न, फर्जी मुकदमें व अवैध कब्जे आम बात हो गयी है। शहजहांपुर में थाना निगोही की पुलिस द्वारा पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा की पुत्रवधु रूचि वर्मा के मकान के सामने सहन पर जबरदस्ती पुरानी गाड़ियां खड़ी कर कब्जे का मामला उठाया, जिसमें एसडीएम द्वारा दो बार पट्टा करने के साक्ष्य भी दिए। आशुतोष सिन्हा, बलराम यादव, मुकुल यादव, समेत नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव ने भी सवाल की ग्राह्यता पर बोलते हुए कहा कि प्रदेश में रोजाना 10 मर्डर, नौ बलात्कार, और अन्य घटनाएं घट रहीं हैं, दलित अत्याचार व घरेलू हिंसा में प्रदेश नंबर वन बन चुका है। किरण पाल सिंह कश्यप ने हत्या, बलात्कार, शीलभंग, अपहरण एंव छेंड़खानी आदि मामलों का आकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि लखनऊ में सबसे ज्यादा घटनाएं महिलाओं के साथ घटित हुई हैं। जवाब में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश में अपराधी कितना भी बड़ा हो, प्रदेश में कार्रवाई जरूर होती है, भाजपा अपराधियों को राजनैतिक संरक्षण नहीं देती है।

2017 के पहले मुख्यमंत्री व विधायकों का ड्राइंगरूम अपराधियों से भरा रहता है। भाजपा सरकार की लोकप्रियता वजह से 2017 मे सपा की करारी हार हुई, 2019 में भी जीते, 2022 में ऐसा माहौल बनाया कि सबकुछ 2017 से पहले वाली स्थिति आ रही है, सारे अपराधी बाहर आ गए, मगर जनता ने योगी सरकार का समर्थन किया और प्रचंड बहुमत के साथ दोबारा सरकार बन गयी है। आगामी 2027 में 2022 जैसा ही होगा, भाजपा सरकार बनाएगी। अपराधियों को राजनीति में लाने वाले सपा है, सरंक्षण करते हैं। नेता सदन का बीच में ही टोकते हुए लाल बिहारी यादव ने कहा कि सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं, सवाल का जवाब नहीं रहे हैं, सदन को गुमराह कर रहे हैं, हम सदन का बहिर्गमन करते हैं।

विधानसभा परिसर में साथी विधायकों के चर्चा करते नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय। अमृत विचार

ये मुद्दे उठाए गए

- सदन में नियम 137(7) के तहत ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने सिद्धार्थ नगर में पंचायतों एवं परिषदों में सरकारी धन से प्रकाशित विज्ञापन में विधान परिषद सदस्य के फोटो न होने का मुद्दा उठाया, उन्होंने कहा कि शासनादेश में उल्लिखित हैं, बावजूद सम्मान नहीं मिलता है। बहस के दौरान विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को विधायक कहे जाए या न, चर्चा हुई। नियमानुसार परिषद सदस्यों के बाद विधायक बैठेंगे। सपा के मो. जासमीर अंसारी,किरण पाल कश्यप, नेता विरोधी दल लाल बिहारी यादव आदि ने विधानसभा में विधायकों की तरह परिषद सदस्यों की फोटो लगवाने की बात कहीं। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह मामले को सरकार को संदर्भित कर दिया।
- नियम 115 के अंतर्गत शिक्षक नेता ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने संस्कृत माध्यमिक विद्यालय एवं संस्कृत महाविद्यालय के एकल स्थानान्तरण का दंश झेल रहे शिक्षकों के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार का मुद्दा उठाया, उन्होंने कहा कि एकल स्थानान्तरण की सुविधा न होने के कारण शिक्षक व उनके परिवारों में भारी रोष व्याप्त है। तत्काल एकल स्थानान्तरण संबन्धी तत्काल आदेश जारी करने की मांग करते हुए चर्चा की मांग की, सभापति ने मामले को राज्य सरकार को संदर्शित कर दिया।
- कुंवर मानवेंद्र सिंह के सभापतित्व में मंगलवार को सदन की शुरूआत सपा के डॉ.मान सिंह यादव के सवाल से हुई, उन्होंने पूंछा कि कितने विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं और उनमे शिक्षकों के आरक्षण वार कितने पद रिक्त हैं, जवाब में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि प्रदेश में संचालित हो रहे पांच विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों का व्यौरा दिया, बताया कि चंद्र शेखर कृषि विश्वविद्यालय कानपुर में स्वीकृत 767 पदों में 456 रिक्त हैं, नरेद्र देव विश्वविद्यालय अयोध्या में 828 पदों में 434 रिक्त , बांदा कृषि विद्यालय में 189 पदों में 98 रिक्त हैं, सरदार वल्लभ भाई पटेल विश्वविद्यालय में 317 पदों में 125 और प्रयागराज के सैम हिग्गिनबॉटम में 133 में छह पद रिक्त हैं।

समाजवादी पहले माहौल बिगाड़ते हैं, फिर सदन नहीं चलने देते

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फतेहपुर की घटना पर सपा विधायकों के हंगामे पर बरसे मंत्री
- संसदीय कार्यमंत्री, आबकारी मंत्री व परिवहन मंत्री ने सपा नेताओं को घेरा

अमृत विचार: फतेहपुर की घटना को लेकर सपा विधायकों के सदन में हंगामा पर संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल और परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने विपक्ष पर जानबूझकर अराजकता फैलाने और राजनीतिक लाभ लेने के आरोप लगाए। विधानसभा का छोटा सत्र फतेहपुर की घटना को लेकर लगातार दूसरे दिन हंगामे की भेंट चढ़ गया। सरकार ने सदन में स्पष्ट किया कि घटना पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है, दोषियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी, फिर भी विपक्ष ने सदन नहीं चलने दिया।

जीरो टॉलरेंस की सरकार, दोषी बचेंगे नहीं- नितिन अग्रवाल

- आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि संसदीय कार्यमंत्री ने नेता प्रतिपक्ष के सवाल का स्पष्ट जवाब दे दिया है। सरकार की नजर मामले पर है, सभी दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। जांच जारी है कार्रवाई होगी।

कानून सम्मत तरीके से होगी कार्रवाई : खन्ना

- वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष ने फतेहपुर की घटना उठाई, जिस पर उन्होंने उसी वक्त विस्तृत जवाब दिया। क्राइम नंबर 319 के तहत एफआईआर दर्ज है। 10 नामजद और 150 अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जिन धाराओं में केस हुआ है, वह गंभीर हैं और विवेचना के बाद दोषियों को सजा मिलेगी। पप्पू चौहान का नाम सामने आया है, जिन्हें समाजवादी पार्टी से निकाला गया है। यही इनका तरीका है कि पहले घटना में शामिल होना, फिर सड़क और सदन में माहौल बिगाड़ना। उन्होंने कहा कि छोटा सत्र ऐतिहासिक कार्यों के लिए था, लेकिन विपक्ष ने दोनों दिन सत्र नहीं चलने दिया।

दयाशंकर बोले – विपक्ष मुद्दाविहीन

- परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने कहा कि विपक्ष ने जिस मुद्दे पर हंगामा किया, उस पर पहले से ही मुकदमा दर्ज है और कार्रवाई चल रही है। विपक्ष के पास न कोई मुद्दा है, न विजन। ये लोग गुंडागर्दी के आधार पर चुनाव लड़ते और सरकार चलाते हैं, इसलिए लोकतंत्र पर इनका भरोसा नहीं है। फतेहपुर मामले में चाहे दोषी सपा कार्यकर्ता हो या कोई और, कार्रवाई तय है।

लोक सेवा आयोग की भर्ती परीक्षा होगी फुलप्रूफ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उप्र. निजी विवि(द्वितीय संशोधन) विधेयक पेश

अमृत विचार : राज्य सरकार ने मंगलवार को विधानसभा में उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक पेश कर दिया है। इसके तहत लोकसेवा आयोग की भर्ती परीक्षाओं को और भी फूलप्रूफ बनाने के लिए चार सेटों में प्रश्नपत्र बनवाए जाएंगे। अभी तक तीन सेटों में इसे तैयार किया जा रहा है।

साथ ही अलग-अलग रंग के लिफाफे में गोपनीय कोड के साथ प्रश्नपत्रों को परीक्षा केंद्रों पर भेजा जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक -2025 बनवाया जाएगा।

विधान सभा व विधान परिषद में रख दिया गया। अधिनियम -1985 की धारा 10 की उपधाराओं एक, तीन, चार व पांच में संशोधन किया गया है। उपधारा एक में अभी तीन सेटों में प्रश्नपत्र तैयार किए जाने की व्यवस्था है।

उपधारा-तीन में पेपर सेट करने वाले विशेषज्ञों से प्राप्त प्रश्नपत्रों को मुहरबंद लिफाफे में उनसे रसीद लेकर दिए जाने की व्यवस्था है। इसे बदलते हुए अलग-अलग स्थान के पेपर सेट करने वालों से चार सेटों में

झलकियां

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने मंगलवार को सपा विधायक डॉ. पल्लवी पटेल को सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाने के लिए न केवल सख्ती से टोका बल्कि तुरंत डिलीट करने की भी हिदायत दी। यह भी कहा कि सदन की कार्यवाही का कोई वीडियो सोशल मीडिया या अन्य किसी मंच पर अपलोड किया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।
- शिक्षामित्रों के मानदेय और शिक्षकों की सैलरी पर सपा के एक विधायक ने बात करते-करते ऐसा एक किस्सा सुनाया कि सदन में मौजूद सदस्य हंसी न रोक सके। सपा विधायक ने बताया सुनाया कि किस तरह एक शिक्षामित्र को मानदेय बढ़ने संबधी आश्वासन अपनी पत्नी को देने पर जब परिणाम नहीं निकला तो उसकी पत्नी छोड कर चली गई।
- जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने सदन में जल जीवन मिशन को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए सपा विधायकों को चुनौती देते हुए यह कह गए कि, अपनी-अपनी बीवी की कसम खाकर बताएं कि आपके गांव में पानी आता है या नहीं। इसके बाद सपा सदस्यों ने जमकर हंगामा किया। कहा कि स्वतंत्र देव सिंह की भाषा सदन की गरिमा को गिरा रही है।

छह विधेयक बगैर चर्चा के पास

राज्य ब्ययूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विधानसभा में मानसून सत्र के दूसरे दिन भी विपक्ष हंगामा काटता रहा। इस बीच अव्यवस्थित सदन में छह विधेयक मंगलवार को विधानसभा में बगैर चर्चा के ही पास कराए गए। उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 तथा उत्तर प्रदेश लोक अभिलेख विधेयक-2025 को मंगलवार को विधानसभा में पेश किया गया। अनुपूरक एजेंडा लाकर इन्हें पारित भी करा लिया गया।

जीएसटी (संशोधन) विधेयक के पास हो जाने से जीएसटी मामलों में करदाता अब रोपित अर्थदंड का 10 प्रतिशत धनराशि जमा कर अपील कर सकेंगे। उक्त दो विधेयकों के साथ ही उप्र. निरसन विधेयक-2025, उप्र. निजी विवि (संशोधन) विधेयक-2025, उत्तर प्रदेश निजी विवि (द्वितीय संशोधन) विधेयक-2025 भी विधानसभा से पास कराए गए। दरसअल, उप्र. माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक-2025 में जीएसटी मामलों में धारा 129 के तहत अर्थदंड के प्रकरणों में प्रथम व अधिकरण के समक्ष अपील किए जाने से पहले जमा की जाने वाली धनराशि की सीमा अर्थदंड के 25 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत किए जाने का प्रविधान है।

अभिलेखागार सलाहकार बोर्ड का गठन होगा

- उत्तर प्रदेश लोक अभिलेख विधेयक-2025 में ऐतिहासिक व प्राचीन अभिलेखों को संरक्षित करने से संबंधित है। अब लोक अभिलेखों का उत्तर प्रदेश सरकार की स्वीकृति के बिना राज्य के बाहर नहीं ले जाया जा सकेगा। 100वर्ष से पुराने अभिलेख नष्ट नहीं किए जा सकेंगे। अभिलेखागार सलाहकार बोर्ड का गठन किया जाएगा।

फतेहपुर प्रकरण में सख्त कदम उठाए सरकार: मायावती

- **अमृत विचार, लखनऊ :** बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि राज्य सरकार फतेहपुर प्रकरण में सख्त कदम उठाये। उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी व्यक्ति को साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले कदम न उठाने दे। सोशल मीडिया 'एक्स' के जरिये उन्होंने कहा कि फतेहपुर में मकबरा व मंदिर होने को लेकर चल रहे विवाद व बवाल को सरकार गंभीरता से ले और जरूरत पड़ने पर सख्त कदम भी उठाए।

भाजपा के दबाव में फतेहपुर पुलिस प्रशासन: अजय

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने आरोप लगाते हुए कहा कि फतेहपुर में मकबरे में तोड़फोड़ की घटना पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन भाजपा के दबाव में कार्य कर रहा है।उन्होंने कहा कि फतेहपुर में मकबरे पर तोड़फोड़ के बाद तनाव फैल गया है। हिंदू संगठनों के जरिये मकबरे को मंदिर बताकर पूजा-अर्चना की कोशिश की गई, इसके बाद स्थिति बिगड़ी।

फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी बोर्ड के 25 हाईस्कूल व 49 इंटरमीडिएट की मार्कशीट बरामद

अमृत विचार: एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट बनाने वाले गिरोह का खुलासा कर मंगलवार को सरगना समेत तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से यूपी बोर्ड हाईस्कूल की 25, इंटरमीडिएट की 49, प्रदेश राज्य मुक्त विद्यालय की एक मार्कशीट के अलावा कार, कंप्यूटर सिस्टम, हार्डडिस्क, प्रिंटर बरामद किए गए हैं।

एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि पांडव नगर सिविल लाइन मेरठ निवासी जितेंद्र, जागृति विहार के शिवकुमार और जेल चुंगी के निखिल सिंह को पकड़ा गया है। तीनों गंगानगर में एक मकान में फर्जी मार्कशीट बनाते थे। आरोपियों ने पूछताछ में कुबूल किया कि मार्कशीट के एवज में 10-15 हजार रुपये वसूलते थे। फर्जी टीसी के 3 हजार रुपये लेते थे। आधा हिस्सा लखनऊ में बैठे गिरोह के एक सदस्य को जाता था। 10 वर्षों से सक्रिय गिरोह मार्कशीट में नंबर भी बढ़ाता था। आरोपियों के खिलाफ मेरठ के गंगानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

व्यवस्था कैबिनेट की मंजूरी के बाद नीति का विस्तृत ड्राफ्ट हुआ जारी, लीज-ई-ऑक्शन के माध्यम से होगा औद्योगिक भूखंडों का आवंटन

वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी लक्ष्य को रफ्तार देगी नई औद्योगिक नीति

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: नई औद्योगिक आस्थान प्रबंधन नीति अब वर्ष 2027 तक वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य को रफ्तार दे सकेगी। कैबिनेट की मंजूरी के बाद राज्य सरकार की ओर से नीति का विस्तृत ड्राफ्ट जारी किया गया है। इसके तहत लीज व ई-ऑक्शन के माध्यम से औद्योगिक भूखंडों का आवंटन होगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए क्षेत्रवार आरक्षित कीमत तय होगी। कुल भूखंड-शेड का 10 प्रतिशत एससी-एसटी वर्ग के उद्यमियों को आवंटित होगा।

नई नीति के तहत औद्योगिक आस्थानों में उपलब्ध भूमि, शेड और भूखंडों का आवंटन लीज-रेंट पर नीलामी या ई-ऑक्शन के जरिए किया जाएगा। लीज-रेंट की अवधि आयुक्त एवं निदेशक उद्योग के जरिये तय की जाएगी। नीलामी पोर्टल का चयन भी आयुक्त एवं निदेशक के अधिकार क्षेत्र में होगा। इसके माध्यम से 20 प्रतिशत तक क्षेत्र का उपयोग व्यवसायिक, सेवा व आवासीय कार्यों के लिए किया जा सकेगा।

क्षेत्रवार रिजर्व प्राइस तय

- प्रदेश की भौगोलिक विविधता को ध्यान में रखते हुए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए औद्योगिक भूखंडों की रिजर्व प्राइस तय की गई है। इसके अंतर्गत मध्यांचल में 2,500 प्रति वर्ग मीटर, पश्चिमांचल में 20 प्रतिशत अधिक 3,000 प्रति वर्ग मीटर, बुंदेलखंड व पूर्वांचल में 20 प्रतिशत कम 2,000 प्रति वर्ग मीटर प्राइस निर्धारित किया गया है। इन दरों में हर साल 1 अप्रैल को 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि होगी। अगर किसी औद्योगिक आस्थान में एंकर इकाई स्थापित होने से एमएसएमई इकाइयों में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है, तो शासन विशेष दर पर भूखंड आवंटन का निर्णय ले सकेगा।

10 प्रतिशत एससी-एसटी को आरक्षण

- नीति के तहत आरक्षण की भी व्यवस्था की गई है। कुल भूखंड-शेड का 10 प्रतिशत एससी-एसटी वर्ग के उद्यमियों को आवंटित होगा। अगर कोई योग्य आवेदक न मिले, तो भूखंड अन्य वर्ग को दिया जा सकेगा ताकि विकास में रुकावट न आए।

भुगतान की लचीली व्यवस्था

- ई-ऑक्शन में सफल बोलीदाता को आरक्षित मूल्य का 10 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी देना होगा। उद्यमी शेष राशि एकमुश्त एक वर्ष या तीन वर्ष में चुका सकेंगे। तत्काल भुगतान पर उन्हें 2 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसी तरह किस्त योजना में 12 या 36 समान मासिक किस्तें देय होंगी, जबकि विलंब पर दंड के रूप में अतिरिक्त ब्याज लगाया जाएगा।

यूपी दूसरी सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था

- उत्तर प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में तेजी से वृद्धि हो रही है जो 5 .5 प्रतिशत से बढ़कर 8 .9 प्रतिशत हो गई है। इस वृद्धि के साथ उत्तर प्रदेश देश में दूसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य बन गया है। तमिलनाडु 11 .19 प्रतिशत जीएसडीपी दर के साथ पहले स्थान पर है। भारत सरकार की सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने यह रिपोर्ट जारी की है। इसे मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी ने मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करके साझा भी किया है। लिखा है कि प्रदेश की सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में तेज वृद्धि हो रही है। राज्य की जीएसडीपी (अर्थव्यवस्था) 5 .5 प्रतिशत से आगे निकलते हुए अब 8 .9 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ रही है। इस उछाल के साथ ही उत्तर प्रदेश देश में दूसरा सबसे तेजी से बढ़ने वाला राज्य बन गया है। पहले नंबर तमिलनाडु है, जिसकी जीएसडीपी दर इस समय 11 .19 प्रतिशत है। रिपोर्ट के अनुसार छोटे राज्यों में अरुणाचल और मेघालय की जीएसडीपी दर 9 .66 प्रतिशत दर्ज की गई है। गुजरात, गोवा, लद्दाख, सिक्किम, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड के आंकड़े शामिल नहीं किए गए हैं। अवस्थी ने लिखा है कि यह नया उत्तर प्रदेश है, जो पूरी गति से से आगे बढ़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

प्रो. सुमित्रा तेजपुर केंद्रीय विवि में विजिटर्स नामित

बरेली, अमृत विचार : रुहेलखंड विश्वविद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. सुमित्रा कुकरेती को राष्ट्रपति ने तीन साल के लिए तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (कार्य परिषद) में नॉमिनी के रूप में नामित किया है। तेजपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने इस संबंध में पत्र जारी किया है।

दो साल की बच्ची पर कुत्ते ने किया हमला

बरेली, अमृत विचार : शहर से लेकर देहात तक आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ गया है। आवारा कुत्ते आए दिन लोगों पर हमला करके घायल कर रहे हैं। फरीदपुर क्षेत्र में सोमवार की रात दो साल की सोती बच्ची पर कुत्ते ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। बच्ची को उपचार के लिए फरीदपुर सीएचसी में भर्ती कराया गया, लेकिन वहां से डॉक्टरों ने मंगलवार की सुबह उसे जिला अस्पताल में रेफर कर दिया।

कांग्रेस कार्यालय विवाद में जांच के लिए पहुंची हाईकमान की टीम

टीम ने की पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में नेताओं के साथ बंद कमरे में लंबी चर्चा

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

जांच के लिए पहुंची हाईकमान की टीम। ● अमृत विचार

● जिला कार्यालय पर कब्जे की कोशिश नाकाम करने का संकल्प, कानूनी लड़ाई का ऐलान

अमृत विचार : जिला कांग्रेस के गुरहट्टी कार्यालय विवाद को लेकर दिल्ली हाईकमान की ओर से भेजी गई जांच टीम मंगलवार को मुरादाबाद पहुंची। टीम ने पहले पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में जिला व महानगर अध्यक्षों के साथ-साथ केस की पैरवी कर रहे वरिष्ठ नेताओं से विस्तृत बातचीत की। इसके बाद टीम ने पूर्व जिला और महानगर अध्यक्षों से भी अलग से मुलाकात कर घटनाक्रम की जानकारी जुटाई।

गुजरात से विशेष तौर पर भेजे गए पार्टी के विधि सलाहकार निमेष उर्फ लाला पटेल ने स्थानीय अधिवक्ताओं से कानूनी पहलुओं पर चर्चा की। गेस्ट हाउस में जिले भर के नेताओं का जमावड़ा देखने को मिला। बाद में सभी नेता पैदल ही गुरहट्टी कार्यालय पहुंचे और भवन का जायजा लिया। जिसके बाद पत्रकारों से बातचीत में हाईकमान टीम ने आरोप लगाया कि विवाद के पीछे पुलिस और प्रशासन की मिलीभगत है। नेताओं ने कहा कि कार्यालय में तोड़फोड़ और लूट की बार-बार की गई लिखित शिकायतों पर कार्रवाई न होना और एफआईआर दर्ज न करना, आरोपों को स्वतः ही साबित करता है। सभी नेताओं ने एक स्वर में घोषणा की कि किसी भी कीमत पर जिला कार्यालय पर कब्जे की कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी। इसके लिए राजनीतिक और कानूनी लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ी जाएगी।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी की जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता, बरेली: किशोरी से दुष्कर्म, सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो और फोटो वायरल करने के आरोपी थाना देवरनिया क्षेत्र निवासी अलीम की जमानत अर्जी स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट देवाशीष ने खारिज कर दी।

सरकारी वकील राजीव तिवारी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना देवरनिया में तहरीर देकर बताया था कि आरोपी ने 16 वर्षीय पुत्री के साथ दुष्कर्म कर वीडियो बनाई और विरोध करने पर वायरल कर दी। पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि वह 10वीं कक्षा की छात्रा है। उसकी चाची का अलीम के साथ नाजायज संबंध है। दिसम्बर 2024 में उसने उन दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया था। पुलिस ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट की संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की थी।

सांसद बर्क पर 1.35 लाख जुर्माना अवैध निर्माण तोड़ने का आदेश

कार्यालय संवाददाता, संभल

जियाउर्रहमान बर्क, सांसद संभल।

अमृत विचार: संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमन बर्क द्वारा मानचित्र स्वीकृत कराये बिना मकान निर्माण मामले में एक लाख 35 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के साथ ही संशोधित मानचित्र के अनुसार भवन के कुछ हिस्सों को 30 दिन में तोड़ने का आदेश जारी किया है। न तोड़ने पर पूरे निर्माण को अवैध मानकर ध्वस्त करने की चेतावनी दी।

सांसद जियाउर्रहमान द्वारा दीपा सराय में बिना नक्शा पास कराए मकान के निर्माण के मामले में 5 दिसंबर 2024 को विनियमित क्षेत्र प्रधिकारी द्वारा नोटिस जारी किया गया था। सांसद की तरफ से जवाब दिया गया कि पुश्तैनी मकान में निर्माण किया गया है। मकान उनके दादा डा. शफीकुर्रहमान बर्क का था जो उनके इंतकाल के बाद उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क का हो गया है। नियत प्राधिकारी ने नगर पालिका से रिकार्ड मंगाया तो मकान सांसद जियाउर्रहमान बर्क के नाम पर मिला। 2 अगस्त को सांसद जियाउर्रहमान बर्क व उनके पिता ममलूकुर्रहमान बर्क की ओर से नियत प्राधिकारी के न्यायालय में संशोधित मानचित्र दाखिल किया गया।

कार्यालय जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर

पत्रांक: 1462/निविदा सूचना/2025-26 दिनांक: 12.08.2025

निविदा सूचना

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर द्वारा संचालित मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना के अन्तर्गत शासन द्वारा स्वीकृत इण्टरलॉकिंग सड़क/सी.सी. मार्ग व नाली निर्माण आदि कार्यो से सम्बन्धित 05 निर्माण कार्यो के लिए चतुर्थवार दिनांक 13.08.2025 से दिनांक 20.08.2025 तक समय सायं 05:00 बजे तक सामान्य निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदाओं का विवरण एवं निविद संबंधी नियम एवं शर्तें डूडा कार्यालय पर उपलब्ध हैं। उक्त निविदाएं निर्धारित समयान्तर्गत जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में निर्धारित शुल्क जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। तदोपरान्त प्राप्त निविदाओं की बिड दिनांक 21.08.2025 को समय अपरान्ह 02:00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जायेंगी। अगर किसी कारणवश कोई अवकाश पड़ जाता है। या कार्यालय बन्द होता है तो अगले कार्यदिवस में उसी समय निविदायें खोली जायेंगी।

परियोजना अधिकारी
जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा)
शाहजहांपुर

इंटरसिटी में नशे में धुत टीटीई का हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : इंटरसिटी एक्सप्रेस में मंगलवार को ड्यूटी कर रहे टीटीई (ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर) के खिलाफ शराब के नशे में यात्रियों से अभद्र व्यवहार और मारपीट करने की शिकायत दर्ज हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टीटीई नशे की हालत में कोच में घूमता रहा और यात्रियों से अपशब्द कहने के साथ धक्का-मुक्की भी की। घटना की जानकारी ट्रेन में मौजूद अन्य कर्मचारियों ने कंट्रोल ऑफिस को दी। इसके बाद मामले की रिपोर्ट वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक (सीनियर डीसीएम) तक पहुंची। सीनियर डीसीएम ने तुरंत मामले की जांच के आदेश दिए और संबंधित टीटीई से स्पष्टीकरण मांगा है। जांच पूरी होने तक आरोपी को ड्यूटी से हटाए जाने की संभावना है।

इसी बीच, संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में एक अन्य टीटीई के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला भी सामने आया है। आरोप है कि बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्रियों से जुर्माना वसूलने के बजाय टीटीई ने नकद रिश्वत लेकर उन्हें यात्रा जारी रखने की अनुमति दे दी।

सीनियर छात्रों को जूनियर के साथ मिलकर रहना होगा

● रुविवि में एंटी रैगिंग डे पर आयोजित कार्यक्रम में बोले डीएसडब्ल्यू

बरेली, अमृत विचार: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में मंगलवार को एंटी रैगिंग दिवस आयोजित किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए एंटी रैगिंग विषय पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई। डॉ. तरुण राष्ट्रीय ने एंटी रैगिंग विषय पर एक प्रेजेंटेशन दिया। इसके बाद वक्ताओं ने एंटी रैगिंग के विषय में विस्तृत जानकारी दी। डीएसडब्ल्यू प्रो. पीवी सिंह ने बताया कि सीनियर छात्रों को अपने जूनियर छात्रों के बीच में किस प्रकार से एक दूसरे से समन्वय बनाकर रहना है। उन्होंने कहा है कि यूजीसी के एंटी रैगिंग के विषय में बनाए गए विभिन्न नियमों और कानून का सभी छात्र-छात्राओं को पालन करना होगा। चीफ प्रॉक्टर प्रो. रविंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं को बताया कि एंटी रैगिंग डे की आज से शुरुआत हो रही है और इसके कार्यक्रम 12 से 18 अगस्त तक एंटी रैगिंग के सप्ताह रूप में मनाया जाएंगे। इसके अंतर्गत छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए पोस्टर और लोगो प्रतियोगिता, छात्रावासों और सभी विभागों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिक्षा विभाग की संकाय अध्यक्ष प्रो. संतोष अरोड़ा ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में एक दूसरे से किस प्रकार से व्यवहार करना है और नियमों का पालन करते हुए एक दूसरे के साथ रहना है और अपनी पढ़ाई पर फोकस करना है। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी ने छात्र-छात्राओं को एंटी रैगिंग प्रतिज्ञा दिलाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रिया सक्सेना और धन्यवाद डॉ. रामबाबू सिंह ने किया। प्रो. यतेंद्र कुमार, प्रो. सुधीर वर्मा, डॉ. प्रेमपाल सिंह, डॉ. पवन सिंह, डॉ. अतुल कटियार, डॉ. सौरभ वर्मा, डॉ. एमएल गंगवार आदि उपस्थित रहे।

आपसी सम्मान बनाएं, रैगिंग है अमानवीय

बरेली, अमृत विचार : बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने एंटी रैगिंग के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर मंगलवार को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। प्राचार्य डॉ. शरद सेठ ने मेडिकल छात्रों को रैगिंग जैसे अमानवीय कृत्यों से दूर रहने और आपसी सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. अभिनव श्रीवास्तव ने छात्रों से कॉलेज की गरिमा और अनुशासन का पालन करने का आह्वान किया। एंटी रैगिंग समिति की अध्यक्ष डॉ. शालिनी चन्द्रा ने समिति की कार्यप्रणाली और शिकायत निवारण की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। समिति के मुख्य सचिव डॉ. प्रीति लता राय ने भी छात्रों को रैगिंग के कानूनी और नैतिक पहलुओं के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम में मुख्य संयोजक डॉ. मेधावी अग्रवाल ने छात्रों को सुरक्षित, सहयोगी और सकारात्मक वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर एंटी रैगिंग विषय पर आधारित वीडियो और पोस्टर प्रदर्शित किए गए, जिन्हें उपस्थित सभी छात्रों और फैकल्टी सदस्यों ने सराहा।

सेक्शन—1

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।

पता :— निकट डी0एम0 कम्पाउन्ड, स्टेशन रोड, बरेली।

ई—प्रक्योरमेन्ट सूचना

पत्रांक:— 590/ग्रा0अ0वि0/निविदा—पत्रा0 बदायूँ/ई—निविदा/2025—26/ दिनांक:— 31.07.2025

1. महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल—बरेली के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उत्तर प्रदेश में ए एवं बी श्रेणी भवन में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई—टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्यों हेतु निविदा आमंत्रित की जाती हैं। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वांटिटी की अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित हैं। जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता निम्न कार्यों के लिए निविदा डाल सकता है। निविदादाता से अपेक्षा की जाती है कि निविदा डालने से पूर्व निविदा प्रपत्र में अंकित एस0बी0डी0 के अन्तर्गत न्यूनतम अर्हता के सम्बन्ध में शर्तों का भलिभाँति अध्यन कर लें।
2. कार्यों से सम्बन्धित विवरण निम्नवत् है :—

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कुल अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 रहित	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र मूल्य + स्टेशनरी + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8
1	बदायूँ	जनपद—बदायूँ के विकास खण्ड—उसावां में सभागार का निर्माण कार्य।	125.17	2.51	2714.00	06 माह	श्रेणी—ए एवं बी (भवन)

3. वेबसाइट पर निविदा प्रकाशित होने की तिथि :— 14.08.2025
4. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि एवं समय :— 14.08.2025
5. प्रीबिड मीटिंग की तिथि एवं समय :— 18.08.2025 समय अपराह्न 12:00 बजे
   बैठक हेतु स्थल :— कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल बरेली।
6. बिड डाक्यूमेन्ट डाउनलोड प्रारम्भ करने की तिथि एवं समय :— 22.08.2025, प्रातः 10:00 बजे
7. ई—निविदा के माध्यम से ई—निविदा डालने की प्रारम्भ तिथि :— 22.08.2025, प्रातः 10:00 बजे
8. ई—निविदा के माध्यम से ई—निविदा डालने की अन्तिम तिथि एवं समय :— 15.09.2025, सांयः 04:00 बजे तक
9. ई—निविदा के माध्यम से प्राप्त निविदा निविदा खोलने की तिथि एवं समय :— 15.09.2025, सांयः 04:30 बजे
10. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
11. ई—निविदा ऑनलाईन बेवसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी एवं इसी साइट पर डाली जाएगी।
12. निविदा आमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के क्लॉज—10 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी सम्भावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई—निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

UP-236833 दिनांक 11.08.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(राजेश कुमार) अधीक्षण अभियन्ता,
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, परिमण्डल—बरेली।

गुमशुदा की तलाश

श्री सुरेश यादव पुत्र श्री राम हिकत निवासी आदमपुर नादिर अली थाना संदीपनघाट कौशाम्बी उ.प्र का निवासी है। उक्त व्यक्ति थाना पलिया क्षेत्र स्थित शारदा पुल पर कार्य कर रहा था जो कि दिनांक 18.05.2025 से गायब है। **हुलिया :- रंग गेहुआ कद:- 5.5 फिट लगभग पहनावा:- कुर्ता पजामा। पता बताने वालो को उचित इनाम दिया जायेगा। अतर सिंह(शिकायतकर्ता) नि. कौशाम्बी मो. 9935678904**

उ.नि. शैलेन्द्र कुमार (विवेचक) पंकज त्रिपाठी (थानाध्यक्ष)
कोतवाली पलिया मो. 8081679431 कोतवाली पलिया खीरी मो. 9454403791

पांच साल से फरार गैंगस्टर तमंचे के साथ गिरफ्तार

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना पुलिस ने जमानत पर छूटने के बाद पांच साल से फरार चल रहे गैंगस्टर संजयनगर होली चौराहा निवासी राहुल सोनकर को तमंचे के साथ गिरफ्तार किया है। बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि राहुल सोनकर पर 2016 में फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने लूट के प्रकरण में गैंगस्टर की कार्रवाई की थी। जमानत होने के बाद वह फरार हो गया था। राहुल अपने पते पर नहीं रह रहा था, इसलिए अदालत से जारी गैरजमानती वारंट का तामीला नहीं हो पा रहा था। अदालत ने बारादरी पुलिस से नाराजगी जाहिर की थी। एसएसपी अनुराग आर्य को भी पत्र लिखा था। एसएसपी ने मामले को गंभीरात से लेते हुए सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम गठित कर राहुल की गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। जिस पर पुलिस ने हास मियां की मजार के पास से सोमवार को राहुल को गिरफ्तार कर लिया। राहुल के खिलाफ आर्म्स एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया गया। जगतपुर चौकी इंचार्ज सन्नी चौधरी ने बताया कि राहुल जमानत पर छूटने के बाद दूसरे राज्यों और जिलों में रहकर मजदूरी करने लगा। वह परिजनों से हालचाल लेता रहता था।

हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड

HINDUJA HOUSING FINANCE

कॉर्पोरेट कार्यालयः नं. 167-169, द्वितीय तल, अन्ना सलाई, सैदापेट, चेन्नई-600015,
ईमेलः auction@hindujahousingfinance.com,
शाखाः प्रथम तल, एसआरपी कॉम्प्लेक्स, करम चारी नगर, बरेली-243001

आरएलएम—ब्रजेश अवस्थी—9918301885, आरआरएम— हरिश चंद यादव, 7060411785
सीएलएम — शान्तनु प्रताप सिंह—9918837339, सीआरएम—दीपक कुमार शर्मा — 9359650607

सांकेतिक कब्जा सूचना

जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियो के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रति भूति हित अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, का प्राधिकृत अधिकारी होने तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 (2002 का नं. 3) के नियम के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत शक्तियो के अंतर्गत निम्नलिखित कर्जदारों (तदोपरान्त कर्जदार एवं गारंटरों को संयुक्त रूप से ''कर्जदार'' कहा गया है) को निम्नांकित दिनांको को मांग नोटिस जारी किया था जिसमें उल्लेखित राशि प्रत्येक खाते के आगे वर्णित है उक्त सूचना की तिथि से 60 दिनों के अंदर भुगतान करने को कहा गया था। कर्जदार उक्त राशि का भुगतान करने मे असफल हो गये है, इसलिए एतद्द्वारा कर्जदार और गारंटर तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरी ने इसमे नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा, उक्त अधिनियम की धारा 13(4), उक्त नियमो के नियम 8 के साथ पठित के अधीन उन्हे प्रदत्त शक्तियों के इस्तेमाल के अन्तर्गत सम्पत्ति का कब्जा नीचे प्रत्येक खाते के सामने अंकित के अनुसार लिया है। विशेष रूप से कर्जदार और गारंटर तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा उक्त संपत्ति के साथ लेन—देन न करने के लिए सावधान किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी लेन देन **हिंदुजा हाउसिंग फाईनेंस लिमिटेड**, के प्रभार वास्ते निम्नलिखित राशि और उपरोक्तानुसार राशि पर संविदात्मक दर पर भविष्य का ब्याज, आकस्मिक खर्चे, लागत, प्रभार इत्यादि सहित के अधीन होगा।
उधारकर्ता का ध्यान एक्ट की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उपलब्ध समय सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्र. सं.	कर्जदार/गारन्टर के नाम एवं पता	मांग सूचना की तारीख / कब्जा सूचना की तिथि	बकाया राशि	अचल सम्पतियों का विवरण
1	UP/LKN/BRLY/A000001358 श्री अनिल गुप्ता और श्रीमती रिकमणी देवी गुप्ता, दोनों का पताः काली मंदिर के पास, जगतपुर, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत, 243006	06-05-2024 / 06-08-2025 सांकेतिक	₹ 4661940 as दिनांक 06.04.2024 तक +ब्याज इत्यादि	काली मंदिर के पास, जगतपुर, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत, 243006
2	UP/LKN/BRLY/A000001697 श्री जतिन कुमार अरोड़ा एवं श्रीमती गुरप्रीत कौर, दोनों पताः सी—179 सनातन धर्म मंदिर के पास, मॉडल टाउन सेमीअर्बन, बरेली, यूपी, भारत, 243001	06-05-2024 / 06-08-2025 सांकेतिक	₹ 3544873 as दिनांक 06.04.2024 तक +ब्याज इत्यादि	काली मंदिर के पास, जगतपुर, सेमीअर्बन, बरेली, उत्तर प्रदेश, भारत, 243006

दिनांक : 12-08-2025, स्थान : बरेली प्राधिकृत अधिकारी, हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

जन्माष्टमी पर तीन फेरों के लिए चलेगी कासगंज-मथुरा स्पेशल ट्रेन

बरेली, अमृत विचार : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल ने स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की। मथुरा में जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान भीड़ को ध्यान में रखते हुए 16 से 18 अगस्त तक कासगंज-मथुरा-कासगंज जन्माष्टमी स्पेशल पैसेंजर ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

बच्चों को घर में बंद कर लापता महिला वृंदावन में मिली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : सुभाषनगर थाना क्षेत्र में एक महिला घर में दो बच्चों को बंद कर लापता हो गई। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसमें उसने अपने पति और उसकी प्रेमिका पर कई गंभीर आरोप लगाए। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो उसकी अंतिम लोकेशन वृंदावन में मिली। स्थानीय पुलिस की मदद से उसे बरामद कर लिया गया है और एक टीम उसे लेने के लिए रवाना हो गई है।

सुभाषनगर थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शांति विहार निवासी विशाल गोस्वामी उर्फ गुड्डू बेकरी संचालक हैं। उनकी बेकरी पर एक महिला काम करती है। विशाल की पत्नी दीपिका शर्मा ने 19 जुलाई को पति और उस महिला के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मंगलवार सुबह दीपिका शर्मा अपने दोनों बच्चों दक्ष (11) और लक्ष्य (6) को घर के अंदर ताला लगाकर बंद कर दिया और लापता हो गई। उसने घर में एक सुसाइड नोट भी छोड़ा, जिसमें उस महिला और पति के संबंधों को लेकर लिखा है। उसने लिखा कि महिला ने उसके पति का अश्लील वीडियो बना लिया है और उसी के जरिए उसके पति को लगातार ब्लैकमेल कर रही है। पति ने उसे एक किराए पर कमरा लेकर दिया है। वह इन्हीं लोगों की वजह से अपनी जान देने जा रही है। जांच के दौरान पुलिस को पता लगा कि घर के नंबर पर एक कॉल आई थी। किसी अनजान नंबर से दीपिका ने अपने बच्चों का हाल-चाल पूछा। पुलिस ने लोकेशन निकलवाई तो पता चला कि दीपिका वृंदावन में है। पुलिस की एक टीम वृंदावन रवाना हो गई है।

कार्यालय सहायक अभियन्ता

द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

अल्पकालीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025—26 हेतु सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के अन्तर्गत द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन के कार्यक्षेत्र में आने वाली नहरों में कुदान/नहर बन्दी के समय मछली पकड़ने की नीलामी, जिसकी अवधि दिनांक 01.07.2025 से दिनांक 30.06.2026 तक होगी, दिनांक 20.08.2025 को मध्यान्ह 12:30 बजे निरीक्षण भवन बाईफरकेशन जनपद पीलीभीत में सार्वजनिक रूप से की जायेगी, जो व्यक्ति नीलामी में भाग लेना चाहते हैं, वो निश्चित समय व तिथि पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। नीलामी हेतु निर्धारित की गयी तिथि को अवकाश घोषित होने की दशा में नीलामी अगले कार्यदिवस में की जायेगी।

क्र0 सं0	नीलामी का विवरण	कार्यस्थल का नाम	अग्रिम धरोहर हेतु F.D.R. की राशि	नीलामी की तिथि व समय
1	2	3	4	5
1	हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली के अन्तर्गत द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन के कार्यक्षेत्र में आने वाली नहरों में कुदान/नहर बन्दी के समय मछली पकड़ने की नीलामी	1. हरदोई शाखा नहर के किमी0 2.500 से 37.000 तक। 2. सबसीडियरी हरदोई शाखा नहर के किमी0 3.500 से 21.600 (टेल) तक।	रू0 1,00,000.00	20.08.2025 मध्यान्ह 12:30 बजे

नोटः—
1. अधिकतम बोली बोलने वाले को अपनी अधिकतम बोली की सम्पूर्ण धनराशि बोली समाप्त होते ही तुरन्त एकमुश्त नकद जमा करनी होगी, अन्यथा धरोहर धनराशि शासकीय हित में जब्त कर ली जायेगी और द्वितीय व तृतीय उच्चतम बोलीदाता को अवसर प्रदान किया जायेगा।
2. वर्तमान में कोरोना वायरस (कोविड—19) का प्रकोप पूरे देश में चल रहा है। अतः नीलामी बोली में उपस्थित बोलीदाता मास्क लगाकर उपस्थित होंगे तथा सोशल डिस्टेन्सिंग का पालन करेंगे एवं मात्र नीलामी बोलीकर्ता ही उपस्थित रह सकेगा।
3. नीलामी से सम्बन्धित अन्य शर्तें अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में किसी भी कार्यदिवस में देखी जा सकती हैं।

UP-236817 दिनांक 11.08.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

सहायक अभियन्ता, द्वितीय उपखण्ड, बाईफरकेशन
हैड वर्क्स खण्ड, शारदा नहर, बरेली

कार्यालय मुख्य अभियन्ता, नगर निगम, बरेली

ई-निविदा आमन्त्रण सूचना

पत्रांक : 166/मु.अभि./नि.वि./2025-26 दिनांक 11.08.25

ई-निविदा सूचना शासनादेश सं.-3890/नौ -5 -149सा/2019 नगर विकास अनुभाग-05 उ.प्र. शासन लखनऊ दिनांक 20 सितम्बर, 2019 के अनुपालन में ठेकेदारों से निर्माण कार्यो हेतु निविदायें टू बिड पद्धति (तकनीकी एवं वित्तीय) के माध्यम से निम्न प्रकार से आमंत्रित की जाती है। निविदा खोले जाने की तिथि में यदि अवकाश होगा तो निविदाएं अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी। ई-निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रक्योरमेन्ट की वेबसाइट http://etender.up.nic.in व नगर निगम की बेवसाइट www.nagarnigambareilly.com पर देखी जा सकती है।

अल्पकालीन पुनः ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 01 से 20 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	14.08.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	14.08.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	20.08.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	20.08.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation
प्रथम बार ई-निविदा आमंत्रित हेतु (क्रमांक सं. 21 से 25 तक)	
ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	14.08.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा अपलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	14.08.2025 - (04:00 PM)
ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	03.09.2025 - (03:00 PM)
ई-निविदा खोली जाने की तिथि/समय	03.09.2025 - (04:00 PM)
फाईनेंशियल ई-निविदा खोली जाने हेतु	After Technical Evaluation

कार्यो का विवरण, नियम व शर्ते नगर निगम बरेली के वेबसाइट www.nagarnigambareilly.com पर ई-निविदा लिंक एवं ई-पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। किसी परिवर्तन, संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम, बरेली

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने स्वाति पत्नी श्री मानवीर सिंह एक किता प्लाट स्थित बिसौली श्री नितिन कुमार गुप्ता पुत्र श्री चन्द्रपाल गुप्ता से दिनांक 01-01-2024 को क्रय की थी। उक्त संपत्ति का पिछला मूल विक्रय पत्र कहीं गुम हो गया है, जिसका विवरण इस प्रकार है:- बही संख्या 1, जिल्द संख्या 9087, पृष्ठ संख्या 91 से 112 तक, क्रमांक संख्या 2078, दिनांक 24-02-2021, पंजीकृत रजिस्ट्री कार्यालय, बिसौली वर्तमान में मैं उक्त संपत्ति पर आवास फाइनेंसर्स लिमिटेड से ऋण ले रही हूँ। यदि किसी संस्था अथवा व्यक्ति को इस संबंध में कोई आपत्ति अथवा दावा हो, तो कृपया इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के भीतर, एडवोकेट उपेन्द्र कुमार सक्सेना, चेम्बर संख्या 12, कलेक्ट्रेट परिसर, बदायूं में संपर्क करें। निर्धारित समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावे पर कोई सुनवाई नहीं की जाएगी।

ट्रांसफार्मर के पास मिला युवक का शव, करंट से मौत

बरेली, अमृत विचार : बारादरी थाना क्षेत्र के गंगापुर में मजदूरों की पुलिया के पास मंगलवार सुबह एक युवक का शव दीवार और ट्रांसफार्मर के बीच पड़ा मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान आलमगीरीगंज निवासी बबलू (20) के रूप में हुई। पुलिस की प्राथमिक जांच में पाया गया कि बबलू नशे का आदी था और करंट लगने से उसकी मौत हुई होगी।

बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पांडे ने बताया कि मंगलवार सुबह सूचना मिली कि मजदूरों की पुलिया के पास एक युवक का शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने बिजली सप्लाई बंद कराकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। लोगों से पूछताछ करने पर उसकी पहचान हुई। लोगों ने बताया कि बबलू को नशे की लत थी। वह ट्रांसफार्मर के पास कैसे पहुंचा, इसका फिलहाल पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में मौत का कारण करंट लगना माना जा रहा है। मृतक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं मिले।

अमृत विचार

बुधवार, 13 अगस्त 2025

जो व्यक्ति इस बात से डरता है कि उसे कष्ट होगा, वह अपने भय के कारण पहले ही कष्ट झेल चुका है।
–**माइकल डी मोंटेन**, फ्रांसीसी लेखक

धमकी का जवाब

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के बयानों का भारतीय विदेश मंत्रालय ने जिस दृढ़ता और कूटनीतिक कुशलता से खंडन कर सटीक उत्तर दिया, वह विश्व कूटनीतिक बिरादरी के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मुनीर की भाषा किसी धमकी देने वाले निम्न स्तरीय बाहुबली जैसी थी- न तो उसमें राजनीतिज्ञों जैसा वाक्-कौशल था, न ही सेना के अति उच्च पदस्थ अधिकारियों जैसी धार। पाकिस्तान के हुक्मरान हों या सैन्य अधिकारी- भारत की निंदा, उसे नीचा दिखाने वाले बड़बोले बयान उनकी राजनीति और करियर चलाने के लिए अनिवार्य तत्व हैं। मुनीर अमेरिका के पाकिस्तानी समुदाय से मुखातिब थे, तो भारत-विरोध में कुछ अतिरेक स्वाभाविक है, लेकिन उन्होंने जोश में होश खोते हुए कहा कि एक परमाणु राष्ट्र के तौर पर अगर हम तबाह हो रहे होंगे, तो हम अपने साथ आधी दुनिया को भी तबाही में ढकेल देंगे। शोचनीय है कि मुनीर यह बात अपने देश में नहीं, बल्कि किसी दूसरे देश अमेरिका की जमीन से कह रहे थे। विदेश जाकर वहां से किसी भी देश को सार्वजनिक रूप से युद्ध की धमकी देना कूटनीतिक शिष्टाचार का लापरवाही भरा उल्लंघन है, पर वे इससे आगे बढ़कर, किसी एक देश भारत को ही नहीं, बल्कि आधी दुनिया को तबाह करने की बात कर रहे थे। असल में, मेहमान के ऐसे व्यवहार से मेजबान देश की गरिमा गिरती है। उस देश की वैधानिकता एवं जिम्मेदारी पर सवाल उठते हैं और दूसरों का भरोसा उस पर से उठता है। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय स्वयं आसानी से समझ सकता है कि ऐसे बयान कितने ग़ैर-ज़िम्मेदाराना हैं। अब अमेरिका इस पर क्या कहेगा और क्या करेगा, यह तो ट्रंप जानें!

मुनीर द्वारा राष्ट्रपति ट्रंप की बात को तस्दीक करते हुए यह कहना कि उन्हें भारत-पाक सीज़फायर के लिए आभार और कई देशों के बीच जंग रुकवाने के लिए शांति का नोबेल मिलना चाहिए- यह ठकुरसुहाती उन्हें या अमेरिका को वैश्विक आलोचनाओं से बचा नहीं सकती। विदेश मंत्रालय ने तीसरे, दोस्ताना देश की जमीन से दिए गए बयानों पर अफसोस जताते हुए कहा कि भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। मुनीर का बयान इस शक को और बढ़ाता है कि पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों के गठजोड़ के चलते वहां परमाणु हथियारों की सुरक्षा और नियंत्रण संदिग्ध है। ऐसा कहकर विदेश मंत्रालय ने मुनीर के इस बयान के बाद पाकिस्तान की नाभिकीय ताकत के इस्तेमाल को लेकर दुनिया भर में संदेह पैदा कर दिया। मुनीर ने कश्मीर को एक अधूरा अंतरराष्ट्रीय एजेंडा बताते हुए कहा कि यह हमारी 'गले की नस' है। इस पर विदेश मंत्रालय का संक्षिप्त और सटीक उत्तर सर्वथा उचित था कि कोई विदेशी या बाहरी चीज़ किसी के गले में कैसे अटक सकती है? असल में मुनीर भारतीय मीडिया में वायुसेना और सेना प्रमुख के उन बयानों को पढ़कर तिलमिलाए हुए हैं, जिसमें महज 82 घंटे में पाकिस्तान की हालत पतली होने की पोल खुली थी और इसी के बाद उन्हें फील्ड मार्शल बनाया गया था।

प्रसंगवश

खेतों में फिर से दिखेंगे राज्य पक्षी सारस

आज के विकसित और आधुनिक युग में हमें स्वीकार करना चाहिए कि इस धरती पर सिर्फ हमारा ही अधिकार नहीं है। अपितु इसके विभिन्न भागों में विद्यमान करोड़ों प्रजातियों का भी इस पर उतना ही अधिकार है, जितना हमारा। धरती पर हमारे अस्तित्व को बचाए रखने में समस्त प्रकार की जैवविविधिता को बनाए रखना जरूरी है। उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की पहल पर देश का सबसे बड़े जनसंख्या घनत्व वाले उत्तर प्रदेश में 11,45,178 हेक्टेयर क्षेत्र आर्द्र भूमि (वेटलैंड) में रहने वाले जीवों और उनकी विविधता के संरक्षण के लिए जैव विविधता अधिनियम 2002 के अंतर्गत बोर्ड गठन करके सरकार द्वारा संरक्षण का कार्य शुरू किया गया है। प्रदेश के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिर्वतन विभाग राज्य पक्षी सारस को संरक्षण दे रहा है। सरकारी प्रयासों के परिणाम सार्थक हो रहे हैं। सारस (सारस क्रेन) ग्रुइडी कुल का सदस्य है। पूरे विश्व में इसकी कुल आठ जातियां पाई जाती हैं। इनमें से चार भारत में पाई जाती हैं। विशेषतः गंगीय प्रदेशों के मैदानी भाग इनके प्रिय आवासीय क्षेत्र हैं। भारत में इस कुल के चार अन्य सदस्य भी पाए जाते हैं। यह हैं साइबेरियन क्रेन, कॉमन क्रेन, डेमॉयसेल क्रेन, ब्लैक नेक्ड क्रेन। यह सभी शीत कालीन प्रवासी हैं। हमारे देश के अपेक्षाकृत गर्म भागों की झीलों और तालाबों के पास यह हर साल आते हैं।

सुरेंद्र अग्निहोत्री
वरिष्ठ पत्रकार

सारस उत्तर प्रदेश के समस्त मैदानी क्षेत्रों में देखा जाता है, किंतु इटावा, मैनपुरी, औरैया, एटा, अलीगढ़, शाहजहांपुर आदि जिलों में बड़े-बड़े जलीय एवं दलदली क्षेत्र (वेटलैंड) होने के कारण वहां इसके अपेक्षाकृत बड़े झुंड दिखाई पड़ते हैं। सारस स्लेटी रंग का क्रोंच है, जिसके पैर और चोंच लाल होते हैं। गर्दन और सिर सुर्ख लाल और टोपी सिलेटी-हरी होती है। इसके बच्चे भूरे रंग के होते हैं, परंतु बड़े होने पर स्लेटी हो जाते हैं। देश के पूर्वात्तर क्षेत्र में पाई जाने वाली सारस की दूसरी उप प्रजाति, अधिक गहरे सलेटी रंग की होती है। प्रायः जोड़ में या परिवार में देखे जाते हैं। कभी-कभी बड़े समूहों में भी दिखाई देते हैं। गांवों में खेतों के समीप निर्भय होकर विचरण करते हैं। अधिक समीप जाने पर उड़ जाते हैं। शाम को विश्राम स्थलों पर जमा होते हैं। खुला कृषि क्षेत्र, दलदली भूमि, झील, तालाब, नहर और नदी का किनारा आदि मुख्य प्राकृतिक आवास हैं। जलीय पौधों की जड़ और स्कन्ध, मुख्य फसलों के दाने, मेढक, मछली, छिपकली, सांप और कीड़े-मकोड़े इनके आहार हैं। जुलाई से दिसंबर के मध्य ही प्रजनन करता है। इनका प्रणय नृत्य आकर्षक होता है। ये प्रणय निवेदन विभिन्न तरह से पंखों को फड़फड़ाकर, अपने स्थान पर कूद कर, थोड़ी दूरी तक गोलाई में दौड़ कर और छोटे घास एवं लकड़ियों को उछाल कर करते हैं। इनका घोंसला पानी भरे धान के खेत, झील और तालाब के मध्य घास-फूस के ढेर पर बना होता है। मादा सारस एक बार में हल्के गुलाबी या सफेद रंग के दो अंडे देती है। नर और मादा सारस घोंसले की रक्षा करते हैं। जन्म के बाद इनके बच्चे लगभग एक वर्ष तक साथ रहते हैं।

प्रदेश में 2021 में 17329 सारस पाए गए थे। 2022 में यह संख्या बढ़कर 19188 हो गई थी। 2023 में यह संख्या बढ़कर 19522 हो गई थी। संरक्षण के 2010 के आंकड़े से देखें तो 2023 में यह सख्या 7,617 हुई है। सारस (Stork Bird) वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सरंक्षित पक्षी है। सारस पक्षी का विशिष्ट सांस्कृतिक महत्व भी है। रामायण की प्रथम कविता का श्रेय सारस पक्षी को जाता है। रामायण का आरंभ एक प्रणयरत सारस युगल के वर्णन से होता है। प्रातः काल की बेला में महर्षि वाल्मीकि इसके द्रष्टा हैं। तभी एक आखेटक द्वारा इस जोड़े में से एक की हत्या कर दी जाती है। जोड़ का दूसरा पक्षी इसके वियोग में प्राण दे देता है। ऋषि उस आखेटक को श्राप देते हैं। सारस उत्तर प्रदेश का राज्य पक्षी है। यह विश्व के उड़ने वाले पक्षियों में सबसे ऊंचा पक्षी है। वयस्क नर की ऊंचाई लगभग 156-180 सेमी तक होती है। नर एवं मादा देखने में एक समान होते हैं। यह अकेला क्रेन है, जो हिमालय के दक्षिणी भाग में प्रजनन करता है। इनके प्राकृतिक आवास में लगातार कमी के साथ-साथ इनके घोसलों से अंडे चोरी होना या कुत्ते, कौओं द्वारा नष्ट होने से नये सारसों का जन्म न होना सबसे चिंता का सबब है।

नीति नहीं, नीयत के कारण बदहाल है शिक्षा व्यवस्था

अरविंद रावल
लेखक

केंद्र या राज्य सरकार की तमाम योजनाओं का मकसद देश और राज्य के लोगों के विकास से जुड़ा होता है, फिर जमीनी धरातल पर सरकार की योजनाओं की सफलता या असफलता का सारा दारोमदार भी योजनाओं से जुड़े संबंधित विभाग के अधिकारीयों और कर्मचारियों की नीयत के ऊपर निर्भर करता है! यदि ऊपर से नीयत साफ है तो क्या मजाल नीचे जमीनी धरातल पर योजनाएं साकार रूप न ले सकें। देश में कई शासकीय योजनाएं ऐसी हैं, जो तंत्र के लोगों की साफ नीयत की वजह से आज भी देश के विकास में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। आज देश हर क्षेत्र में प्रगति भी कर रहा है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में जितनी प्रगति होनी चाहिए थी, वह नहीं हो सकी है। समझा जा सकता है कि नीति तो ठीक है, लेकिन योजना को लागू करने की नीयत दुरुस्त नहीं है! देश में एक मानसिकता आम हो गई है कि जब भी कोई सरकारी योजना से अपेक्षित परिणाम नहीं आते हैं, तो हम सरकार की योजना और उसकी नीति को कोसते हैं। समझना होगा कि योजनाओं से आशातीत लाभ उदासीनता और लापरवाही की वजह से नहीं मिल पाता है। शिक्षा ही नहीं सरकार की जन हितैषी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनता को उतना नहीं मिल पाता, जितने का कि सरकार ने उन्हें हकदार बनाया है। देश की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली की भी यही वजह है, लेकिन इसके लिए शिक्षक को ही दोषी ठहराना न्याय संगत नहीं होगा।

इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि हमारी सरकारी शिक्षा व्यवस्था भी तंत्र में ऊंचे ओहदे पर बैठे कुछ भ्रष्ट नीयत के लोगों का शिकार होकर रह गई है। शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र और राज्य सरकारें करोड़ों रुपये हर साल खर्च करती है। इसके बाद भी यदि उल्लेखनीय परिणाम या सुधार दिखाई नहीं देता है तो सवाल उठना तय है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 को लागू करने की आवश्यकता भी इसलिए हुई कि देश में जिन दादा, नाना या माता-पिता की पूरी एक पीढ़ी ने कभी स्कूल नहीं देखा, आगे की नस्ल शिक्षित हो। केंद्र सरकार के शिक्षा के अधिकार अधिनियम में देश के छह से 14 वर्ष तक की उम्र के सभी बच्चों के लिए कक्षा 8वीं तक शिक्षा अनिवार्य की गई है। अधिनियम के तहत कक्षा एक से आठ तक में किसी भी बच्चे को फेल नहीं करने का निर्णय लिया गया है, ताकि शिक्षा से वंचित परिवार का बच्चा आठ वर्ष तक बिना फेल के भय से पाठशाला से जुड़कर नैतिकता, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, नियमितता, देशभक्ति, समर्पण, मानवीयता, परोपकार आदि के भाव शिक्षकों के माध्यम से सीखकर शिक्षा के प्रति रुचि लेने लगे। शिक्षा के अधिकार अधिनियम की तहत केंद्र और राज्य सरकार निःशुल्क शिक्षा की तहत कक्षा एक से आठ तक के सभी बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तक, साल के दो जोड़ी ड्रेस, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृत्ति आदि कई प्रकार की सुविधाएं निःशुल्क प्रदान करती हैं, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

कुछ लोग सरकारी शिक्षा की बदहाली के लिए कक्षा एक से आठ तक फेल नहीं करने के नियम को मानते हों, लेकिन सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान के आधार पर बच्चो को फेल करना एक तरह का अत्याचार है। इससे बच्चे का सर्वांगीण विकास कुंठित होकर अवरुद्ध हो जाता है। शिक्षा का मुख्य उद्देश बच्चे का सर्वांगीण विकास करना है, तो पुस्तकीय ज्ञान के अलावा अन्य पहलुओं के आधार पर भी उसे कक्षोन्नत किया जाना चाहिए। यदि बच्चा कक्षा एक से आठ तक सतत आठ वर्ष तक स्कूल आता है, तो निश्चित ही उसे पढ़ना और लिखना दोनों ही आना चाहिए। यदि नियमित आठ वर्ष स्कूल आने के बाद भी कक्षा आठ में बच्चे को लिखना-पढ़ना नहीं आता है तो इसके लिए निःसंदेह शिक्षक और हमारा शिक्षा तंत्र दोनों ही जिम्मेदार हैं। यह सरकार के शिक्षा के विकास के दावों पर प्रश्न चिन्ह भी लगाती है?

शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 में बने कानून के तहत ही राष्ट्रीय कार्यक्रम जनगणना और निर्वाचन को छोड़ शिक्षक को गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्ति प्रदान पाने का हक भी प्राप्त हुआ है। वर्तमान में इस सच्चाई को भी स्वीकारने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि कुछ शिक्षक पाठशाला में बच्चों के अध्यापन कार्य से ज्यादा रुचि अन्य गैर शैक्षणिक कार्य करने में रखते हैं, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन कर्मचारियों की कमी का हवाला देकर शिक्षक को स्कूल से इतर अन्य गैर शैक्षणिक कार्यों में सलग्न कर देते हैं।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के कानून के तहत सरकारी स्कूलों में 30 या 35 बच्चों पर एक शिक्षक का प्रावधान किया गया है, लेकिन क्या शिक्षा तंत्र में बैठे जिम्मेदार लोगों ने छात्र अनुपात में शिक्षकों की व्यवस्था की है? यदि नहीं तो फिर कैसे शिक्षा में गुणवत्ता आएगी? शिक्षा में गुणवत्ता बड़े-बड़े भवन बनाने या बड़े नाम रख देने से या शिक्षा को हाईटेक बना देने से नहीं आएगी, शिक्षा में गुणवत्ता तो स्कूल में शिक्षक के होने पर ही आएगी। यदि पर्याप्त शिक्षकों के बाद भी शिक्षा में गुणवत्ता नहीं दिखाई देती है, तो यह एक बहुत गंभीर प्रश्न है, जिस पर सरकार समाज और शिक्षक तीनों को ही मंथन करना आवश्यक होगा।

वर्तमान परिदृश्य में यदि देश की सरकारी शिक्षा को बदहाली से मुक्ति दिलाना है, तो केंद्र सरकार को एक कानून लाकर देश भर के समस्त सरकारी अधिकारी -कर्मचारियों के बच्चों के साथ-साथ पंच से राष्ट्रपति के पद तक जितने भी संवैधानिक पदों पर आसीन जनप्रतिनिधि हैं, उन सभी के बच्चों को सरकारी स्कूलों में कम से कम तीन वर्ष तक अध्ययन करने की अनिवार्यता को लागू किया जाए। इससे सरकारी शिक्षा के क्षेत्र में छाई उदासीनता के बादल स्वतः हटने लग जाएंगे। दूसरे, यदि वास्तव में सरकारी शिक्षा को बदहाली से मुक्ति दिलाना है, तो समूचे तंत्र की सोच को बदलना होगा। सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से पालन करना होगा, अन्यथा नीतियां कितनी भी अच्छी हों यदि उनका क्रियान्वयन का तरीका गलत है तो स्थिति जस की तस ही बनी रहेगी।

शिक्षा और उसके स्तर को बेहतर करने के लिए तमाम योजनाओं पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं। इसके बावजूद शिक्षा का स्तर गिर रहा है, तो नीयत पर सवाल उठना लाजमी है।

आमने

जल-जीवन मिशन के गांव में आधे काम हुए हैं। गांवों में पानी नहीं आ रहा। पानी की टंकियां गिर रही हैं। जल शक्ति मंत्री ने जो जवाब दिए वो झूठे थे।
– **मो. फहीम इरफान**
विधायक
समाजवादी पार्टी

सामने

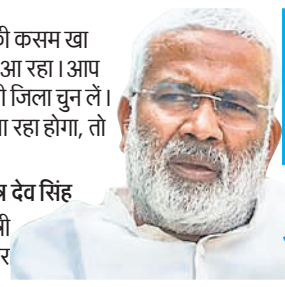

विधायक अपनी बीवी की कसम खा लें कि गांव में पानी नहीं आ रहा। आप पश्चिम यूपी का कोई भी जिला चुन लें। वहां गांव में पानी नहीं आ रहा होगा, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा।
– **स्वतंत्र देव सिंह**
जल शक्ति मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार

जय श्रीराम से जय सियाराम की ओर बढ़ें

अमित त्यागी
स्तंभकार एवं राष्ट्रवादी विचारक

शब्दों के मायने होते हैं। आस्थाओं के प्रतीकात्मक स्वरूप होते हैं। वैश्विक अशांति के मध्य भारत मानसिक शांति और आध्यत्मिक उन्नति का प्रेरणा स्रोत बनकर उभरा है। भारत की आध्यात्मिक चेतना का केंद्र प्रभु श्रीराम और श्रीकृष्ण हैं। प्रभु श्रीराम की अवधी में रामचरित मानस सहित कई भाषाओं में कथाएं हैं। तुलसीदास ने अवधी, वाल्मीकी और कालीदास ने संस्कृत में राम का चरित्र चित्रण किया तो कन्नड में ऋषि कंबन द्वारा रचित 'कंब रामायण' में राम के चरित्र का विवरण मिलता है। भारत के बाहर चीन के 'लियो ताउत्स चिंग' का कथानक वाल्मीकि रामायण से संबंधित है। चीन के उपन्यासकार उचेंग की कथा 'द मंकी हसी ऊंचि' राम भक्त हनुमान की चीनी कथा है। इसके साथ-साथ थाईलैंड में 'रामकियेन', इंडोनेशिया में 'ककविन रामायण', लाओस में 'फालाम' एवं 'पोमचाक' है तो तमिल में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की 'तिरुमगन रामायण'। इतना ही नहीं दक्षिण एशिया के देशों मलेशिया, कंबोडिया, श्रीलंका एवं फिलीपींस तक राम के चरित्र की व्यापकता फैली हुई है। सिर्फ विदेशों में ही नहीं, बल्कि भारत के अंदर भी कई मुस्लिम लेखकों और विचारकों ने प्रभु राम के चरित्र पर उल्लेखनीय काम किया है। अल्लामा इकबाल राम के लिए कहते हैं, 'है राम के वजूद पर हिंदोस्तां को नाज, अहले नज़र समझते हैं उनको इमामे हिंद'। सागर निजामी कहते हैं, 'साहिल ए सरयू यहां गंगा यहां जमुना यहां, कृष्ण और राधा यहां, राम यहां सीता यहां।

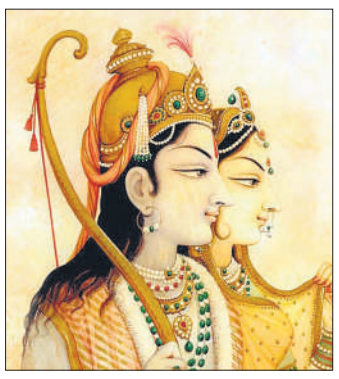

हिंदीओं के दिल में बाकी है मुहब्बत राम की, मिट नहीं सकती क़यामत तक, हुकूमत राम की'।

राम की हुकूमत सदियों तक इसलिए बाकी है, क्योंकि राम ने अपने स्वार्थ के लिए विजय प्राप्त नहीं की। बालि और रावण का वध किया तो सुग्रीव और विभीषण को वहां का राजा बनाया। लक्ष्मण से संवाद में राम कहते हैं, 'अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मणः रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'।। इसका अर्थ है, 'हे लक्ष्मण, सोने की लंका भी मुझे अच्छी नहीं लगती है। माता और मातृभूमि मुझे स्वर्ग से भी बढ़कर है।' इसी तरह कबीर भी परमार्थ को जीवन का दर्शन बताते हैं। राम का जीवन भी परमार्थ का जीवन ही रहा। रामराज में अपने लिए नहीं, दूसरे के लिए जीवन जीने का वास्तविक चिंतन है। कबीर कहते हैं, 'मरूं पर मांगू नहीं, अपने तन के काज। परमारथ के कारने, मोहिं न आवै लाज'। इसका अर्थ है कि मैं मर जाऊंगा किन्तु अपने शरीर के स्वार्थ के लिए नहीं मांगूंगा, परन्तु परमार्थ के लिए मांगने में मुझे लज्जा नहीं लगती।

जब वैश्विक स्तर पर विचारधाराओं का टकराव देखा जा रहा है तब संपूर्ण विश्व वैश्विक शांति और स्थायित्व की राह देख रहा है। विभिन्न संस्कृतियों की विचारधारा वाले देश आज परस्पर वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इन विचारधाराओं के कुछ समर्थक अपने देश में भी अस्थिरता फैला रहे हैं, उनसे सतर्क रहने की आवश्यकता है। भारतीय ज्ञान परंपरा विदेशियों को वैश्विक अस्थिरता के मध्य एक मार्ग प्रदान कर रही है। भारत वैश्विक स्तर पर एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। यह एक अच्छा संकेत है। इन सबके मध्य हमें कुछ सतर्क रहने की भी आवश्यकता है। जिस तरह धार्मिक स्थानों को पर्यटन के रूप में तैयार किया जा रहा है, उससे राजस्व की प्राप्ति तो हो रही है, किंतु धार्मिक आस्था के केंद्र खिलवाड़ का माध्यम बन रहे हैं।

धार्मिक स्थल यदि आस्था के साथ पर्यटन से जुड़े रहेंगे तो शुभ संकेत हैं। मौज-मस्ती के लिए होने वाला धार्मिक पर्यटन सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर कर देता है। श्रीराम मंदिर निर्माण को लगभग देढ़ वर्ष पूर्ण हो गया है। अब भारतीय नागरिकों को भी अपने उत्तरदायित्वों की गंभीरता को समझना होगा। सिर्फ हिंदुत्व का नहीं बल्कि हिंदुनेस का आचरण करना होगा। युद्ध उद्घोष जय श्रीराम के स्थान पर जय सियाराम का अभिवादन लोगों को परस्पर जोड़ने का काम करता है।

प्रभु श्रीराम की कथा दुनिया भर में प्रचलित है। दक्षिण एशिया के देशों मलेशिया, कंबोडिया, श्रीलंका और फिलीपींस तक राम के चरित्र की व्यापकता फैली हुई है।

सामयिकी

जलवायु परिवर्तनः संकट की तरफ बढ़ती दुनिया

हाल ही में एक बार फिर दुनिया भर में आई भूस्खलन और बाढ़ की लगातार घटनाओं ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। असल में अब जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन गया है, जिसके प्रभाव हर देश में अलग-अलग रूप में सामने आते हैं। अगर भारत और अमेरिका जैसी शक्तियों की बात की जाए, तो दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन से प्रभावित हो रहें हैं, लेकिन इनके भौगोलिक, पर्यावरणीय और विकासात्मक अंतर के कारण इन प्रभावों की प्रकृति भिन्न है। भारत में मानसूनी जलवायु के कारण वर्षा एक सीमित अवधि में अधिक मात्रा में होती है, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। हिमालय घाटी, उत्तराखंड, हिमाचल और पूर्वोत्तर राज्यों में अत्यधिक वर्षा, हिमनदों के पिघलने और वनों की कटाई जैसे कारण भूस्खलन के पीछे प्रमुख हैं। दूसरी ओर, अमेरिका में विशेष रूप से कैलिफोर्निया और वाशिंगटन जैसे राज्यों में जंगलों की आग, अचानक भारी वर्षा और पर्वतीय ढलानों पर बसे क्षेत्रों में मानवीय गतिविधियां भूस्खलन को जन्म देती है। भारत में भूस्खलन के खतरे को भांपने और चेतावनी देने की प्रणाली सीमित है, जबकि अमेरिका में अत्याधुनिक सेटेलाइट और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली के माध्यम से अधिक प्रभावशाली पूर्व चेतावनी दी जाती है। भूस्खलन के कारण न केवल सड़कों, पुलों और भवनों को क्षति पहुंच रही है, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का जीवन भी असुरक्षित हो गया है। 2023 में हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में लैंडस्लाइड और बाढ़ के चलते हजारों लोगों को विस्थापित होना पड़ा। स्कूल और अस्पताल क्षतिग्रस्त हुए और पर्यटकों की आवाजाही ठप पड़ी, जिससे इन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा असर पड़ा।

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

हमें इस तथ्य की ओर देखना होगा कि यदि हमने जलवायु परिवर्तन को गंभीरता से नहीं लिया तो भारत में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या और तीव्रता आने वाले वर्षों में और बढ़ेगी। नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं, पर्यावरणविदों और आम नागरिकों को मिलकर इस दिशा में सतर्कता और जागरुकता से काम करने की आवश्यकता है। समय की यह जरूरत न केवल शिक्षा और मीडिया के लिए उपयोगी है, बल्कि आपदा प्रबंधन, पर्यावरण नीति निर्माण और सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में कार्य कर रहे सभी लोगों के लिए मार्गदर्शन का कार्य करता है। जलवायु परिवर्तन जैसे सामयिक मुद्दे की प्रासंगिकता इसलिए और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह केवल समस्या को नहीं दर्शाता बल्कि समाधान की दिशा में सोचने के लिए भी प्रेरित करता है। पहले जहां भूस्खलन केवल भारी वर्षा या भूकंप के बाद होता था, अब यह बिना किसी पूर्व सूचना के भी घटित हो सकता है। इसका मुख्य कारण है जलवायु में आए तेज बदलाव जैसे कि असामान्य और अत्यधिक वर्षा, बर्फबारी का असंतुलन और वनों की अंधाधुंध कटाई। जलवायु परिवर्तन ने न केवल वर्षा के स्वरूप को बदल दिया है, बल्कि यह भी देखा गया है कि अब वर्षा कम समय में अधिक मात्रा में होती है, जिससे मिट्टी की पकड़ कमजोर हो जाती है और ढलानों से मलबा फिसलने लगता है। हिमालयी राज्यों जैसे उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और जम्मू-कश्मीर में भूस्खलन की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। साल 2023 में हिमाचल प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ बारिश ने कई स्थानों पर बड़े भूस्खलनों को जन्म दिया, जिससे सैकड़ों घर और सड़कें बर्बाद हो गईं। केरल और नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में भी भारी वर्षा के बाद भूस्खलन आम हो गया है। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में सतही तापमान में वृद्धि से बर्फ तेजी से पिघल रही है और उसकी वजह से नीचे की चट्टानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इसके साथ-साथ मानवीय गतिविधियां जैसे अवैज्ञानिक निर्माण, पेड़ों की कटाई और अवैध खनन भी इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत में हर साल औसतन 300 से अधिक भूस्खलन दर्ज किए जाते हैं। इनमें से कई जानलेवा साबित होते हैं और आर्थिक दृष्टि से भी नुकसान पहुंचाते हैं। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक संकट बन चुका है, जो मानव जीवन, जैव विविधता और आर्थिक संरचनाओं को गहराई से प्रभावित कर रहा है। इस चुनौती से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है।

सोशल फोरम

मुहब्बत की दुकान

फोटो में दिख रही यह बंद दुकान दीनानाथ जी की है, जो इंडिया-पाकिस्तान बटवारे के वक्त बहुत अफसोस के साथ इस दुकान को पाकिस्तान छोड़कर इंडिया चले आए। आते वक्त बहुत रोए ओर पूरे गांव को भी रुलाया। फिर गांव के लोगों को यह दिलासा दिलाया कि मैं वापस आप लोगों के पास लौट कर आऊंगा। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रोविंस के जिला लोरा लाई में मौजूद इस दुकान पर अभी तक वही ताला लगा है, जो दुकानदार दीनानाथ जी आते वक्त लगाकर चाबी अपने साथ ले आए थे। 73 साल से यह दुकान बंद पड़ी है। पाकिस्तानी मकान मालिक, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे, उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाते हुए वसीयत कर दी कि इस दुकान का ताला कभी तोड़ना नहीं, जब तक दुकानदार वापिस नहीं आता। इस दुकान के मालिक के मरने के बावजूद उनके बच्चों ने भी इस दुकान का ताला नहीं तोड़ा।

अजित सिंह
ब्लॉगर

वसीयत में लिखा कि मैंने उस दुकानदार को जुबान दी है कि यह दुकान तुम्हारे आने तक बंद रहेगी। मकान मालिक की औलादों ने आज तक उस ताले को हाथ तक नहीं लगाया, हालांकि उन्हें मालूम है कि दुकानदार यानी दीनानाथ जी इस दुनिया में नही रहे, लेकिन वफा की यादगार के तौर पर अब तक यह दुकान दो इंसानों के बीच यादगार की मिसाल बन गई है। कमाल के बंदे थे दोनों- मकान मालिक और दुकानदार। इंसानों के बीच इतना प्यार! फिर नफरतें कहां से आ गईं? कौन ले आया?

-फेसबुक वाल से

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कपड़े पर करिश्मा बुनने की कारीगरी है यहां की जरी जरदोजी

अब बरेली का सुई-धागा गिरा परदेसी बाजार में

जरी जरदोजी पारंपरिक भारतीय कढ़ाई की शैली है। इसमें विशेष प्रकार की सुई और धागे का इस्तेमाल किया जाता है। सोने और चांदी के धागों का उपयोग करके कपड़ों पर आकर्षक फूल, पत्तियां, या जटिल ज्यामितीय डिजाइन बनाई जाती हैं, जो परिधान को चमकदार और शानदार लुक देती हैं।

जरी जरदोजी में कीमती पत्थरों और मोतियों का भी उपयोग किया जाता है। इस कढ़ाई से तैयार परिधानों का प्रयोग अमीर वर्ग द्वारा अधिक किया जाता है। शादियों और फैशन शो में काफी मांग रहती है। वास्तव में जरदोजी फारसी शब्द है। जो 'जरी' और 'दोजी' से मिलकर बना है। 'जरी' का मतलब सोना और 'दोजी'का आशय कढ़ाई से है। इस तरह यह शब्द 'सोने की कढ़ाई'के लिए है। शायद इसीलिए जरी का काम पहले सोने-चांदी के तारों, छोटे मोती, नगीनों व रत्नों से ही होता था। राजा-महाराजाओं के कपड़े जरदोजी के होते थे। अब सिल्क, शाटन, वेलवेट पर मेटल की एंब्रॉइडरी होती है। साड़ी, लहंगे, दुपट्टे, सूट, बैग पर सुनहरे धागे, सलमा, सितारे, मोती, कटदाना, दबका का प्रयोग होने से उनकी रंगत बदल जाती है।

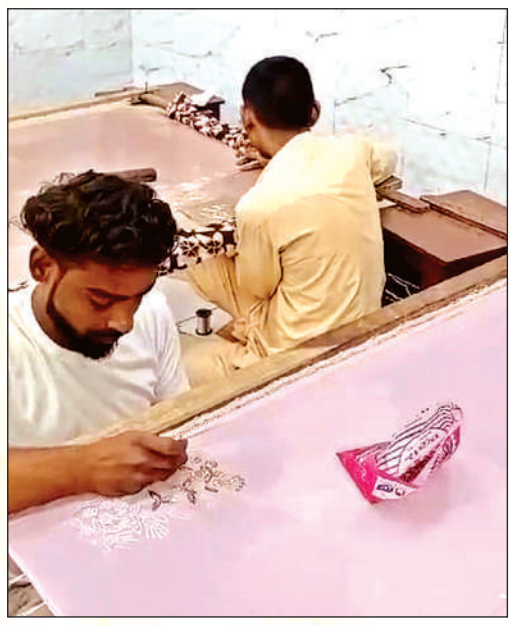

मुगल काल से मौजूद कला देश-दुनिया में लोग दीवाने

- बरेली में जरी कारोबार मुगल काल से हो रहा है। देश-विदेश में यहां की कारीगरी के लोग दीवाने हैं। शहर के जगतपुर मोहल्ले की गली में एक टिन शेड के नीचे चारपाई नुमा चौखटे पर पांच-छह लोग पूरी तल्लीनता से एक साड़ी पर कुछ गोदते दिखते हैं, पूछने पर बताया कि जरी जरदोजी के कारीगर हैं। यह लोग साड़ी पर जरी की कढ़ाई कर रहे थे। कुछ पूछने से पहले बुजुर्ग कारीगर बोल उठते हैं, मियां...अब इस कारोबार के हालात कुछ सुधरे हैं, वर्ना 15 साल पहले तमाम साथी पलायन कर गए। ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था सुधरने से काम बढ़ा है।
- बरेली के जरी परिधानों की धूम दिल्ली, जयपुर, हैदराबाद और पंजाब में ज्यादा है। जिले के फहगंज पश्चिमी, नवाबगंज समेत शहर के एजाज नगर गौटिया, सक्लैन नगर, हजियापुर, घेर जाफर खां और सैलानी में बड़ी संख्या में जरी के कारखाने हैं। इनमें पुरुष-महिला कारीगर काम करते हैं।

इस तरह किया जाता कपड़े पर जरी का काम

- जिस कपड़े पर जरदोजी होनी है, उसे कढ़ाई के लिए लकड़ी के एक फ्रेम में फिट करते हैं। इसे अड्डा कहा जाता है। कढ़ाई हुक जैसी नोक वाले सुई या अरी से होती है। हर दाना, मोती, कटदाना, सलमा, सितारा, बड़ी महीन कारीगरी से लगाए जाते हैं।

साड़ी में चार चांद लगा देती कढ़ाई

- सामान्य साड़ी पर जारी जरदोजी से चार चांद लग जाते हैं। सूट पर भी कढ़ाई का काम महिलाओं को लुभाता है। बरेली के बुने सूट दुबई, लंदन, ऑस्ट्रेलिया तक निर्यात होते हैं।

700 करोड़ से ज्यादा का सालना कारोबार

- कारोबारियों के अनुसार कारीगरों के पलायन के दौरान सालान कारोबार घटकर 100 करोड़ तक आ गया था लेकिन बीते पांच साल से वृद्धि हुई है। अब अन्य राज्यों से माल का आर्डर मिलने से बरेली में 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के कारोबार का टर्नओवर है।

"जरी जरदोजी के लिए बरेली प्रसिद्ध हैं, कुछ साल पहले वित्तीय कारणों से बड़ी संख्या में कारीगर पलायन कर गए थे, लेकिन अब सुधार होने पर कारोबार के दिन बहुरने लगे हैं।

- सैय्यद मोहसीन आलम
जरी कारोबारी

आर्डर लेकर कच्चे माल पर जरी जरदोजी की जाती है। साड़ी और सूट के साथ अब पशमीना पर भी जरी की कढ़ाई हो रही है। जिसकी मांग युवा वर्ग में काफी अधिक है।

- हैदर अली, जरी कारोबारी

कभी बरेली को जरी नगरी कहा जाता था, शहर से लेकर देहात तक बड़ी संख्या में कारीगर फैले हैं। उनकी मेहनत को विदेशों में पहचान मिल रही है। अरब में बरेली की जरी जरदोजी से तैयार कपड़ों की मांग है।

- हाजी महबूब अली
जरी कारोबारी

लेखक
अंकित चौहान
बरेली

आल्हा-ऊदल की वीर गाथा, भाई-बहन के प्रेम का उत्सव

आल्हा-ऊदल की वीरता का प्रतीक बीते 843 वर्षों से रक्षाबंधन के अगले दिन से महोबा में लगने वाला कजली मेला भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू हो गया। कीरत सागर के पास दो किलोमीटर के दायरे में आयोजित होने वाले इस मेले में बुंदेली लोक विधाओं से जुड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं। इसे उत्तर भारत का सबसे प्राचीन मेला माना जाता है। इस बार हवेली दरवाजे से निकली शोभायात्रा में हाथी पर सवार आल्हा, घोड़े पर बैठे ऊदल और वीर गाथाओं से सजी झांकियां शामिल रहीं। शोभा यात्रा में एक सौ घोड़े नृत्य करते हुए चल रहे थे। यह मेला सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक है, जहां हर धर्म और समुदाय के लोग कजलियों को सम्मानपूर्वक विसर्जित करते हैं। 15 दिन तक चलने वाले इस मेले में उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश के अलावा अन्य राज्यों से भी लोग शामिल होते हैं। कीरत सागर तट पर बनाए गए आल्हा मंच पर बुंदेली कलाकारों ने नृत्य के साथ बुंदेली गीत-संगीत की धूम मचाई, तो आल्हा गायन ने महफिल में जोश भर दिया। मेले में आज भी सैकड़ों साल पुराने आल्हा गायन और आल्हा सुनने की परम्परा कायम है।

दो दिन में बिक गए 10 हजार लाठी-डंडे

मेले में शुरू के दो दिनों में ही 10 हजार से अधिक लाठी-डंडों की बिक्री हो चुकी है। लाठी खरीदने के लिए ग्रामीण साल भर कजली मेले का इंतजार करते हैं। कजली मेले में इस बार आए नई तरह की रेलगाड़ी और डांसिंग झूले का बच्चे आनंद ले रहे हैं।

844 साल पुराने महोबा के कजली मेला में बुंदेली संस्कृति की धूम

पिया मेहंदी लिया दे...

सांस्कृतिक मंच पर संगीता तिवारी ने जहां पारंपरिक लोकगीतों की मधुर प्रस्तुति दी, वहीं उमाशंकर सेन और बृजेंद्र कुमार के आल्हा गायन ने वीरता की झलक दिखाई। संगीताचार्य अबोध सोनी और उनकी टीम ने स्वागत गीत से महफिल में चार चांद लगाए। मुख्य आकर्षण लखनऊ की टीम ज्ञानेश्वर ज्ञानी द्वारा प्रस्तुत नाट्य कृति 'मन मन में राम' रही।

लेखक: *नईमुर्रहमान, महोबा*

नक्कारखाने की तूती न बन जाए साज और आवाज की गजब शान

शास्त्रीय और सुगम संगीत के साथ लोक गायकी व नृत्य कला में किया जाता नगाड़ा का इस्तेमाल

नगाड़ा और नक्कारा दोनों ही पारंपरिक भारतीय ढोल वाद्य यंत्र हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल, आकार और उत्पत्ति में थोड़ा अंतर है। नगाड़ा काफी कुछ ढोल जैसा होता है। इसे 'दुन्दुभि' भी कहा जाता है। नगाड़ा सामान्यतया जोड़े में लकड़ी की छड़ियों से बजाया जाता है। इसे नौबत (नौ पारंपरिक वाद्य यंत्रों का समूह) का हिस्सा माना जाता है। नगाड़ा आमतौर पर कांसे या मिट्टी से बना और चमड़े से मढ़ा होता है। इसे पहले शाही दरबार और युद्धों में बजाया जाता था। अब धार्मिक जुलूसों तथा अनुष्ठानों में बजाया जाता है। इसकी आवाज भारी होती है, और दूर तक जाती है। नगाड़ा का उपयोग शहनाई और अन्य वाद्य यंत्रों के साथ संगत में लय प्रदान करने के लिए भी किया जाता है। के मुकाबले नक्कारा एक छोटा ढोल है। यह तांबे या पीतल से बना तथा चमड़े से मढ़ा होता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से लोक नृत्य और कलाओं के अतिरिक्त त्योहारों व धार्मिक अनुष्ठानों में किया जाता है। इसकी ध्वनि नगाड़े से थोड़ी हल्की होती है। नौटंकी कला में नक्कारा वाद्य यंत्र का नृत्य के साथ जमकर प्रयोग किया जाता है।

शहनाई व सुरनाई के साथ संगीत को लय देता नगाड़ा

- पारंपरिक भारतीय ताल वाद्य नगाड़ा को नक्कारा या नगारा भी कहा जाता है। इसे आमतौर पर शहनाई, सुरनाई, या नफीरी जैसे वाद्य यंत्रों के साथ खूब बजाया जाता है। विशेष रूप से शहनाई के साथ शादियों और समारोहों का यह लंबे समय तक अभिन्न अंग रहा है। लेकिन नगाड़ा का ज्यादा उपयोग धार्मिक जुलूसों, युद्ध के मैदानों में और यहां तक कि ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण घोषणाओं के लिए भी किया जाता रहा है। नगाड़ा को डंडों से बजाया जाता है। इसका उपयोग न केवल संगीत में लय प्रदान करने के लिए किया जाता है, बल्कि संदेश फैलाने और गर्व की भावना जगाने के लिए भी किया जाता था।

देश भर में कला-संस्कृति के उत्सव पर कृष्ण भक्ति का रंग

भगवान श्रीकृष्ण की कथा से कला के विभिन्न आयाम जुड़े हैं। ऐसे में जन्माष्टमी से पहले देश भर में कला-संस्कृति के उत्सव पर कृष्ण भक्ति का रंग चढ़ चुका है। श्रीराम भारतीय कला केंद्र द्वारा नई दिल्ली के मंडी हाऊस स्थित कमानी सभागार में महाविष्णु के पूर्णावतार की गाथा को नृत्य नाटिका के तौर पर प्रस्तुत किया जा रहा है। केंद्र की यह प्रस्तुति प्रदर्शन से ज्यादा विरासत बन चुकी है। भगवान कृष्ण के जीवन पर आधारित 'कृष्ण' नृत्य नाटिका की इस वर्ष 49वीं प्रस्तुति दी जा रही है। इसमें शास्त्रीय और लोक नृत्य शैलियों का सुंदर संगम नजर आता है। पारंपरिक परिधान, आभूषण, संगीत और प्रतीकात्मक दृश्य इसे एक संपूर्ण सांस्कृतिक और धार्मिक अनुभव बना देते हैं। नृत्य नाटिका 'कृष्ण' में श्रीकृष्ण के जन्म से लेकर अलौकिक प्रस्थान तक की जीवन यात्रा को पौराणिक कथा, संगीत और नृत्य के माध्यम से आध्यात्मिक एवं कलात्मक शैली में प्रस्तुत किया जाता है। शास्त्रीय और लोकनृत्य शैलियों जैसे मयूरभंज छऊ और कलारीपायट्टु के संगम से बनी इस नृत्य नाटिका में पारंपरिक वेशभूषा, आभूषण, प्रतीकात्मक एनीमेशन और शास्त्रीय संगीत एवं क्षेत्रीय रचनाओं से सजे संगीत ने ऐसा समृद्ध बनाया है कि दर्शक मंत्रमुग्ध होकर आनंद उठा रहे हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,235 .59	24,487 .40
गिरावट	368 .49	97 .65
प्रतिशत में	0 .46	0 .40

सोना 1,00,700 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,15,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2705, राज श्री 1810, फ़ॉर्चून कि . 2185, रविन्द्रा 2600, फॉर्चुन 13 किलो 1915, जय जवान 1945, सचिन 1970, सूरज 1945, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किलो 1805, क्लासिक (किलो) 2065, मोर 2135, चक्र टिन 2440, ब्लू 2035, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2645

किराना (प्रतिकु .) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु .) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5किलो) 10300, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4350

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 10000, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली, 7250-7700 मलका दाल, 7600-7900, मलका छाँटी 7800, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-10900, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7600, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7400, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 6900, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9300, मोटा हीरा 11300, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10400

चीनी : डालमियां 4400, पीलीभीत 4300, सितारगंज 4250, धामपुर 4450

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5100, मसूरी- 4100, बासमती- 9200, परमल- 3700

दाल दलहन : काला चना- 7200, साबुत चना दाल- 7400,मूंग साबुत- 9100, राजमा- 12000-14100,दाल उड़द- 9000, साबुत मसूर दाल- 7000, मसूर दाल- 7500, उड़द साबुत- 8400, काबुली चना- 10600, अरहर दाल- 11400, लोबिया/करमानी- 9100

बैंक शेयरों में बिकवाली से गिरा बाजार

निवेशकों के सतर्क रुख से सेंसेक्स 368 अंक फिसला, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई, एजेंसी

मुद्रास्फीति का आंकड़ा आने से पहले निवेशकों के सतर्क रुख अपनाने और बैंकों के शेयरों में बिकवाली होने से मंगलवार को स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट रही। सेंसेक्स 368 अंक टूटा जबकि निफ्टी को 98 अंकों का नुकसान हुआ।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 368.49 अंक गिरकर 80,235.59 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 833.31 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 80,997.67 के ऊपरी एवं 80,164.36 के निचले स्तर तक गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 97.65 अंक यानी 0.40 प्रतिशत गिरकर 24,487.40 अंक पर बंद हुआ।

विश्लेषकों ने कहा कि सतर्क निवेशक 15 अगस्त को होने वाली अमेरिका-रूस वार्ता से भी आने वाले संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, इटर्नल, बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर गिरकर बंद हुए। हालांकि, मारुति, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एनटीपीसी में तेजी का रुख देखने को मिला।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक व्यापार से जुड़े घटनाक्रम और आने वाले मुद्रास्फीति आंकड़ों को देखते हुए घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार हुआ। अगर अमेरिकी मुद्रास्फीति पर शुल्क वृद्धि का कोई संकेत दिखता है तो फेडरल रिजर्व के नीतिगत रुख पर उसका असर देखने को मिल सकता है।

● 15 अगस्त को होने वाली अमेरिका और रूस की वार्ता के परिणामों का निवेशक कर रहे हैं इंतजार

मिड और स्मॉल कैप में मामूली बढ़त

मझोली कंपनियों का बीएसई मिडकैप सूचकांक 0 .25 प्रतिशत गिर गया जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 0 .04 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में से बैंकिंग खंड में 0 .83 प्रतिशत, पूंजीगत उत्पाद खंड में 0 .76 प्रतिशत और रियल्टी खंड में 0 .75 प्रतिशत की गिरावट रही। हालांकि तेल एवं गैस, स्वास्थ्य देखभाल, धातु एवं उपयोगिता खंड में तेजी रही।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि जापान का निक्की सूचकांक, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में कारोबार का मिला-जुला रुख देखा गया। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .18 प्रतिशत बढ़कर 66 .75 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

एफआईआई ने 1,202.65 करोड़ के शेयरों बेचे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,202 .65 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की शुद्ध रूप से बिकवाली की थी। सेंसेक्स सोमवार को 746 .29 अंक बढ़कर 80,604 .08 अंक और निफ्टी 221 .75 अंक चढ़कर 24,585 .05 अंक पर बंद हुआ था।

नए आयकर विधेयक में अग्रिम कर पर ब्याज प्रावधान के लिए सुधार अधिसूचना जारी

तय तिथि तक अग्रिम कर की कम अदायगी पर 3% ब्याज की वसूली

● आयकर विधेयक- 2025 छह दशक पुराने अधिनियम-1961 की लेगा जगह

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने नए आयकर विधेयक में अग्रिम कर की कम अदायगी पर ब्याज वसूली संबंधी प्रावधान को लेकर मंगलवार को एक सुधार अधिसूचना जारी की। इस अधिसूचना में निर्धारित तारीख तक अग्रिम कर की कम अदायगी करने पर तीन प्रतिशत ब्याज की वसूली का प्रावधान किया गया है।

साथ ही इस प्रावधान को आयकर अधिनियम, 1961 के मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप बनाया गया है। मौजूदा नियमों के तहत जिन करदाताओं पर 10,000 रुपये या उससे अधिक का कर देय होता है, उन्हें अग्रिम कर चार किस्तों में चुकाना होता है। इन किस्तों के लिए 15 जून, 15 सितंबर, 15 दिसंबर और 15 मार्च की तारीखें नियत होती हैं। सोमवार को लोकसभा में पारित आयकर (संख्या-2) विधेयक, 2025 में प्रावधान था कि अगर तिमाही की नियत तिथि के अगले दिन ही अग्रिम कर राशि में कमी पूरी कर दी जाए तो एक माह का एक प्रतिशत ब्याज ही लगेगा।

सलाहकार कंपनी नांगिया एंडरसन एलएलपी में साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि यह प्रावधान मौजूदा कर कानून के अनुरूप नहीं था और अब सुधार अधिसूचना से स्पष्टता लाकर मौजूदा प्रावधान के अनुरूप संशोधित किया गया है। यदि अग्रिम कर की राशि में कमी नियत तिथि से एक दिन भी आगे पूरी की जाती है तो कम से कम तीन महीने का ब्याज देना होगा। आयकर (संख्या-2) विधेयक, 2025 कानून की शक्ल लेने पर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेगा। इसमें अध्यायों एवं शब्दों की संख्या को घटाकर कर कानून को सरल बनाया जाएगा।

एफडीआई सीमा 100% करने से बढ़ेगा रोजगार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि भारतीय बीमा कंपनियों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 74 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने से बाजार में अधिक कंपनियां आएंगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। बेहतर तकनीकों और स्वचालन से दावों के निपटान की प्रक्रिया तेज होगी, जिससे समय की बचत, लागत में कमी और क्षेत्र की समग्र दक्षता में सुधार होगा। भारतीय बीमा कंपनियों में एफडीआई सीमा बढ़ाने की घोषणा एक फरवरी 2025 को पेश आम बजट में की गई थी। निवेश से जुड़े प्रावधान बीमा अधिनियम, 1938 के तहत आते हैं, जिसमें निवेश की सुरक्षा, तरलता और नीति धारकों के हितों के अनुरूप नियामकीय निगरानी पर जोर दिया गया है।

प्रत्यक्ष कर संग्रह 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में अबतक 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रहा। कर संग्रह में कमी का कारण रिफंड का अधिक होना है। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

प्रत्यक्ष कर में कंपनियों, व्यक्तियों, पेशेवरों और अन्य संस्थाओं की आय पर कर शामिल हैं। शुद्ध कंपनी कर संग्रह 2.29 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि गैर-कंपनी कर (जिसमें व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार और कंपनी शामिल हैं) संग्रह 4.12 लाख करोड़ रुपये रहा। आंकड़ों के अनुसार, 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) संग्रह 22,362 करोड़ रुपये रहा। शुद्ध रूप से संग्रह 3.95 प्रतिशत घटकर 6.64 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की इसी अवधि में 6.91 लाख करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अब तक जारी किया गया रिफंड 10 प्रतिशत बढ़कर 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा। 1 अप्रैल से 11 अगस्त के बीच सकल संग्रह (रिफंड से पहले) 1.87 प्रतिशत घटकर 7.99 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 8.14 लाख करोड़ रुपये था। सरकार ने चालू वित्त वर्ष (2025-26) में प्रत्यक्ष कर संग्रह 25.20 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया है, जो सालाना आधार पर 12.7 प्रतिशत अधिक है।

● रिफंड के अधिक होने से आई कर संग्रह में गिरावट

ब्रिटेन से समझौता निर्यातकों के लिए बड़ा अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि ब्रिटेन के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते से परिधान, घरेलू वस्त्र, कालीन तथा हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही 2030 तक कपड़ा निर्यात में 30-45% की वृद्धि का अनुमान है।

विशेषज्ञों के अनुसार, घरेलू निर्यातकों को इस समझौते का फायदा उठाना चाहिए जो सालाना 27 अरब डॉलर मूल्य का कपड़ा आयात करता है। खासकर ऐसी स्थिति में जब इस क्षेत्र पर अमेरिकी शुल्क अधिक हैं। भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर हुए थे। ब्रिटेन, भारत का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। 2024 में वस्त्र निर्यात में इसकी 5.80% हिस्सेदारी थी। भारत का विश्व को कुल निर्यात 37 अरब डॉलर है। भारत 6.6% बाजार हिस्सेदारी (1.79 अरब डॉलर) के साथ यह ब्रिटेन का चौथा सबसे बड़ा कपड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह चीन (25.4%), बांग्लादेश (19.9%) व तुर्किये (7.9%) से कम है। सीईटीए से भारत का कपड़ा निर्यात ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त होगा। इससे सिले-सिलाए व घरेलू वस्त्र, कालीन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों को लाभ होगा जिससे निर्यात को बढ़ावा देने के प्रबल अवसर उत्पन्न होंगे।

निर्यातकों को होगा प्रतिस्पर्धी लाभ

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से शुल्क से जुड़ी पिछली असुविधाएं दूर होंगी और भारतीय निर्यातकों को प्रतिस्पर्धी लाभ मिलेगा। ब्रिटेन के आयात में भारत की हिस्सेदारी को 6 से बढ़ाकर 12% (1.1-1.2 अरब डॉलर अतिरिक्त वार्षिक) करने की क्षमता है। यह समझौता 2030 तक ब्रिटेन को वस्त्र निर्यात को 30-45 प्रतिशत तक बढ़ा सकता है जिससे निर्यात मूल्य में 50-80 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय

हंगामे के बीच दोनों सदनों में छह विधेयक पारित

सदन की कार्यवाही तीन बार के स्थगन के बाद सोमवार तक के लिए हुई स्थगित

● लोस में भारतीय पत्तन, खान और खनिज संशोधन विधेयक-2025 संक्षिप्त चर्चा के बाद हुए पारित

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विपक्ष के विरोध को नजरअंदाज कर अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाया और संसद के दोनों सदनों ने मंगलवार को अलग-अलग छह विधेयकों को मंजूरी प्रदान की।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मुद्दे को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा ने दो विधेयकों- 'खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक' तथा 'भारतीय पत्तन विधेयक' को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित कर दिया। लोकसभा में कुछ नोकझोंक भी हुई, जब विपक्षी सदस्यों ने कागज फाड़े और उसके टुकड़े आसन की ओर फेंक दिए। एसआईआर मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्षी सदस्यों ने राज्यसभा में बहिर्गमन किया और सरकार ने संक्षिप्त बहस के बाद चार विधेयक पारित करा लिये। राज्यसभा ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 और राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक, 2025 और आयकर विधेयक पारित किया। कराधान विधि (संशोधन) विधेयक- को भी संक्षिप्त चर्चा एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के जवाब के बाद लोकसभा को लौटा दिया। लोकसभा ने सोमवार को दोनों विधेयकों को पारित कर दिया था। सीतारमण ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता में संशोधन के लिए लोकसभा में एक विधेयक पेश किया और आसन से आग्रह किया कि इसे गहन विचार के लिए सदन की प्रवर समिति को भेजा जाए। संसद के दोनों सदनों की अगली बैठक पांच दिन के स्वतंत्रता दिवस अवकाश के बाद 18 अगस्त को होगी।

लोकसभा में विपक्षी दल के सदस्यों के विरोध प्रदर्शन ने उस समय उग्र रूप ले लिया जब कुछ सदस्यों ने कागज़ फाड़कर आसन की ओर फेंक दिया। वहीं लोकसभा में एसआईआर के मुद्दे को लेकर विपक्ष के बार-बार हंगामा करने और सदन की कार्यवाही तीन बाद के स्थगन के बाद सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

नई दिल्ली में संसद के मानसून सत्र के दौरान मंगलवार को लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू और अन्य सदस्य। एजेंसी

रीजीजू ने हंगामे पर की विपक्ष की आलोचना

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता में संशोधन के लिए विधेयक पेश किया और पीठासीन सभापति से आग्रह किया कि इसे सदन की प्रवर समिति को भेजा जाए, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। विपक्ष के हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने विपक्षी दलों के सदस्यों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने आसन की ओर कागज के टुकड़े फेंक कर सदन की गरिमा को गिराया है। रीजीजू ने कहा, हम लोगों ने जिंदगी भर विपक्ष में बैठकर काम किया है। ऐसा व्यवहार हमने कभी नहीं देखा है। हम लोग भी संघर्ष करते थे, प्रोटेस्ट (विरोध-प्रदर्शन) करते थे, लेकिन हम लोग तरीके से करते थे। आप ने सदन की गरिमा को गिराया है। मैं इसका खंडन करता हूं। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई पर आसन पर कागज के टुकड़े फेंकने को उकसाने का आरोप लगाया।

संसद में रहेगा पांच दिन का अवकाश

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में कल 13 से 17 अगस्त तक पांच दिन का अवकाश रहेगा। लोकसभा व राज्यसभा की बैठकों को सोमवार 18 अगस्त पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया। मानसून सत्र के घोषित कार्यक्रम के अनुसार, 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस का अवकाश है। संसद सदस्य अपने निर्वाचन क्षेत्रों/राज्यों में स्वाधीनता दिवस संबंधी कार्यक्रमों में भाग ले सकें, इसे ध्यान में रखते हुए 13 एवं 14 अगस्त को भी अवकाश पहले ही घोषित कर दिया गया था। शनिवार एवं रविवार को दोनों सदनों की बैठकें नहीं होती।

ईसी ने मुख्य सचिव से दागियों को न हटाने पर मांगा स्पष्टीकरण

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने बंगाल के मुख्य सचिव मनोज पंत को मंगलवार को समन जारी किया और कहा कि वह 'दागी' अधिकारियों को न हटाने पर दिल्ली आकर स्पष्टीकरण दें। यह घटनाक्रम तब हुआ जब पश्चिम बंगाल सरकार ने एक दिन पहले आयोग को पत्र लिखकर कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण में कथित अनियमितताओं को लेकर अभी अपने अधिकारियों को निलंबित करने का उसका कोई इरादा नहीं है।

राज्य के शीर्ष नौकरशाह को बुधवार शाम पांच बजे तक निर्वाचन सदन में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया गया। चुनाव निकाय का निर्देश ऐसे समय आया जब पंत ने सोमवार को उसे पत्र भेजकर कहा था कि निर्वाचन आयोग द्वारा चिह्नित अधिकारियों को निलंबित करना व उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना कठोर होगा तथा बंगाल के अधिकारी समुदाय पर इसका निराशाजनक प्रभाव पड़ेगा।

अनुसंधान में अरबों डॉलर निवेश कर रहा भारत: मोदी

मुंबई, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत अनुसंधान में अरबों डॉलर का निवेश कर रहा है। मुंबई में खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड को वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में परंपरा और नवाचार का मेल है। भारत के पास दुनिया की सबसे ऊंची खगोलीय वेधशालाओं में से एक लद्दाख में है। तारों पर अध्ययन करने को यह वेधशाला समुद्र तल से 4,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

मोदी ने कहा, भारत अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की शक्ति में विश्वास करता है। विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों पर कहा, हम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफलतापूर्वक उतरने वाले पहले देश थे। भारत वैज्ञानिक जिज्ञासा को पोषित करने और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अटल टिंकरिंग लैब्स में एक करोड़ से अधिक छात्र व्यावहारिक प्रयोगों के माध्यम से एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) अवधारणाओं को समझ रहे हैं।

● खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी पर 18वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड को किया संबोधित

शुभांशु की सराहना की

मोदी ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की सराहना की, जो अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के 18 दिवसीय सफल मिशन से लौटे हैं। मोदी ने कहा, शुभांशु ने ऐतिहासिक मिशन पूरा किया। यह सभी के लिए गर्व का क्षण था और आप जैसे युवा खोजकर्ताओं के लिए प्रेरणा है।

'वोट चोरी' के आरोपों पर राहुल ने कहा- अभी पिक्चर बाकी है

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग पर 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत को लागू करने का कर्तव्य नहीं निभाने का आरोप लगाया और मतदाता सूची में अनियमितताओं के दावों का हवाला देते हुए कहा, अभी पिक्चर बाकी है।

राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी संविधान की रक्षा कर रही है और ऐसा करती रहेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने संसद भवन परिसर में कहा, यह सिर्फ एक सीट की बात नहीं है जहां 'वोट चोरी' हो रही है, बल्कि कई सीटों की बात है। यह राष्ट्रीय स्तर पर और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। चुनाव आयोग जानता है और हम भी जानते हैं। पहले सबूत नहीं था, लेकिन अब है। हम संविधान की रक्षा कर रहे हैं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसे कई मामले हैं जिनमें पते और रिश्तेदारों आदि के नाम फर्जी हैं।

इससे पहले, 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों ने संसद परिसर में बिहार में निर्वाचन आयोग की मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ प्रदर्शन किया। सांसदों ने सफेद टी-शर्ट पहन रखी थी, जिस पर 124 वर्षीय मतदाता का नाम लिखा था जो मतदाता सूची में दर्ज पायी गयी है।

● बोले- चुनाव आयोग जानता है और हम भी जानते हैं, पहले सबूत नहीं था, लेकिन अब है

हम देश के सभी नागरिकों के संरक्षक : न्यायालय

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को खुद को देश के सभी नागरिकों का 'संरक्षक' बताया और मामलों में मुवक्किलों का प्रतिनिधित्व करते समय जांच एजेंसियों द्वारा वकीलों को तलब किए जाने के संबंध में स्वतः संज्ञान मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, हम देश के सभी नागरिकों के संरक्षक हैं। पीठ ने मामले में अपना आदेश सुरक्षित रख लिया। किसी वकील के किसी अपराध में शामिल होने के मुद्दे पर पीठ ने कहा कि उसने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि साक्ष्यों से छेड़छाड़ या उन्हें गढ़ने के संबंध में सलाह देने की उनकी सामान्य कार्यप्रणाली से कोई भी विचलन उनकी प्रतिरक्षा को समाप्त कर देगा। मेहता ने कहा कि जांच एजेंसियों को कभी भी किसी वकील को पेशेवर राय देने के मुद्दे पर नहीं बुलाना चाहिए। मामले में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि मुद्दा न्याय तक पहुंच का है। हाल ही में एक वकील के खिलाफ इस आधार पर प्राथमिकी दर्ज हुई कि उनके मुवक्किल ने कहा था कि उसने उन्हें नोटरीकृत हलफनामा देने के लिए अधिकृत नहीं किया था। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि वह वकीलों के दो वर्ग नहीं बना सकती। मेहता ने उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया कि वह सभी के लिए कानून बनाए, लेकिन देश के परिदृश्य को भी ध्यान में रखे। पीठ ने आदेश सुरक्षित रख लिया।

● जांच एजेंसियों के वकीलों को तलब किए जाने के संबंध में स्वत: संज्ञान मामले में सुरक्षित रखा फैसला

सजा पूरी कर चुके कैदियों को करें रिहा

उच्चतम न्यायालय ने सजा पूरी करने के बाद भी जेल में बंद कैदियों की स्थिति पर मंगलवार को चिंता व्यक्त करते हुए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया कि अगर कोई दोषी किसी अन्य मामले में वांछित नहीं है तो उसे तुरंत रिहा किया जाए। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और केवी विश्वनाथन की पीठ ने 2002 के नीतीश कटारा हत्याकांड में सुखदेव यादव उर्फ पहलवान की रिहाई का आदेश देते हुए यह निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि यादव ने इस साल मार्च में बिना किसी छूट के 20 साल की सजा पूरी कर ली है। इस आदेश की प्रति रजिस्ट्री द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के गृह सचिवों को भेजी जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या कोई आरोपी या दोषी सजा की अवधि से अधिक समय तक जेल में है।

भारत विश्व का कल्याण चाहने वाला देश: भागवत

सीकर, एजेंसी

आरएसएस के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत हमेशा से ही विश्व का कल्याण चाहने वाला देश है और यहां के वेदों में सभी शास्त्र निहित हैं। भागवत ने मंगलवार को राजस्थान के सीकर जिले में स्थित श्री जानकीनाथ बड़ा मंदिर, रैवासा धाम में ब्रह्मलीन स्वामी राघवाचार्य वेदांती महाराज की प्रथम पुण्यतिथि पर श्री सियपिय मिलन समारोह को संबोधित किया।

उन्होंने स्वामी राघवाचार्य की तीन फुट ऊंची संगमरमर की प्रतिमा का अनावरण और नव-निर्मित गुरुकुल भवन का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि इतिहास ने भी जब आंखें नहीं खोली थीं, तब से विश्व को सत्य, धर्म और आध्यात्म का मार्ग दिखाने तथा मानवता के कल्याण का कार्य भारत और हिंदू समाज कर रहा है। भारत के स्वतंत्र होने के बाद लोगों ने भविष्यवाणी की थी कि यहां प्रजातंत्र चल नहीं सकता, लेकिन प्रजातंत्र चला और जब संकट आया तो लोगों ने उसका प्रतिकार करके प्रजातंत्र को कायम रखा है।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका ने दी सबरीमला तीर्थयात्रा को मान्यता

कोलंबो। श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने भारत के केरल राज्य में स्थित सबरीमला अयप्पा स्वामी मंदिर की अपने नागरिकों द्वारा की जाने वाली वार्षिक तीर्थयात्रा को मान्यता देने का फैसला किया है। मंत्रिमंडल की एक विज्ञप्ति के मुताबिक यह निर्णय सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। इसमें कहा गया कि हर साल 15,000 से अधिक श्रीलंकाई नागरिक सबरीमला की यात्रा करते हैं, इस तीर्थयात्रा को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त माना जाएगा। विज्ञप्ति के मुताबिक, लंबे समय से श्रीलंकाई श्रद्धालु हर साल एक नवंबर से 31 जनवरी तक भारत के केरल स्थित प्रसिद्ध सबरीमला अयप्पा कोविल (मंदिर) में पूजा करते आ रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी की गिरफ्तारी का आदेश

सियोल। दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने रिश्वतखोरी, स्टॉक में हेरफेर और एक उम्मीदवार के चयन में दखलंदाजी सहित विभिन्न संदिग्ध अपराधों के आरोपों के बीच मंगलवार को जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल की पत्नी को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जांचकर्ताओं ने बताया कि सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंगलवार देर शाम किम कियोन ही का गिरफ्तारी वारंट जारी किया। सियोल की नई लिबरल पार्टी की सरकार द्वारा किम के खिलाफ शुरू कराई गई यह जांच तीन विशेष अभियोजक जांचों में से एक है। कंजरवेटिव पार्टी के नेता यून को अप्रैल में पद से हटा दिया गया था।

मुंबई: इंडिगो शुरू करेगी दो अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सितंबर में मध्य एशियाई देशों के लिए मुंबई से दो नयी उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने बताया कि वह 01 सितंबर से उज्बेकिस्तान की राजधानी ताशकंद और 02 सितंबर से कजाकिस्तान के अल्माटी के लिए मुंबई से सीधी उड़ानें शुरू करेगी। दोनों उड़ानें सप्ताह में चार दिन होंगी। उड़ान संख्या 6E 1821 मुंबई से सुबह 9 .55 बजे ताशकंद के लिए रवाना होगी। यह सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी।

बारामूला : खाई में गिरने से जवान की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा के पास एक गहरी खाई में फिसलकर एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने बताया कि ये घटना कल उरी सेक्टर के बिजहामा इलाके में हुई जब तेलंगाना निवासी 30 वर्षीय सिपाही बनोथ अनिल कुमार नियंत्रण रेखा के पास गश्त के दौरान गलती से एक खाई में फिसल गए। श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने कहा कि उन्हें बारामूला जिले में नियंत्रण रेखा पर ऑपरेशनल ड्यूटी निभाते हुए बहादुर सिपाही बनोथ अनिल कुमार के अनमोल जीवन की हानि पर गहरा दुख है।

ग्रोक और एक्स की अनदेखी पर मस्क ने दी एप्पल को केस करने की धमकी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन करने का आरोप लगाया

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने कहा कि वह 'ऐप स्टोर' में एक्स और ग्रोक को शीर्ष अनुशंसित ऐप में शामिल नहीं करने के लिए एप्पल पर मुकदमा करने की योजना बना रहे हैं।

मस्क स्पेसएक्स, टेस्ला तथा एक्स के मालिक हैं। ग्रोक उनका कृत्रिम बुद्धिमत्ता चैटबॉट है। इसका स्वामित्व मस्क के कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्टार्टअप एक्सएआई के पास है। मस्क ने सोमवार देर रात एक्स पर पोस्ट किया, एप्पल ऐप स्टोर, आप एक्स या ग्रोक को अपने जरूरी खंड में डालने से इनकार क्यों करते हैं, जबकि एक्स दुनिया का शीर्ष समाचार ऐप है और ग्रोक सभी ऐप्स में पांचवें स्थान पर है। क्या आप राजनीति कर रहे हैं, क्या बात है। जिज्ञासु लोग जानना चाहते हैं।

मस्क ने आगे कहा कि एप्पल इस तरह से व्यवहार कर रही है कि ओपनएआई के अलावा किसी भी एआई कंपनी के लिए ऐप स्टोर में नंबर एक पर पहुंचना असंभव है, जो एक स्पष्ट रूप से प्रतिस्पर्धा कानून का उल्लंघन है। एक्सएआई तत्काल कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने इस बारे में आगे कोई विवरण नहीं दिया।

... ताकि दुनिया में फिर न हो हिरोशिमा-नागासाकी जैसी तबाही

परमाणु संधि के बंधन

भारत के साथ तनाव के बीच पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर परमाणु हमले की धमकी आई है। विशेष यह है कि इस बार यह धमकी पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने दी है, जो संकेत है कि लोकतंत्र का मुखौटा लगाए पड़ोसी देश के राजनीतिक नेतृत्व पर सेना किस कदर हावी है। इसे आंतरिक राजनीति का भी हिस्सा माना जा सकता है, क्योंकि पाकिस्तान में लगातार सैन्य तख्तापलट की आशंकाएं जताई जा रही हैं। हालांकि फिर भी इस धमकी ने यह चिंता पैदा की है कि पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व परमाणु हथियारों को कैसे राजनीतिक या सैन्य दबाव के साधन के रूप में देखता है। हालांकि दुनिया ने हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु विध्वंस से सबक लेकर कई पाबंदियां लागू की हैं।

परमाणु संधि और समझौते

- परमाणु संधि पर 191 देशों के हस्ताक्षर हैं। भारत, पाकिस्तान, इजराइल हस्ताक्षर न करने वाले देश हैं। उत्तर कोरिया संधि से बाहर निकल चुका है।
- इसमें नए देशों के परमाणु हथियार न बनाने, नए देशों को परमाणु हथियार न देने और सिर्फ शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक साझा करने के नियम हैं।
- भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय 1999 का लाहौर समझौता और 1988 का परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान समझौता है।

किस पर कितने परमाणु हथियार

वर्ष 2025 में अनुमानित तौर पर रूस के पास सर्वाधिक 5,580, अमेरिका के पास 5,044, चीन के पास 500, फ्रांस के पास 290, ब्रिटेन के पास 225, पाकिस्तान के पास 170–180, भारत के पास 165, इजराइल के पास 90 और उत्तर कोरिया के पास 50 से 60 परमाणु हथियार हैं।

पाकिस्तान की धमकी पर आशंकाएं

- डोनाल्ड ट्रंप समेत कई वैश्विक नेताओं ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को दुनिया के सबसे खतरनाक फ्लैशपॉइंट्स में से एक बताया है।
- कारण यह है कि दोनों देश परमाणु संपन्न हैं और कश्मीर सीमा पर दोनों देशों के बीच बार-बार या लगातार झड़पें होती रहती हैं।

पाकिस्तान की नीति- फर्स्ट यूज

- वर्ष 2025 के अनुमान के अनुसार पाकिस्तान के पास लगभग 170 से 180 परमाणु वारहेड हैं।
- इन्हें दागने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन, गौरी, अब्दाली, और क्रूज मिसाइल बाबर और राद हैं।
- पाकिस्तान के पास मौजूद फाइटर प्लेन एफ- 16 और जेएफ- 17 परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हैं
- पाकिस्तानी नीति फर्स्ट यूज की है, यानी पारंपरिक युद्ध में हारने पर वह परमाणु हथियार चला सकता है।
- पाकिस्तान की फर्स्ट यूज की रणनीति है और भारत की नो फर्स्ट यूज की। इसके बाद भी तनाव बढ़ने पर टकराव का खतरा रहता है।

ये की जा सकती है कार्रवाई

- भारत की ओर से पाकिस्तान की धमकी के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में मामला उठा सकता है।
- इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी और यूनाइटेड नेशंस जनरल असेंबली में मुद्दा रखा जा सकता है।
- जी- 7, जी- 20 और ओआईसी में पाकिस्तान को अलग-थलग करने की कोशिश हो सकती है।
- परमाणु क्षमताओं पर रोक तभी लग सकती है जब अमेरिका, चीन, रूस जैसी बड़ी शक्तियां सहमत हों।

अमेरिका-चीन ने आयात शुल्क पर लगी रोक को 90 दिन के लिए बढ़ाया

व्हाइट हाउस और चीनी वाणिज्य मंत्रालय ने की संयुक्त घोषणा, टकराव टला

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चीन के साथ व्यापार समझौते को 90 दिनों के लिए और बढ़ा दिया, जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच एक बार फिर से होने वाला खतरनाक टकराव टल गया है।

व्हाइट हाउस और चीनी वाणिज्य मंत्रालय की ओर से जारी संयुक्त बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने 12 अगस्त से शुरू होकर 90 दिनों की अतिरिक्त अवधि के लिए आयात शुल्क दर के 24 प्रतिशत अंक निलंबित करने पर सहमति व्यक्त की है, जबकि उन वस्तुओं पर शेष 10 प्रतिशत की यथामूल्य दर को बरकरार रखा जाएगा। बयान में कहा गया है कि चीनी पक्ष अमेरिका के विरुद्ध गैर-टैरिफ प्रतिवादों को निलंबित या रद्द करने के लिए आवश्यक कदम उठाना जारी रखेगा।

ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ सोशल' मंच पर पोस्ट किया कि उन्होंने विस्तार के लिए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं और समझौते की अन्य सभी बातें जस की तस रहेंगी। चीन के साथ व्यापारिक समझौते की 90 दिन की पिछली समय सीमा मंगलवार रात 12 बजकर एक मिनट पर खत्म होने वाली थी। अगर ऐसा होता, तो अमेरिका चीन से होने वाले आयात पर पहले से जारी 30 प्रतिशत के उच्च करों को और बढ़ा सकता था और चीन अमेरिकी निर्यात पर जवाबी शुल्क बढ़ाकर इसका जवाब दे सकता था।

समझौते की अवधि बढ़ाने से दोनों देशों को अपने मतभेदों को सुलझाने का समय मिल गया है, जिससे संभवतः इस साल के अंत में ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच शिखर सम्मेलन का रास्ता साफ हो गया है। वहीं, चीन के साथ व्यापार करने वाली अमेरिकी कंपनियों ने भी इसका स्वागत किया है। 'यूएस-चाइना बिजनेस काउंसिल' के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा कि दोनों सरकारों को व्यापार समझौते पर बातचीत के लिए और समय मिलना काफी अहम है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कारोबारियों को उम्मीद है कि इससे चीन में उनकी बाजार पहुंच में सुधार होगा।

पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने ट्रंप को बड़बोला बताया

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के एक पूर्व अधिकारी ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने और ट्रंप के उस हालिया बयान की आलोचना की है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत पर टैरिफ लगाने से रूस की अर्थव्यवस्था को तगड़ा झटका लगा है। पेंटागन के पूर्व अधिकारी ने ट्रंप के इस कदम की निंदा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने देश के अधिकारों के लिए खड़े होने के लिए इतिहास में दर्ज होंगे और अमेरिका यह सीखेगा कि वह भारत का कोई नुकसान नहीं कर सकता। ट्रंप ने अपनी पारस्परिक आयात शुल्क नीतियों की सफलता का बखान करते हुए कहा था कि रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर लगाये गए भारी प्रतिबंधों ने रूस को बड़ा झटका दिया है। कई देशों पर अमेरिकी आयात शुल्क लगाने से उत्पन्न वैश्विक दबाव से रूस की अर्थव्यवस्था पर भारी असर पड़ा है जिनमें से कई देश रूसी ऊर्जा और हथियारों के शीर्ष खरीदार हैं।

ईयू नेताओं की यूरोप के सुरक्षा हितों की रक्षा की अपील

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) के नेताओं ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से अपील की कि वह इस सप्ताह अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन में युद्ध को लेकर होने वाली अहम बैठक में उनके सुरक्षा हितों की रक्षा करें। यूरोपीय देश इस शुक्रवार होने वाली बैठक में अपनी भूमिका सुनिश्चित करना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इस बैठक से बाहर रखा गया है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि यूक्रेन इसमें शामिल होगा या नहीं। ट्रंप ने कहा है कि वह देखना चाहते हैं कि पुतिन युद्ध खत्म करने को लेकर गंभीर हैं या नहीं। यह युद्ध अब चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हालांकि, ट्रंप ने यह कहकर यूरोप में अमेरिकी सहयोगियों को निराश किया है, कि यूक्रेन को रूस के कब्जे वाले कुछ क्षेत्रों को छोड़ना होगा।

तिरंगा यात्रा

स्वतंत्रता दिवस नजदीक आने के साथ देश भर में देशभक्ति को प्रदर्शन करने वाले कार्यक्रम होने लगे हैं। राजस्थान के बीकानेर में बीएसफ के जवानों ने मंगलवार को तिरंगा यात्रा निकाली और फिर नारेबाजी करते हुए तिरंगे लहराए। एजेंसी

बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़, पांच गिरफ्तार

चंडीगढ़, एजेंसी

- स्वतंत्रता दिवस पर हमले करने की दी गई थी जिम्मेदारी

पंजाब पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए राजस्थान से पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में से एक को जब बरामदगी के लिए ले जाया जा रहा था तभी उसकी पुलिस से मुठभेड़ हो गई जिसमें वह पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि बीकेआई के इस आंतकी मॉड्यूल ने शहीद भगत सिंह (एसबीएस) नगर में एक शराब की दुकान पर हमले की साजिश रची थी और इन्हें स्वतंत्रता दिवस के दिन ऐसे ही हमलों का काम भी दिया गया था।

पुलिस ने उनके पास से एक हथगोला और एक .30 बोर की पिस्तौल, दो कारतूस और .30 बोर के दो खाली खोखे बरामद किए। यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कामयाबी में जालंधर की 'काउंटर इंटेलिजेंस' ने एसबीएस नगर पुलिस के साथ मिलकर बीकेआई के आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश किया। यह आतंकी नेटवर्क पाकिस्तान स्थित बीकेआई के हरविंदर रिंदा के इशारे पर विदेशी आकाओं मनु अगवान, गोपी नवाशहरिया और जीशान अख्तर द्वारा संचालित किया जा रहा था। उन्होंने कहा, राजस्थान के टोंक और जयपुर जिलों से पांच गुर्गों को गिरफ्तार किया गया और उनकी भविष्य के हमलों की साजिश को नाकाम कर दिया। डीजीपी के अनुसार, आरोपियों को विदेश स्थित जीशान अख्तर और बब्बर खालसा इंटरनेशनल के सरगना मनु अगवान से सीधे निर्देश मिल रहे थे।

दलाई लामा सेमिलने पर चेक राष्ट्रपति के साथ चीन के सभी संबंध निलंबित

बीजिंग, एजेंसी

- राजनयिक विरोध भी दर्ज कराया, कहा- ये राजनीतिक प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन

चीन ने मंगलवार को कहा कि उसने तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा से हाल में मुलाकात के कारण वह चेक गणराज्य के राष्ट्रपति पेत्र पावेल के साथ सभी प्रकार के संबंध समाप्त करने का निर्णय लिया है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि पावेल और दलाई लामा की मुलाकात को लेकर बीजिंग ने चेक गणराज्य के समक्ष राजनयिक विरोध दर्ज कराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पावेल की मुलाकात पर कहा, चीन के बार-बार विरोध और कड़े ऐतराज़ की अवहेलना करते हुए चेक राष्ट्रपति पेत्र पावेल भारत गए और दलाई लामा से मुलाकात की। प्रवक्ता ने मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर कहा, यह चेक सरकार द्वारा चीन सरकार के साथ की गई राजनीतिक प्रतिबद्धताओं का गंभीर उल्लंघन है और चीन की संप्रभुता तथा क्षेत्रीय अखंडता को नुकसान पहुंचाता है।

प्रवक्ता ने कहा, चीन इस पर कड़ी निंदा करता है और इस संबंध में चेक पक्ष के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है। पावेल की इस उकसावे भरी कार्रवाई की गंभीरता को देखते हुए चीन ने उनके साथ सभी संबंध समाप्त करने का निर्णय लिया है।

बिलावल की घुड़की: युद्ध के लिए मजबूर किया तो पीछे नहीं हटेंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो-जरदारी ने कहा है कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने का भारत का फैसला सिंधु घाटी सभ्यता और संस्कृति पर हमला है।

बिलावल ने सोमवार को सिंधी संत शाह अब्दुल लतीफ भिटाई की दरगाह पर तीन-दिवसीय वार्षिक उत्सव के समापन समारोह में यह भी कहा कि पाकिस्तान हमेशा शांति की वकालत करता है, लेकिन अगर भारत उसे युद्ध के लिए मजबूर करता है, तो देश पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा, अगर युद्ध हुआ तो शाह अब्दुल लतीफ भिटाई की धरती से हम मोदी सरकार को संदेश देंगे कि हम पीछे नहीं हटेंगे, हम झुकेंगे नहीं और अगर आपने सिंधु नदी पर हमला करने की हिम्मत की तो पाकिस्तान के हर प्रांत के लोग आपका मुकाबला करने के लिए तैयार रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर: सेना का सिरदर्द बने बेडरूम जिहादी

श्रीनगर, एजेंसी

- घर बैठे सोशल मीडिया पर अफवाहें फैलाकर भड़का रहे हैं युवाओं को

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां 'बेडरूम जिहादियों' के रूप में एक नए और प्रच्छन्न खतरे से जूझ रही हैं। ये वे लोग हैं जो अपने घरों की सुरक्षित चारदीवारी में रहकर सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर गलत सूचना फैलाते हैं और सांप्रदायिक तनाव भड़काते हैं।

अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार का शत्रु पारंपरिक सशस्त्र आतंकवादियों से बहुत अलग है और क्षेत्र को अस्थिर करने के लिए सीमा पार से जारी पेचीदा प्रयासों के केंद्र में है। इस संबंध में एक गहन जांच में विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल के एक नेटवर्क का पता चला है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह पाकिस्तान में आतंकवादी समूहों और उनके समर्थकों द्वारा नियंत्रित है, जो स्थानीय डिजिटल क्षेत्र में सक्रिय रूप से घुसपैठ कर रहे हैं तथा कश्मीर घाटी में सांप्रदायिक तनाव और अशांति पैदा करने के उद्देश्य से भड़काऊ सामग्री एवं दुष्प्रचार का प्रसार कर रहे हैं।

एक अधिकारी ने कहा, वर्षों तक सशस्त्र आतंकवादियों से लड़ने के बाद सुरक्षा एजेंसियां इन छिपे दुश्मन का सामना कर रही हैं, ये नए युग के जिहादी कंप्यूटर और स्मार्टफोन का उपयोग करके कहीं से भी युद्ध छेड़ते हैं, अफवाहें फैलाते हैं और युवाओं को प्रभावित करते हैं। यह प्रवृत्ति 2017 में उभरी थी, लेकिन 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने के बाद इंटरनेट पर प्रतिबंध लगाने से समाप्त हो गई।

पाकिस्तान से तार जुड़े होने के मिले हैं सबूत

अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद बेडरूम जिहादी फिर से सामने आए हैं, जिनका उद्देश्य संभवतः निर्वाचित सरकार को अस्थिर करना और अशांति की भावना पैदा करना है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीमा पार से सक्रिय आतंकवादी समूहों और उनके समर्थकों द्वारा सांप्रदायिक संघर्ष भड़काने और क्षेत्र को अस्थिर करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किए जाने के एक सोचे-समझे प्रयास का खुलासा किया है। कई हफ्तों से जारी इस जांच में हजारों सोशल मीडिया पोस्ट, टिप्पणियों और संदेशों की जांच की गई। इसके विश्लेषण से उनके पाकिस्तान में बैठे आकाओं से सीधे संबंध के ठोस सबूत मिले।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 13 अगस्त, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 06 .35 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

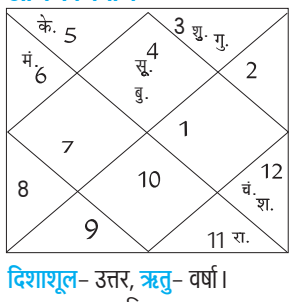

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-उत्तर भाद्रपद 10 .32 तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज कारोबार में काम का दबाव बढ़ सकता है। घर में धन को लेकर झगड़ा हो सकता है। अपने प्रयासों को किसी से व्यक्त न करें। अनावश्यक बातों को लेकर क्रोध न करें। कुछ समय आत्ममूल्यांकन के लिए अवश्य निकालें।

वृष — आज नजदीकी रिश्तेदारों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। कारोबारी लोगों को बिजनेस टूर पर जाना पड़ सकता है। आपकी सलाह से लोग प्रभावित रहेंगे। पुरानी किसी योजना के माध्यम से आपको आर्थिक लाभ हो सकता है। विवादास्पद मामलों में छुटकारा मिलेगा।

मिथुन — आज कार्यक्षेत्र की बाधाएं दूर हो सकती हैं। रुके कार्यों को निपटाने के लिए काफी अच्छा समय है। अपनी उपलब्धियों से सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक मुद्दे पर लाभ-हानि देखने से बचें। परिजनों की आवश्यकताओं का खास ध्यान रखें।

कर्क — आज परिवार में धार्मिक आयोजन हो सकता है। दूसरों की आर्थिक मदद करने से बचें। मन पसंद भोजन का आनंद उठायेंगे। लंबी दूरी की यात्रा हो सकती है। कुछ लोग आपके प्रति ईर्ष्या की भावना रख सकते हैं। घुटनों और कूल्हों में परेशानी हो सकती है।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में सहयोगियों से नुकसान उठाना पड़ सकता है। राजनीति से जुड़े लोगों को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना पड़ेगा। जीवनसाथी की इच्छाओं और भावनाओं का ध्यान रखें। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। महिलाएं घर के कार्यों में व्यस्त रहेंगी।

कन्या — आज उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना चाह रहे हैं तो उसके लिए परिस्थितियां अनुकूल हो सकती हैं। आपके विचारों में रचनात्मकता रहेगी। साझेदारी वाले व्यापार में आपको धन लाभ हो सकता है। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें।

तुला — आज रिश्तेदारों के साथ संबंध अच्छे रखने की आवश्यकता है। कारोबार की गति थोड़ी धीमी रहेगी। लेकिन आज फिर भी आपको सार्थक लाभ हो जायेगा। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। करियर में बदलाव को लेकर गम्भीर हो सकते हैं।

वृश्चिक — आज परिवार में सुख-शांति रहेगी। अनावश्यक कार्यों में आप धन बर्बाद कर सकते हैं। काम के तनाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। अपने निर्णयों को दूसरों के ऊपर न थोपें। संतान अपने माता-पिता की आज्ञा का पालन करेंगे। त्वचा में खुजली जैसी समस्या हो सकती है।

धनु — आज अपनी कार्यप्रणाली में सुधार कर सकते हैं। पर्यटन से जुड़े व्यवसायियों को लाभ मिलेगा। जीवनसाथी से सलाह लेकर कार्य प्रारम्भ करना विशेष रूप से लाभकारी रहेगा। बुजुर्गों से आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा।

मकर — आज नौकरी में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहेगा। अति आत्मविश्वास के कारण आपको व्यवसाय में हानि उठानी पड़ सकती है। अपनी गलतियों से सीखने की आदत विकसित करें। प्रेमीजन के प्रति मन में विश्वास कम हो सकता है।

कुंभ — आज घर में शुभ कार्य हो सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। लम्बित कानूनी मामले आपके पक्ष में हल हो सकते हैं। आपके पास समय की काफी उपलब्धता रहेगी। किसी पर अंधविश्वास न करें। सहकर्मी आपका मजाक उड़ा सकते हैं।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में आपका दबदबा मजबूत होगा। आप कुछ नया और रचनात्मक करने की योजना बनायेंगे। जीवनसाथी प्रत्येक मुद्दे पर आपको समर्थन देगा। किसी बड़े प्रभावी व्यक्ति से आपके संबंध मधुर हो सकते हैं। राजनीतिक मुद्दों में आप रुचि लेंगे।

सुडोकू-68

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9	3	2				7
				9			4	
	8		5			9		
7		5			9	1		
								5
		2	7			4		9
		7		5	6		9	
5	6			7				
				4	8	7		

सुडोकू - 67 का हल

3	4	6	2	8	9	5	1	7
5	2	7	1	3	6	8	4	9
9	8	1	4	5	7	3	6	2
7	9	8	3	2	1	4	5	6
6	5	2	7	4	8	9	3	1
4	1	3	6	9	5	7	2	8
1	3	4	9	7	2	6	8	5
2	7	5	8	6	4	1	9	3
8	6	9	5	1	3	2	7	4

सुब्रतो कप में श्रीलंका और नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय टीम भाग लेंगी जो टूर्नामेंट की वैश्विक पहुंच और बढ़ते कद के बारे में बहुत कुछ कहता है। टूर्नामेंट के दौरान जर्मनी में प्रशिक्षण के लिए सात खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।
-एयर मार्शल एस शिवकुमार

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 13 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

नई दिल्ली में सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के 64वें संस्करण के लिए आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान फुटबॉलर दलिमा छिब्बर (मध्य)।

सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट 19 से

नई दिल्ली : चार अंतर्राष्ट्रीय टीम सहित कुल 106 टीम 19 अगस्त से यहां शुरू हो रहे 64वें सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट में तीन आयु वर्ग में खिताब के लिए चुनौती पेश करेंगी। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयेजन जूनियर लड़कों (अंडर-17), जूनियर लड़कियों (अंडर-17) और सब जूनियर (अंडर-15) वर्ग में किया जाएगा। वायु सेना खेल नियंत्रण बोर्ड के तत्वावधान में सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसइटी द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट का आयोजन दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु के विभिन्न स्थलों पर 25 सितंबर तक किया जाएगा। एयर मार्शल एस शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा इसमें श्रीलंका और नेपाल की अंतर्राष्ट्रीय टीम भाग लेंगी जो टूर्नामेंट की वैश्विक पहुंच और बढ़ते कद के बारे में बहुत कुछ कहता है। भारतीय महिला फुटबॉलर दालिमा छिब्बर इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं।

रोनाल्डो ने जॉर्जिना से सगाई की

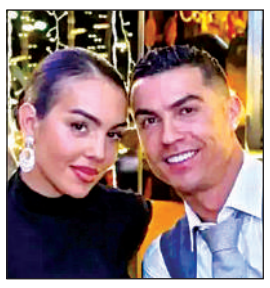

वाशिंगटन : स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लंबे समय से उनकी पार्टनर रही जॉर्जिना रोड्रिग्स ने सगाई कर ली है। जॉर्जिना 31 साल की हैं। उन्होंने सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपनी उंगली में एक बड़ी अंगूठी दिखाते हुए एक तस्वीर के साथ इस खुशखबरी की घोषणा की। जॉर्जिना ने तस्वीर के साथ स्पेनिश में कैप्शन में लिखा हां हमने सगाई कर ली है। यह मेरी जिंदगी का सबसे खूबसूरत पल है। जॉर्जिना और 40 वर्षीय रोनाल्डो की दो बेटियां हैं।

सितंबर तक अध्यक्ष बने रहेंगे बिन्नी

बेंगलुरु : पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी पिछले महीने 70 बरस के हो गए लेकिन मंगलवार को संसद में राष्ट्रीय खेल विधेयक के पारित होने के बाद 1983 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाला यह दिग्गज कम से कम सितंबर में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) तक बीसीसीआई अध्यक्ष के रूप में काम करता रहेगा। अगर बीसीसीआई की राज्य इकाइयों के सदस्य सहमत होते हैं तो बिन्नी 75 वर्ष की आयु तक पद पर बने रह सकते हैं जो अब राष्ट्रीय खेल महासंघों के पदाधिकारियों के लिए कट ऑफ आयु है।

राष्ट्रमंडल खेलों की दावेदारी को मंजूरी मिलेगी

नई दिल्ली : भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए बोली को बुधवार को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की विशेष आम बैठक (एसजीएम) के दौरान औपचारिक मंजूरी मिल जाएगी क्योंकि देश इस बहु-खेल आयोजन की मेजबानी का मजबूत दावेदार बनकर उभरा है। आईओए मुख्यालय में एसजीएम का मुख्य एजेंडा 'भारत में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए राष्ट्रमंडल खेल (पूर्व सीजीएफ) को बोली प्रस्तुत करने की मंजूरी और इससे संबंधित अन्य कार्य' है।

बेंगलुरु पर मेजबानी गंवाने का खतरा

बेंगलुरु : महिला वनडे वर्ल्ड कप के चार मैचों की मेजबानी करने से बेंगलुरु का एम चिन्नास्वामी स्टेडियम वंचित रह सकता है। बीसीसीआई ने पुलिस की अनुमति लेने के लिए 10 अगस्त की समयसीमा निर्धारित की थी लेकिन कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को अभी तक अनुमति नही मिली है।

चार शतक और 754 रन, गिल बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

दुबई, एजेंसी

- **भारतीय कप्तान शुभमन बोले- बर्मिंघम में लगाया दोहरा शतक हमेशा याद रहेगा**

इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई पांच टेस्ट मैचों की शृंखला में 754 रन बनाने वाले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने मंगलवार को आईसीसी का महीने (जुलाई 2025) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने के बाद कहा कि एजबेस्टन में टीम की जीत में योगदान देने वाला उनका दोहरा शतक उन्हें हमेशा याद रहेगा।

गिल ने इस दौरे पर युवा खिलाड़ियों से सजी भारतीय टीम को कप्तान और बल्लेबाज के तौर पर काफी प्रेरित किया। उन्होंने पांच मैचों की इस शृंखला में चार शतक लगाए जिससे विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों की गैरमौजूदगी में भी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ शृंखला को 2-2 से बराबर करने में सफल रही।

गिल ने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और दक्षिण अफ्रीका के हरफनमौला वियन मुल्डर को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। गिल ने उम्मीद जताई कि वह आने वाले सत्र में भी अपनी इस लय को जारी रखेंगे। गिल ने आईसीसी से जारी विज्ञप्ति में कहा जुलाई महीने का आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने पर बहुत अच्छा लग रहा है। इस बार इसका महत्त्व और भी ज्यादा है, क्योंकि यह कप्तान के रूप में मेरी पहली टेस्ट शृंखला में मेरे प्रदर्शन के लिए मिला है। बर्मिंघम में लगाया गया दोहरा शतक ऐसी उपलब्धि है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा और यह इंग्लैंड के मेरे दौरे के खास पलों में से एक होगा। इस 25 साल के खिलाड़ी ने कहा इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट शृंखला मेरे लिए कप्तान के तौर पर सीखने का अनुभव रही और दोनों टीमों की तरफ से कुछ बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिले। मुझे यकीन है कि दोनों टीमों के खिलाड़ी लंबे समय तक याद रखेंगे।

उन्होंने आने वाली शृंखलाओं में इस लय को जारी रखने की उम्मीद जताते हुए कहा मैं इस पुरस्कार के लिए मुझे चुनने के लिए जूरी और इस रोमांचक शृंखला के दौरान मेरे साथ रहे मेरे साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपनी फॉर्म जारी रखने और देश के लिए और अधिक सम्मान हासिल करने की उम्मीद करता हूं। गिल आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार चार बार जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर जुलाई में खेले गए तीन टेस्ट मैचों में 94.50 की औसत से 567 रन (कुल 754 रन में से) बनाए थे। वह इससे पहले जनवरी 2023, सितंबर 2023 और फरवरी 2025 में इस खिताब को अपने नाम कर चुके है। गिल ने इस दौरान बर्मिंघम में खेले गये दूसरे टेस्ट मैच में कुल 430 रन (पहली पारी में 269 और दूसरी पारी में 161 रन बनाए।

महिला वर्ग में सोफिया सर्वश्रेष्ठ

- महिला वर्ग में इंग्लैंड की सोफिया डंकले को जुलाई महीने की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। डंकले ने इस सम्मान के लिए अपनी टीम की साथी सोफी एक्लेस्टोन और आयरलैंड की कप्तान गैबी लुईस को पीछे छोड़ा। उन्होंने इस दौरान वनडे और टी20 दोनों में शानदार प्रदर्शन किया। भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर दोनों प्रारूप के सात मैच खेले, जिसमें तीन वनडे और चार टी20 में कुल 270 रन बनाए। डंकले टी20 शृंखला में इंग्लैंड की तरफ से सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं और साउथम्पटन में पहले वनडे में 92 गेंदों में शानदार 83 रन बनाए थे।

दीप्ति टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

दुबई : भारत की दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 की नवीनतम रैंकिंग में गेदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना बल्लेबाजों के बीच शीर्ष से दूसरे स्थान पर खिसक गईं।

दीप्ति पाकिस्तान की सादिया इकबाल के साथ 732 रेटिंग अंक के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। सादिया रैंकिंग में पहले स्थान से दूसरे स्थान पर खिसक गई जबकि ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड चार रेटिंग अंकों की बढ़त के साथ पहली बार शीर्ष रैंकिंग की टी20 अंतर्राष्ट्रीय गेंदबाज बनने में सफल रही। सादिया ने आयरलैंड के खिलाफ शृंखला में सिर्फ तीन विकेट लेने के बाद रेटिंग अंक गवां दिए। पाकिस्तान महिला टीम इस शृंखला को 1-2 से हार गई थी।

सैमसन अगर पहले विकेटकीपर तो फिर दूसरा कौन - जितेश, जुरेल या राहुल?

एशिया कप के लिए भारतीय टीम का जल्द होगा एलान, संजू का चयन माना जा रहा तय

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया कप 2025 में अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं और इसके लिए भारतीय टीम का ऐलान भी जल्द ही होने वाला है। एशिया कप का यह संस्करण टी20 फॉर्मेट में होने जा रहा है क्योंकि अगले साल टी20 विश्व कप भी प्रस्तावित है।

ऐसे में कई तरह के सवाल सभी के जेहन में चल रहे हैं कि भारतीय दल में कौन-कौन होगा? सलामी बल्लेबाज कौन होंगे, तेज गेंदबाज़ों में किसको-किसको जगह मिलेगी, स्पिनर्स कौन-कौन रहने वाले हैं, ऑलराउंडर्स कौन होंगे और विकेटकीपर कितने रहेंगे और कौन कौन? लिहाजा इसी कड़ी में आज हम विकेटकीपर की बात करने जा रहे हैं, और जानने की कोशिश करते हैं कि मौजूदा फॉर्म, टीम संयोजन और आंकड़ों के हिसाब से किसका खेलना तय है तो किसे मिल सकता है वापसी का मौका। संजू सैमसन (करीब-करीब तय) इस फेहरिस्त में पहला नाम आता है संजू सैमसन का, जिनका यूएई जाना करीब-करीब तय माना जा रहा है।

सैमसन पिछले कुछ दिनों से मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टी20 टीम के प्रमुख सदस्य हैं। सैमसन ने वैसे तो भारत के लिए 42 टी20 मैचों में 25.32 की औसत और 152.32 के स्ट्राइक रेट से 861 रन बनाए हैं जिसमें तीन शतक भी शामिल हैं। सैमसन ने भारत के लिए अपना पहला टी20 एक दशक पहले यानी 2015 में ही खेल लिया था, लेकिन उनकी अनिरंतरता उनका स्थान पक्का नहीं कर पा रही थी। हालांकि अब ऐसा नहीं है पिछली 10 टी20 पारियों में उनका प्रदर्शन अद्भुत रहा है, सैमसन ने इस दौरान 42 की औसत और 188.05 के बेमिसाल स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए हैं। यानी उनके टी20 के करीब 43 फ़ीसदी रन पिछली 10 पारियों में ही आए हैं और टी20 के सभी शतक भी इसी दौरान आए हैं। सैमसन के इन तीन शतकों में दो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्हीं के घर में आए थे जबकि एक बांग्लादेश के खिलाफ हैदराबाद में आया था। सैमसन के लिए आईपीएल 2025 मिला जुला रहा था, चोट से परेशान सैमसन ने इस सीजन राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के लिए नौ ही मुकाबले खेले थे जिसमें एक अर्धशतक के साथ उन्होंने 285 रन बनाए थे। सैमसन टी20में न सिर्फ एक विकेटकीपर हैं बल्कि सलामी बल्लेबाज की भूमिका बेहतरीन अंदाज में अदा करते हैं, लिहाजा उनका एशिया कप में जाना लगभग तय ही है। अब सवाल यह है कि सैमसन अगर एशिया कप के लिए विकेटकीपर की पहली पसंद हैं तो उनके बैकअप के तौर पर दूसरा विकेटकीपर कौन होगा? वैसे तो अगर ऋषभ पंत चोटिल न हुए होते तो भारतीय दल का हिस्सा बिल्कुल हो सकते थे, तब शायद हम यह बात कर रहे होते कि विकेटकीपर की पहली पसंद पंत होंगे या सैमसन। ऋषभ पंत अब वह चोट की वजह से उपलब्ध नहीं है।

संजू सैमसन।

बैकअप विकेटकीपर के सवाल का जवाब हो सकता है बेहद मजेदार

- बैकअप विकेटकीपर के सवाल का जवाब बेहद मजेदार हो सकता है क्योंकि विकल्प काफी हैं और सभी एक से बढ़कर एक। जिसमें पहला नाम आता है **जितेश शर्मा** का, वह विकेटकीपर जिन्हें भारत का भावी बेस्ट फिनिशर विकेटकीपर माना जाने लगा था। जितेश ने आईपीएल में कुछ बेहतरीन पारियां खेली थीं जिसका इनाम उन्हें टीम इंडिया की जर्सी के तौर पर मिला था। जितेश ने भारत के लिए नौ टी20 खेले और इनमें रन सिर्फ 100 बनाए लेकिन उनकी भूमिका अलग थी और नीचे आकर तेज तर्रार पारी खेलने की ज़िम्मेदारी थी। जितेश ने 147.05 के स्ट्राइक रेट से वह भूमिका निभाई भी लेकिन शायद 14.28 की औसत की वजह से वह चयनकर्ताओं को आगे आकर्षित नहीं कर पाए। जितेश ने भारत के लिए आखिरी टी20 अफगानिस्तान के खिलाफ जनवरी, 2024 में खेला था। लेकिन आईपीएल 2025 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया था।
- **ध्रुव जुरेल** हालांकि जुरेल ने भारत के लिए चार टी20 खेले हैं लेकिन इनमें प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है, आख़िरी बार वह इंग्लैंड के खिलाफ इसी साल की शुरुआत में खेलते हुए नजर आए थे। लेकिन अगर आईपीएल 2025 की बात करें तो वहां उनका प्रदर्शन प्रभावित करने वाला जरूर रहा था, उन्होंनेआरआर के लिए 14 मैचों 37 की औसत और 156.33 के स्ट्राइक रेट से 333 रन बनाए थे जिसमें दो अर्धशतक भी शामिल थे।
- **इशान किशन**, एक और विकेटकीपर जिसने बहुत ही कम समय में भारतीय टीम में करीब-करीब अपना स्थान पक्का कर लिया था। लेकिन अचानक ही खराब फ़ॉर्म और टीम संयोजन में फिट न बैठने की वजह से वह भारतीय सेटअप से ही बाहर हो गए। बाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज की खासियत है पावरप्ले का लाजवाब इस्तेमाल करना, सैमसन की ही तरह किशन को भी सलामी बल्लेबाजी बेहद रास आती है। और इसी कारण 32 टी20I खेलने के बावजूद वह कभी भी टीम के नियमित सदस्य नहीं हो पाए। किशन ने भारत के लिए 32 मैचों में 25.67 की औसत और 124.37 के स्ट्राइक रेट से 796 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक भी शामिल है।
- **केएल राहुल** की, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर बतौर सलामी बल्लेबाज दो शतक के साथ 532 रन बनाए थे। सफेद गेंद की बात करें तो राहुल वनडे में भी टीम इंडिया के अभिन्न अंग हैं और बतौर विकेटकीपर वह मध्यक्रम में खेलते हैं। भारत के लिए राहुल ने वैसे तो 72 टी20 खेले हैं जिसमें दो शतक और 22 अर्धशतक के साथ 2265 रन हैं। हालांकि बतौर विकेटकीपर राहुल टी20 में सिर्फ आठ मैच ही खेल पाए हैं, इस दौरान उन्होंने 43.57 की औसत और 139.26 के स्ट्राइक रेट से 305 रन बनाए हैं जिसमें तीन अर्धशतक भी है। राहुल के ऊपर भी इस फॉर्मेट में उनके स्ट्राइक रेट को लेकर आवाज उठती रही है, हालांकि आईपीएल 2025 में उन्होंने इस बात का जवाब अपने बल्ले से दिया था। राहुल की सबसे बड़ी खासियत है टीम के हिसाब से खुद को ढाल लेना, लिहाजा एशिया कप में वह सैमसन का बैकअप बन सकते हैं तो सलामी बल्लेबाजी भी कर सकते हैं। साथ ही साथ टीम मैनेजमेंट चाहे तो राहुल का इस्तेमाल वनडे की ही तरह टी20 में भी मध्यक्रम में करा सकती है।

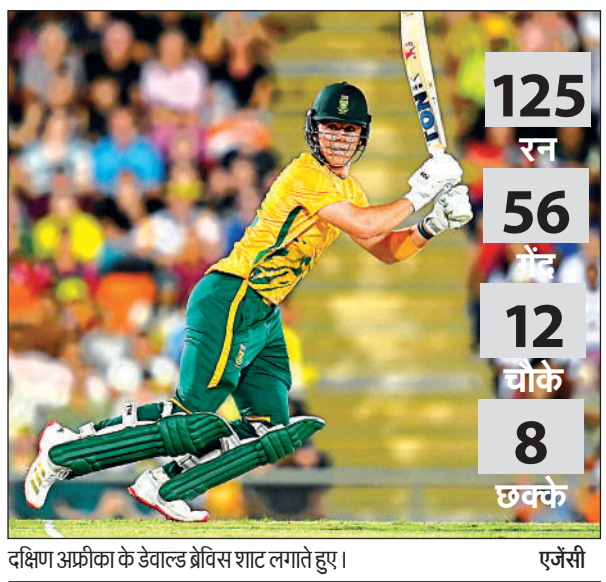

दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस शाट लगाते हुए। एजेंसी

ब्रेविस के धमाकेदार शतक से दक्षिण अफ्रीका जीता

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- **56 गेंदों पर नाबाद 125 रनों की पारी खेल ऑस्ट्रेलिया से सीरीज 1-1 से बराबर की**

डेवाल्ड ब्रेविस के रिकॉर्ड टी20 शतक की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय में मंगलवार को 53 रन से जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलिया के नौ मैचों के विजय अभियान पर रोक लगाते हुए तीन मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया।

बाईस साल के ब्रेविस ने 56 गेंदों पर आठ छक्कों और 12 चौकों की मदद से नाबाद 125 रन की पारी खेली और फाफ डुप्लेसी के इस प्रारूप में 119 रनों के दक्षिण अफ्रीका के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। डुप्लेसी ने 2015 में वेस्टइंडीज के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के लिए इस प्रारूप का सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। ब्रेविस ने मैदान के चारों ओर बड़े शॉट की झड़ी लगा दी जिससे दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सात विकेट पर 218 रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की टीम टिम डेविड की 24 गेंद में 54 रन की आक्रामक पारी के बावजूद 17.4 ओवर में 165 रन पर आउट हो गयी। सीरीज के शुरुआती मैच में चार विकेट लेने वाले क्वेन मफाका ने एक बार प्रभावित करते हुए कैमरून ग्रीन (नौ), ग्लेन मैक्सवेल (16) और मिशेल ओवेन (आठ) जैसे खतरनाक बल्लेबाजों के विकेट चटकाये। दक्षिण अफ्रीका ने सातवें ओवर में 57 रन पर तीन विकेट गंवा दिये थे। इसमें मैक्सवेल ने कप्तान एडेन मारक्रम (18) और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस (14) को पवेलियन की राह दिखाई।

ब्रेविस ने इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स के साथ चौथे विकेट के लिए 126 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी के साथ मैच पर टीम का दबदबा कायम कर दिया। उन्हें 25 गेंद में अर्धशतक पूरा करने के बाद जीवनदान मिला जब मैक्सवेल की गेंद पर स्थानापन्न क्षेत्ररक्षक मैथ्यू कुहनेमान ने उनका कैच टपका दिया।

ब्रेविस ने इसके बाद बेहद आक्रामक तेवर दिखाते हुए मैक्सवेल, एडम जंपा, और जोश हेजलवुड की बखिया उधेड़ते हुए महज 16 गेंद के अंदर अगले 50 रन जोड़कर 41 गेंद में अपना शतक पूरा किया।

प्रशंसा | राष्ट्रीय खेल महासंघों की अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा- यही समय की मांग है

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पारित होने से महत्वपूर्ण सुधार हासिल : मांडविया

सही दिशा में उठाया गया कदम है विधेयक

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को कहा कि संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक के पारित होने से भारत के खेल परिदृश्य में बदलाव आएगा और निर्णय प्रक्रिया खिलाड़ी केंद्रित होगी। लोकसभा से मंजूरी मिलने के एक दिन बाद राज्यसभा में विधेयक पारित होने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मांडविया ने कहा कि सरकार अब अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारत के प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित करने के लिए पदक रणनीति बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

मांडविया ने कहा इस सुधार से देश का खेल क्षेत्र बदलेगा। दुनिया के 20 देशों के पास खेल कानून हैं और भारत अब उनके बराबर होगा। उन्होंने कहा आने वाले दिनों में हम अपनी पदक तालिका रणनीति तैयार करेंगे जिसके आधार पर अगले 10 वर्षों में हम विश्व स्तर पर शीर्ष स्थान पर होंगे। एक अरब से अधिक की आबादी वाले देश भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ ओलंपिक प्रदर्शन 2021 तोक्यो खेलों में हासिल किए गए सात पदक हैं जिसमें भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा एकमात्र स्वर्ण पदक विजेता रहे थे। निचले सदन में तेजी से पारित होने के बाद खेल विधेयक पर राज्यसभा में दो घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। खेल विधेयक की तीन महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं। राष्ट्रीय खेल बोर्ड, जिसके पास राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने और उनकी मान्यता रद्द करने का अधिकार होगा। विवादों के त्वरित समाधान के लिए राष्ट्रीय खेल पंचाट और महासंघों के चुनावों की निगरानी के लिए राष्ट्रीय खेल चुनाव पैनल (एनएसईपी) होगा। इसके अलावा इसमें महासंघों में महिलाओं और खिलाड़ियों के अनिवार्य प्रतिनिधित्व का प्रावधान भी है।

खेल मंत्री मनसुख मांडविया। एजेंसी

मांडविया ने कहा खेल क्षेत्र में सुशासन लाने के लिए राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक पहले लोकसभा में और आज राज्यसभा में पारित किया गया। खेल प्रशासन विधेयक के माध्यम से देश में खिलाड़ी केंद्रित माहौल होगा, महासंघों में पारदर्शिता आएगी और विवादों के समाधान में तेजी आएगी। उन्होंने आगे कहा इसके साथ ही महिलाओं और पैरा खिलाड़ियों को प्रतिनिधित्व मिलेगा।

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का कानून बनने का मार्ग प्रशस्त होने पर देश के राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएफएस) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मंगलवार को इस ऐतिहासिक नीति का स्वागत किया और इसे सही दिशा में उठाया गया एक कदम बताया क्योंकि भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी की तैयारी कर रहा है।

लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों से पारित होने के बाद यह विधेयक कानून बनने वाला है। इसका मकसद भारत के खेल प्रशासन में सुधार और मानकीकरण करना है, जिससे राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) में सुशासन के लिए एक स्पष्ट ढांचा तैयार होगा। इस तरह भारत खेल प्रशासन को सुचारू करने के लिए औपचारिक कानून रखने वाले अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और जापान जैसे देशों में शामिल हो जाएगा।

एनएफएस की अध्यक्ष पीटी उषा।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के अंतरिम सचिव सुंदर अय्यर ने पीटीआई को बताया यह निश्चित रूप से अच्छा है क्योंकि इससे चीजें काफी स्पष्ट हो जाएंगी। सभी को नियमों और विनियमों के एक ही खाके का पालन करना होगा। इससे पहले अलग-अलग खेल संघों के लिए अलग-अलग नियम होते थे। अय्यर ने हालांकि कहा कि कार्यकारी समिति में सीटों को सीमित करना एक आदर्श स्थिति नहीं है। उन्होंने कहा भारत एक बड़ा देश है, इसलिए कार्यकारी समिति को 15 सदस्यों तक सीमित रखना मुश्किल होगा। इसमें से चार से पांच सदस्य असाधारण योग्यता वाले खिलाड़ियों और एथलीट आयोग के सदस्यों के पास चली जाएगी, इसलिए व्यावहारिक रूप से 36 राज्यों में से आप कार्यकारी समिति में केवल 10-11 सदस्य ही रख सकते हैं। यह बहुत मुश्किल है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए था, संख्या अधिक होनी चाहिए थी।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और राज्य सभा की मनोनित सदस्य पीटी उषा ने भी इस विधेयक का समर्थन करते हुए कहा कि कहा कि इससे दशकों से चला आ रहा ठहराव दूर होगा।

विधेयक पारदर्शिता व जवाबदेही लाएगा

- पीटी उषा ने कहा-यह विधेयक पारदर्शिता, जवाबदेही और लैंगिक समानता लाएगा तथा एथलीटों को सशक्त बनाएगा और प्रायोजकों तथा महासंघों के बीच विश्वास पैदा करेगा। यह विधेयक न्याय और निष्पक्षता से जुड़ा हुआ है। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के अध्यक्ष सहदेव यादव ने कहा यह विधेयक 2036 के ओलंपिक के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। यह संघों में कानूनी मामलों की संख्या को कम करेगा और खेलों को समृद्ध होने देगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इससे होने वाले फायदे का जिक्र करते हुए कहा पंचाट (ट्रिब्यूनल) से काफी पैसे की बचत हो सकती है।